राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 80 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,22 सितम्बर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

एयर मार्शल चौधरी होंगे अगले वायु सेनाध्यक्ष

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एयर मार्शल वीआर चौधरी को नया वायु सेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। भारत सरकार ने एयर मार्शल वीआर चौधरी जो कि वर्तमान में वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ है, उन्हें अगला वायुसेनाध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लिया है। वो 1 अक्टूबर को एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया से कार्यभार लेंगे। वर्तमान वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया 30 सितंबर 2021 को सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

ई-संजीवनी से 1.2 करोड़ लोगों ने लिया परामर्श

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सरकार की टेलीमेडिसिन की पहल ई- संजीवनी के जरिये एक करोड़ 20 लाख लोगों ने अपनी बीमारियों के संबंध में परामर्श लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि ई- संजीवनी पहल दूरदराज के इलाकों में आम जनता के लिए बहुत लाभप्रद हो रही है। इसके जरिए रोगी समस्याओं के निदान के लिए महानगरों के डॉक्टरों और विशेषज्ञों से संपर्क कर रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार प्रतिदिन 90 हजार से ज्यादा लोग प्रतिदिन इसका इस्तेमाल करते हैं। आसानी से इलाज मुहैया किया जाता है। इसे पूरे देख में रोगियों के साथ चिकित्सकों द्वारा हाथों हाथ लिया गया।

अश्लील फिल्म केस में मुंबई जेल से कुंद्रा रिहा

मुंबई, (एजेंसी)। अश्लील फिल्म (पोर्नोग्राफी) मामले में जेल में दो महीने बिताने के बाद व्यवसायी राज कुंद्रा को मुंबई की आर्थर रोड से **नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिया गया। मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट एस बी भाजीपाले ने सोमवार को कुंद्रा की जमानत अर्जी 50 हजार रुपए के मुचलके पर मंजूर कर लिया था और मंगलवार को उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। कुंद्रा के सहयोगी और सह-आरोपी रयान थोर्प, जिन्हें 19 जुलाई को उनके साथ गिरफ्तार किया गया था, को भी अदालत ने कथित रूप से अश्लील फिल्में बनाने और कुछ ऐप के माध्यम से प्रसारित करने के मामले में जमानत मंजूर कर ली थी।

मुंद्रा पोर्ट पर 20,000 करोड़ की हेरोइन जब्त

कच्छ, (एजेंसी)। गुजरात में कच्छ के मुंद्रा पोर्ट पर हेरोइन की सबसे बड़ी खेप पकड़ी गई है। हेरोइन की यह खेप तीन हजार किलो बताई जा रही है, जिसकी कीमत लगभग 20000 करोड़ रुपए होगी। डीआरआई और कस्टम विभाग के अफसरों के मुताबिक, हेरोइन को अफगानिस्तान से इम्पोर्ट कर भारत लाया गया था। यहां हेरोइन की यह खेप दो कंटेनर्स से जब्त की गई है। जहां से 2 लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। केन्द्रीय खुफिया निदेशालय व कस्टम के ज्वाइंट ऑपरेशन में 16 सितंबर को नशे की ये खेप पकड़ी गई थी।

19 लाख रुपए में बिका भगवान गणेश का लड्डू

हैदराबाद, (एजेंसी)। हैदराबाद में 21 किलो के बालापुर गणेश लड्डू को नीलामी में 18.90 लाख रुपए की रिकॉर्ड कीमत पर बेचा गया। नीलामी रविवार को हुई जिसमें करीब 19 लोगों ने हिस्सा लिया था और लड्डू की बोली 1,116 रुपए से शुरू हुई थी। बालापुर लड्डू नीलामी हर साल भगवान गणेश की मूर्ति के विसर्जन के अंतिम दिन आयोजित की जाती है। आंध्र के कडप्पा से वाईएसआर कांग्रेस एमएलसी आरवी रमेश यादव और उनके साथी मैरी शशांक रेड्डी ने इस साल लड्डू को सबसे ऊंची बोली लगाकर हासिल किया।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गोवा के रुद्रेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की.

अमित शाह और उद्धव ठाकरे की दिल्ली में होगी मुलाकात, राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में बीजेपी और शिवसेना के बीच वर्तमान में बेहद तनावपूर्ण संबंध चल रहे हैं. यह बात किसी से ढंकी-छुपी नहीं है. ऐसे माहौल में रविवार (26 सितंबर) को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और देश के गृहमंत्री अमित शाह के बीच दिल्ली में एक अहम बैठक होने वाली है.

दरअसल, देश में जगह-जगह नक्सलवादी कार्रवाइयों, नक्सलग्रस्त भागों के विकास, शहरी नक्सलवाद जैसे मुद्दों पर गृहमंत्री अमित शाह ने एक मीटिंग बुलाई है. नक्सल प्रभावित राज्यों के प्रतिनिधि इस बैठक में मौजूद रहेंगे. इसी मीटिंग में भाग लेने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी जाएंगे. लोगों की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि जिस तरह पिछली बार जब उद्धव ठाकरे अपने प्रतिनिधिमंडल लेकर दिल्ली गए थे तो उनकी पीएम नरेंद्र मोदी के साथ वन टू वन मीटिंग भी हुई थी, क्या इस बार भी अमित शाह के साथ उद्धव ठाकरे की वैसी ही अकेले में मुलाकात होगी? और अगर मुलाकात हुई तो बीजेपी और शिवसेना के बीच दूरियों को कम करने का कोई रास्ता निकलेगा? यही वजह है कि उद्धव ठाकरे के इस दौरे पर लोगों की नज़रें टिकी हुई हैं.

उद्धव ठाकरे इस बारी, दिल्ली जाने से पहले खूब कर रहे तैयारी

राज्यों में नक्सलवाद से निपटने के लिए केंद्र की जो राष्ट्रीय योजनाएं और संकल्प हैं, उसे एक निश्चित आकार देने का समय आ गया है. बैठक में इस बात पर चर्चा होने वाली है. 2015 में केंद्र ने एक संकल्प निश्चित किया था. इसे आगे बढ़ाते हुए सुरक्षा से जुड़े उपाय, विकास के कामों को गति देना और स्थानीय निवासियों के अधिकारों की रक्षा जैसे मुद्दे अहम होंगे.

इस बैठक के लिए दिल्ली जाने से पहले मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को एक मीटिंग की. इस मीटिंग में राज्य के गृहमंत्री दिलीप वलसे पाटील, मुख्य सचिव सीताराम कुंटे और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद थे. नक्सलवादी कार्रवाइयों को रोकने के लिए राज्य सरकार की कोशिशें, नक्सलग्रस्त क्षेत्रों में जो विकास के काम शुरू हैं, उनका जायजा, निधि की व्यवस्था, निधि खर्च नहीं होने के कारण, जंगलों से जुड़े तथ्य, केंद्र-राज्य समन्वय जैसे मुद्दों पर बैठक में चर्चा हुई. मुख्यमंत्री ने गुरुवार को एक बार फिर ऐसी ही बैठक बुलाई है. इस बैठक में दिल्ली की मीटिंग में [illegible] जाएंगे, यह **नई दिल्ली (एजेंसी)।**

नरेंद्र गिरि की मौत की जांच के लिए एसआईटी गठित

सुसाइड नोट में लिखा: आनंद गिरि लड़की के साथ फोटो बनाकर बदनाम करना चाहता था, 13 सितंबर को ही आत्महत्या करना चाहता था, पर हिम्मत नहीं हुई

प्रयागराज (एजेंसी)। अभा अखाड़ा परिषद अध्यक्ष, निरंजनी अखाड़ा सचिव व महंत नरेंद्र गिरि (70) की मौत को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) प्रयागराज सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने पुलिस उपाधीक्षक अजित सिंह चौहान के नेतृत्व में 18 सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है।

इस बीच उनके शिष्य आनंद गिरि को यूपी पुलिस हरिद्वार से प्रयागराज ले आई है। आनंद से पुलिस लाइन में पूछताछ की गई। सोमवार को प्रयागराज के बाघंबरी मठ में नरेंद्र गिरि का शव संदिग्ध हालत में लटका मिला था। उनके सुसाइड नोट में आनंद गिरि का जिक्र है। इसलिए उत्तराखंड पुलिस ने आनंद गिरि को हरिद्वार में गिरफ्तार कर लिया था। उसके बाद यूपी पुलिस की टीम भी हरिद्वार पहुंच गई थी। सुसाइड नोट में नरेंद्र गिरि के हवाले से लिखा गया है कि एक महिला से जोड़कर उनका वीडियो वायरल किए जाने का धमकी दी जा रही थी। इसके चलते उन्हें यह कदम उठाना पड़ रहा है।

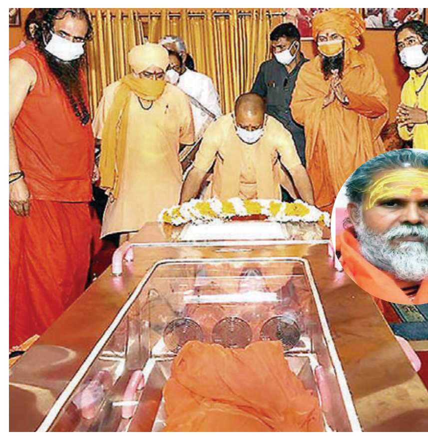

सीएम योगी ने महंत को दी श्रद्धांजलि

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बाघंबरी मठ पहुंचकर अभा अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि को श्रद्धांजलि दी। श्री योगी मंगलवार को प्रयागराज पहुंचे और सीधे बाघंबरी मठ पहुंचकर दिवंगत महंत नरेंद्र गिरि को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, इस दुखद घटना से हम सब व्यथित, घटना का पर्दाफाश होगा और दोषी को अवश्य सजा मिलेगी।

सुसाइड नोट में यह लिखा

मैं महंत नरेंद्र गिरि, आज मेरा मन आनंद गिरि के चलते बहुत विचलित हो गया है। आनंद गिरि मुझे बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। आज जब मुझे सूचना मिली है कि हरिद्वार से कम्प्यूटर के जरिए आनंद गिरि लड़की की तस्वीर लगाकर मेरा कोई वीडियो वायरल करने जा रहा है, तौ मैं सोच रहा हूं कि मैं कहां जाऊंगा, यदि ऐसा हो गया तो। किस किस को सच बताऊंगा। इसलिए ये कदम उठाने जा रहा हूं। मैं जिस पद पर हूं, यदि मेरा वीडियो वायरल हो गया तो मैं जिस समाज से जी रहा हूं, कैसे लोगों के सामने आऊंगा। इससे अच्छा, मेरा मर जाना है। इससे दुखी होकर मैं आत्महत्या करने जा रहा हूं। मेरी मौत का जिम्मेदार आनंद गिरि, आद्या प्रसाद तिवारी, संदीप तिवारी की होगी। इन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। वहीं पुलिस विभाग तीनों को बुधवार को कोर्ट के समक्ष पेश करेगी।

आज होगा अंतिम संस्कार

अभा अखाड़ा परिषद अध्यक्ष व बाघम्बरी पीठ के प्रमुख महंत नरेंद्र गिरि का बुधवार सुबह 8 बजे पोर्स्टमार्टम होगा और 12 बजे महंत भू समाधि दी जाएगी। उनकी समाधि गुरु की समाधि के पास होगी।

दो सीडी को खंगाला जा रहा: सूत्रों के अनुसार पुलिस महंत नरेंद्र गिरि की मृत्यु से जुड़े दो वीडियों को भी खंगाल रही है। इस वीडियो की बातचीत में ऐसा लग रहा है कि महंत को धमकाया जा रहा है। इस वीडियो का जिक्र महंत नरेंद्र गिरि के कथित सुसाइड नोट में भी है।

दो करीबी सेवक गायब: महंत मौत मिस्ट्री मामले में रसोइया बद्री प्रसाद शुक्ला का बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा है कि नरेंद्र गिरि के दो सेवक सोमवार को घटना के वक्त साथ नहीं थे, महंत के साथ दोनों हमेशा रहते थे, लेकिन वें सोमवार को नहीं थे।

डिप्टी कमांडेंट ओपी पांडेय से भी होगी पूछताछ: नरेंद्र गिरि की मौत के मामले में डिप्टी कमांडेंट ओपी पांडेय से भी पूछताछ होगी। ओपी पांडेय मुरादाबाद स्थित 23 बटालियन पीएसी में तैनात हैं, लेकिन इन दिनों लखनऊ मुख्यालय से अटैच हैं। सपा की सरकार में राज्य मंत्री का दर्जा पाने वाले इंदुप्रकाश मिश्रा और भाजपा नेता सुशील मिश्रा से भी पूछताछ की जा सकती है, उन्होंने नरेंद्र गिरि और आनंद गिरि के बीच समझौता करवाया था। बताया जा रहा है कि राजनीतिक दलों से जुड़े कुछ लोगों के साथ-साथ आधा दर्जन से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं नरेंद्र गिरि के सुरक्षाकर्मी (गनर) अजय से भी पूछताछ की गई है। वहीं प्रयागराज के जार्ज टाउन थाने में महंत के शिष्य अमर गिरि पवन महाराज ने आनंद गिरि पर एफआईआर दर्ज की गई है। आईपीसी 306 के तहत यह एफआईआर दर्ज की गई है।

भाजपा प्रत्याशी डॉ. मुरुगन ने किया नामांकन दाखिल

राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुना जाना तय

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश से राज्यसभा की रिक्त एक मात्र सीट के लिए भाजपा प्रत्याशी एवं केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. एल मुरुगन मंगलवार को पार्टी कार्यालय से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय राज्य मंत्री प्रहलाद पटेल और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णदत्त शर्मा के साथ विधानसभा पहुंचे और राज्यसभा उपचुनाव के रिटर्निंग अधिकारी एपी सिंह को अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया।

मध्यप्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी का चुना जाना तय है और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने प्रत्याशी नहीं उतारने का निर्णय लिया है। इसलिए श्री मुरुगन को निर्विरोध राज्यसभा के लिए चुना जाना तय माना जा रहा है। इसकी घोषणा नाम वापसी की तिथि 27 सितंबर को की जा सकती है। मध्यप्रदेश से राज्यसभा की एक रिक्त सीट के निर्वाचन के लिए 15 सितंबर को अधिसूचना जारी की गई थी, 22 सितंबर को नामांकन-पत्र दाखिल करने का अंतिम दिन है। नामांकन-पत्रों की जांच 23 सितंबर को 2.00 बजे से की जाएगी। (शेष पेज 4 पर)

भोपाल में मंगलवार को केंद्रीय राज्यमंत्री एवं राज्यसभा के लिए भाजपा उम्मीदवार एल मुरुगन ने अपना नामांकन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ,भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ,केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल एवं गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा की उपस्थित में भरा।

प्रदेश को एक और केंद्रीय मंत्री मिला : सीएम

भाजपा ने केंद्रीय राज्य मंत्री एल मुरुगन को मप्र से राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नामांकन पत्र जमा करने से पहले मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि श्री मुरुगन सत्ता और संगठन दोनों का अनुभव रखते हैं। वे कुशल संगठक भी हैं। उनके प्रदेश से राज्यसभा जाने से प्रदेश को एक और केंद्रीय मंत्री मिल गया है।

भारत के हाईवे प्रोजेक्ट में चीन ने नहीं किया निवेश, भारत को निर्यात बढ़ाने और आयात कम करने पर करना होगा काम: नितिन गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि चीनी कंपनियों ने हाल के दिनों में भारत में राजमार्ग परियोजनाओं में निवेश नहीं किया है. इससे पहले चीन के साथ सीमा गतिरोध के बीच गडकरी ने जुलाई 2020 में कहा था कि भारत चीनी कंपनियों को राजमार्ग परियोजनाओं में भाग लेने की मंजूरी नहीं देगा. उन्होंने कहा था कि इसमें संयुक्त उपक्रमों के जरिए भागीदारी पर रोक भी शामिल होगी. यह पूछे जाने पर कि क्या चीनी कंपनियों ने हाल के दिनों में भारत की राजमार्ग परियोजनाओं में निवेश किया है? गडकरी ने ना में जवाब दिया. हालांकि उन्होंने इस मुद्दे पर विस्तार से कुछ नहीं बताया. केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी ने हाल में दिए एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि भारत को अपना निर्यात बढ़ाना होगा और आयात कम करना होगा.

टेस्ला को कर रियायत देने का फैसला वित्त मंत्रालय लेगा- भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर आयात शुल्क में कमी की अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला की मांग जुड़े एक सवाल को लेकर गडकरी ने कहा, 'टेस्ला को कोई कर रियायत देने का फैसला वित्त मंत्रालय द्वारा लिया जाएगा.' उन्होंने साथ ही कहा कि सरकार परिवहन के लिए एक संभावित ईंधन के तौर पर ग्रीन हाइड्रोजन को लेकर संभावनाएं तलाश रही हैं. केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'भविष्य के भारत' के निर्माण के लिए हमें अपना निर्यात बढ़ाना होगा और आयात कम करना होगा.'

सड़क मंत्रालय को लिखे एक पत्र में अमेरिकी फर्म ने कहा था कि 40,000 अमरीकी डालर से अधिक के सीमा शुल्क वाले वाहनों पर 110 प्रतिशत का प्रभावी आयात शुल्क जीरो-इमिशन व्हीकल के लिए निषेधात्मक है. इसने सरकार से अनुरोध किया है कि सीमा शुल्क मूल्य के बावजूद इलेक्ट्रिक कारों पर टैरिफ को 40 प्रतिशत तक मानकीकृत किया जाए और इलेक्ट्रिक कारों पर 10 प्रतिशत का सामाजिक कल्याण अधिभार वापस लिया जाए.

प. बंगाल में टीएमसी के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी

मजूमदार ने कहा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष सुकांता मजूमदार ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा है कि राज्य में 'तालिबान' के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रखनी है।

मंगलवार को यहां एक सभा को संबोधित करते हुए श्री मजूमदार ने कहा कि अगर कुछ लोग सोचते हैं कि वे भाजपा छोड़कर पार्टी खत्म कर देंगे, तो ऐसा कभी नहीं होगा। मैं उन लोगों को धन्यवाद देता हूं जो पश्चिम बंगाल को अफगानिस्तान बनने से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तृणमूल एक राजनीतिक दल की आड़ में परिवार के स्वामित्व वाली संपत्ति बन गई है। तृणमूल में सिर्फ रिश्तेदारों की खातिरदारी की जाती है। श्री मजूमदार ने कहा कि भाजपा वह पार्टी है जो आम लोगों को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देती है।

प्रधानमंत्री मोदी आज अमेरिका जाएंगे

आतंकवाद, अफगानिस्तान का मुद्दा फोकस में रहेगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बुधवार से शुरू हो रही चार दिवसीय अमेरिका की यात्रा में अफगानिस्तान एवं आतंकवाद का मुद्दा फोकस में होगा तथा 24 सितंबर को वाशिंगटन में भारत अमेरिका ऑस्ट्रेलिया एवं जापान की चतुष्कोणीय फ्रेमवर्क शिखर बैठक में भी यह मुद्दा छाया रहेगा।

विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने प्रधानमंत्री की यात्रा की जानकारी देने के लिए मंगलवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में अफगानिस्तान एवं आतंकवाद का मुद्दा द्विपक्षीय बैठकों एवं क्वाड शिखर सम्मेलन में निश्चित रूप से प्रमुखता से शामिल होगा।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता कब्जाने के बाद क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर चर्चा होगी। हम कट्टरवाद, उग्रवाद, सीमापार आतंकवाद को नियंत्रित करने तथा वैश्विक आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करने की जरूरत पर बात करेंगे। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें अधिवेशन में भी इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान जितना हमारे लिये अहम मुद्दा है, उतना ही अहम अमेरिका के लिए भी है। उससे संबंधित सारे पहलुओं पर बात होगी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पिछले माह भारत की अध्यक्षता में पारित प्रस्ताव संख्या 2593 के क्रियान्वयन पर बात होगी जिसमें कहा गया है कि अफगानिस्तान की धरती का किसी अन्य देश के खिलाफ हमले या हमले की साजिश रचने में नहीं किया जाएगा। इसके लिए किसी देश या गैर सरकारी शक्तियों के खिलाफ निगरानी रखने एवं आतंकवाद निरोधक कदम उठाने को लेकर भारत एवं अमेरिका दोनों देश सैद्धांतिक रूप से सहमत हैं।

बेंगलुरु के एक अपार्टमेंट में सिलेंडर से गैस लीक होने पर लगी भीषण आग, दो लोगों की मौत

नई दिल्ली। बेंगलुरु में सिलेंडर से गैस लीक होने पर 2 लोगों की मौत हो गई है. घटना शाम 4.35 से 4.40 बजे के आसपास की है और फायर ब्रिगेड की गाड़ी शाम करीब 4.55 बजे वहां पहुंच गई. जिसके बाद पूरे अपार्टमेंट परिसर को खाली कराया गया. यह घटना देवारचिकाना हाली अपार्टमेंट में हुई. फायर ब्रिगेड के लोग यह सुनिश्चित करने में लगे हैं कि मरने वालों की संख्या ज्यादा न हो. तलाशी अभियान जारी है. बेंगलुरु में डीजीपी और डीजी फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज कर्नाटक ने इसकी जानकारी दी.

डीजीपी ने बताया कि इमरजेंसी सेवाओं के वहां पहुंचते ही पूरी बिल्डिंग खाली करा ली गई थी. घटना घरेलू गैस सिलिंडर के लीक से होने की आशंका है. घटनास्थल से जो तस्वीरें सामने आई हैं उनमें बिल्डिंग के बीच के हिस्से से तेज धुआं निकलता दिखाई दे रहा है. वहीं एक महिला बिल्डिंग में फंसी दिखाई दे रही है. घटनास्थल पर मौजूद फायर ब्रिगेड के जवान आग पर काबू पाने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं.

घर में लगी आग से मचा हड़कंप

बता दें कि कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के अपार्टमेंट में लगी आग का 90 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो में एक महिला आग की लपटों के बीच अपने बालकनी में बेबस दिखाई दे रही है. जानकारी के अनुसार यह वीडियो अपार्टमेंट के आसपास के ही किसी व्यक्ति ने बनाया है. वीडियो बनाने वाले ने बताया कि अपार्टमेंट में आग अचानक से लगी और तेजी से फैली. यहां तक कि किसी के भागने का मौका तक नहीं मिला. वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि कैसे महिला कुछ पलों में ही आग की लपटों में घिर गयी और बाद में उसकी मौत हो गई.

वहीं हाल ही में दिल्ले ली से लगे गाजियाबाद में फायर विभाग की तत्परता से एक बड़ा हादसा होने से टल गया था. दरअसल, गाजियाबाद के साहिबाबाद साइट 4 में स्थित पारस मिल्क फैक्ट्री में बीती रात अमोनिया गैस का रिसाव हुआ था. रिसाव की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर दमकल की टीम एक्शन में आ गई. हालांकि रिसाव के चलते एक दमकल कर्मी समेत छह कर्मचारी मौके पर बेहोश हो गए, बाद में दमकल कर्मियों ने मास्क पहनकर 25 मजदूरों को रेस्क्यू कराया था.

कोविशील्ड को लेकर ब्रिटेन के भेदभावपूर्व रवैये पर भारत का ऐतराज, जवाबी एक्शन की तैयारी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने ब्रिटेन के कोविशील्ड वैक्सीन को मान्यता न देना वाले फैसले पर आपत्ति जताई है. विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने मंगलवार को कहा कि यूके सरकार का कोविशील्ड को मान्यता नहीं देने का निर्णय 'भेदभावपूर्ण' है. उन्होंने कहा कि इस कारण से यूके की यात्रा करने वाले हमारे नागरिकों को ये नीति प्रभावित करती है. विदेश मंत्री ने ब्रिटेन के नए विदेश सचिव के समक्ष इस मुद्दे को मजबूती से उठाया है.

ब्रिटिश सरकार की तरफ से जारी नए यात्रा नियमों पर विवाद जारी है. मंगलवार को कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी इस पर कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की. उन्होंने कहा कि इस तरह के नियम बनाकर ब्रिटेन दोहरा मानदंड अपना रहा है. थरूर ने कहा कि मेरे पास इतना वक्त नहीं है कि लंदन जाकर अपने दस दिन क्वॉरंटीन में बर्बाद करूं. जबकि मैं वैक्सीन की दोनों डोज लगवा चुका हूं और कोरोना से पूरी तरह से सुरक्षित हूं. इसलिए मैंने अपनी लंदन यात्रा ही कैंसिल कर दी. साथ ही उन्होंने लोगों को ब्रिटिश सरकार के इस फैसले के खिलाफ आवाज उठाने की भी अपील की है.

भारत में अधिकतर लोगों ने लगवाया कोरोना टीका-

भारत में अधिकांश लोगों को

कोविशील्ड टीका ही लगा है. यह ब्रिटेन के एस्ट्राजेनेका वैक्सीन का ही भारतीय वर्जन है. इसे भारत में सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने बनाया है, इसके बावजूद भारत को सूची से बाहर रखा गया है. ब्रिटेन में नेशनल इंडियन स्टूडेंट एंड एलुमनाई यूनियन (एआईएसएयू) की अध्यक्ष सनम अरोड़ा ने कहा, 'भारतीय छात्र इस बात से परेशान हैं कि उन्हें लगता है कि यह एक भेदभावपूर्ण कदम है क्योंकि अमेरिका और यूरोपीय संघ के उनके समकक्षों की तुलना में उनके साथ अलग व्यवहार किया जा रहा है.

डब्लूएचओ ने भी जताई ब्रिटेन के फैसले पर आपत्ति-

इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी ब्रिटेन के इस फैसले पर आपत्ति जताई है. टाइम्स नाऊ के मुताबिक डब्लूएचओ ने कहा है कि कोविशील्ड डब्लूएचओ की इमरजेंसी वैक्सीन की लिस्ट में शामिल है. इसलिए इस वैक्सीन को मान्यता न देना पूरी तरह से गलत है. उसने कहा है कि डब्लूएचओ की इमरजेंसी लिस्ट में शामिल सभी वैक्सीन को मान्यता दी जानी चाहिए. वहीं कई अन्य लोगों ने भी ब्रिटिश सरकार के फैसले को गलत ठहराया है. बता दें कि 17 सितंबर को ब्रिटेन ने अपना नया ट्रैवेल रूल जारी किया. इसमें कई देशों को रेड लिस्ट में रखा गया है. इस रूल के मुताबिक अफ्रीका, दक्षिणी अमेरिका, यूएई, इंडिया, टर्की जॉर्डन, थाईलैंड और रूस में कोरोना की वैक्सीन लगवाने वालों को अनवैक्सीनेटेड माना जाएगा. इसको लेकर लगातार बहस जारी है.

संक्षिप्त समाचार

कम उम्र के बच्चों के लिए भी सुरक्षित पाई गई फाइजर की कोरोना वैक्सीन

वाशिंगटन । अमेरिकी दवा कंपनी फाइजर की कोरोना रोधी वैक्सीन को पांच से 11 साल के बच्चों के लिए भी सुरक्षित और प्रभावी पाया गया गया है। कंपनी ने सोमवार को यह दावा करते हुए कहा कि इसके इस्तेमाल की मंजूरी के लिए वह जल्द ही अमेरिका और यूरोप समेत अन्य दवा नियामकों के पास इसके आंकड़े जमा कराएगी।

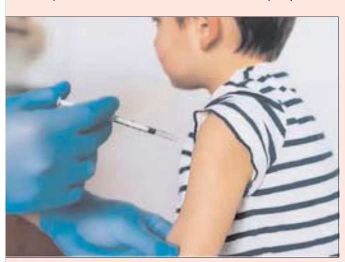

फाइजर ने जर्मन कंपनी बायोएनटेक के साथ मिलकर कोरोना रोधी वैक्सीन विकसित की है। अभी यह वैक्सीन 12 साल से अधिक उम्र के बच्चों और वयस्कों को लगाई जा रही है। फाइजर के मुताबिक परीक्षण के दौरान बच्चों को वयस्कों की तुलना में एक तिहाई डोज दी गई। बच्चों को 21 दिन के अंतराल पर उन्हें 10 माइक्रोग्राम की दो डोज दी गई। जबकि, 12 साल से अधिक उम्र के बच्चों और वयस्कों को 30 माइक्रोग्राम की डोज दी जाती है। यह परीक्षण केजी और प्राइमरी स्कूल आयुवर्ग के 2,268 बच्चों पर किया गया।

फाइजर के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट डा. बिल ग्रुबर ने कहा कि दूसरी डोज के बाद पांच से 11 साल के बच्चों में कोरोना वायरस के खिलाफ किशोरों और वयस्कों जैसी ही मजबूत एंटीबाडी पाई गई। पेशे से बाल रोग विशेषज्ञ डा. ग्रुबर ने बताया कि बच्चों के लिए यह वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित भी है। किशोरों की तरह ही बच्चों में हाथ में दर्द, बुखार और बेचैनी जैसे तात्कालिक प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिले। कंपनी की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि वैक्सीन संबंधी इन आंकड़ों को जल्द ही अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए), यूरोपीयन मेडिसीन एजेंसी (ईएमए) और अन्य नियामकों के पास जमा कराया जाएगा।

एक रिपोर्ट में दो स्वास्थ्य विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया है कि 5 से 11 वर्ष की उम्र के बच्चों के लिए कोविड टीके अक्टूबर के अंत तक उपलब्ध हो सकते हैं। इससे छोटे बच्चों के माता-पिता को राहत मिलेगी क्योंकि मौजूदा समय में कोरोना टीके केवल 12 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए उपलब्ध हैं। ह्ड्ड्ड्ड्ड की रिपोर्ट में कहा गया है कि वयस्कों की तुलना में कोविड से पीड़ित बच्चों में हल्के लक्षण या बिल्कुल भी नहीं होने की संभावना अधिक होती है। बच्चों में गंभीर बीमारी विकसित होने, अस्पताल में भर्ती होने या बीमारी से मरने की संभावना बहुत कम होती है।

अफगानिस्तान के लिए तालिबान ने जारी की डिप्टी मिनिस्टर्स की लिस्ट, इस बार भी महिलाओं को नहीं मिली जगह

वाशिंगटन , एजेंसी। तालिबान ने मंगलवार को डिप्टी मिनिस्टर्स के नाम का ऐलान कर दिया है. एक बार फिर से सरकार में किसी महिला को जगह नहीं मिली है और कैबिनेट में एक बार फिर से सभी पुरुषों को ही जगह दी गई है. अफगानिस्तान के लिए तालिबान ने कुछ दिनों पहले अपनी अंतरिम सरकार का ऐलान किया था. कुछ समय पहले अंतरराष्ट्रीय समुदाय की तरफ से वॉर्निंग दी गई थी कि तालिबान के एक्शन और महिलाओं के साथ किया गया उनका बर्ताव आने वाले समय में एक बड़ी भूमिका अदा करने वाला है. साथ ही उनके फैसले अफगानिस्तान में महिलाओं और अल्पसंख्यकों की स्थिति पर भी असर डालेंगे. तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद की तरफ से कहा गया है कि नए नामों की जो लिस्ट तैयार की गई है, उसे काबुल में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबके सामने लाया गया है. मुजाहिद ने कैबिनेट विस्तार का बचाव किया है. मुजाहिद की मानें तो कैबिनेट में विशिष्ट समुदाय जैसे हजारा समुदाय के लोगों को भी जगह दी गई है. जबीउल्ला मुजाहिद ने कहा कि आगे आने वाले समय में हो सकता है कि महिलाओं को कैबिनेट में जगह दी जाए. 7 सितंबर को तालिबान की तरफ से अफगानिस्तान में आंतरिक सरकार का ऐलान किया गया था. तालिबान ने कहा था कि सरकार की अगुवाई इसका संस्थापक सदस्य मोहम्मद हसन अखुनद करेगा जो 20 साल बाद सत्ता में लौटा है. इसके साथ ही हक्कानी नेटवर्क के भी कई नेताओं को कैबिनेट में जगह दी गई थी. हक्कानी नेटवर्क के मुख्य नेता सिराजुद्दीन हक्कानी को देश के गृहमंत्री के तौर पर नियुक्त किया गया.

बरादर और अखुंदजादा को लेकर बड़ा दावा- सिराजुद्दीन हक्कानी, हक्कानी नेटवर्क के फाउंडर का बेटा है. साथ ही अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की तरफ से वॉन्टेड है. वह अल कायदा से जुड़ा है और कई आत्मघाती हमलों में शामिल भी रहा है. तालिबान चीफ हबीतुल्ला अखुंदजादा को देश का सुप्रीम लीडर नियुक्त किया गया है.

इन सबके बीच ही ब्रिटिश मीडिया की तरफ से दावा किया गया है कि अफगानिस्तान के उप-प्रधानमंत्री नियुक्त किए गए मुल्ला बरादर को बंधक बना लिया गया है. ब्रिटिश मैगजीन स्पेक्टेटर की मानें तो बरादर का जो वीडियो पिछले दिनों आया था वो उस समय का ही है जब वो बंधक बनाया गया था. साथ ही मैगजीन ने अखुंदजादा की मौत का दावा भी किया है. सरकार गठन की बातचीत के दौरान हक्कानी के साथ हिंसक झड़प होने के बाद बरादर नदारद हैं. द स्पेक्टेटर के मुताबिक वह बरादर है. उसने अपने समर्थन के लिए आदिवासी बुजुर्गों की एक बड़ी बैठक की है. लेकिन इसी दौरान बरादर को तालिबान द्वारा नियंत्रित राज्य टेलीविजन नेटवर्क पर एक बयान पढ़ा.

तालिबान चीफ हैबतुल्लाह अखुंदजादा की हुई 'मौत', मुल्ला बरादर को बनाया गया 'बंधक'! अफगानिस्तान में नेतृत्व संकट- रिपोर्ट

वाशिंगटन , एजेंसी। क्या अफगानिस्तान के उपप्रधानमंत्री मुल्ला बरादर को कंधार में बंधक बनाया गया है क्या तालिबान नेता हैबतुल्लाह अखुंदजादा की मौत हो गई है तालिबान के उन दो नेताओं के चारों ओर गोपनीयता का माहौल है, जिन्हें शुरू में अफगानिस्तान के नवीनतम सत्ता ढांचे में नंबर 1 और 2 होने की उम्मीद थी. सरकार गठन की बातचीत के दौरान हक्कानी के साथ हिंसक झड़प होने के बाद बरादर को शायद ही देखा गया है. हालांकि, हाल ही में उसे एक वीडियो संदेश देते हुए देखा गया. इस तरह उसके घायल होने की खबरों पर कुछ हद तक विराम लगा. लेकिन पर्यवेक्षकों ने ब्रिटेन स्थित पत्रिका द स्पेक्टेटर को बताया कि वीडियो संदेश बंधक बनाए जाने के बाद का प्रतीत होता है. द स्पेक्टेटर न्यूजपेपर ने बताया, 'वह बरादर है. उसने अपने समर्थन के लिए आदिवासी बुजुर्गों की एक बड़ी बैठक की है. लेकिन इसी दौरान बरादर को तालिबान द्वारा नियंत्रित राज्य टेलीविजन नेटवर्क पर एक बयान पढ़ा.'

बरादर को हुआ है सबसे ज्यादा 'राजनीतिक नुकसान'

ऐसा कहा जाता है कि अफगानिस्तान में सरकार बनाने के लिए बातचीत के दौरान बरादर को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ, क्योंकि उसे पहले नई सरकार का मुखिया बनाने की बात थी. लेकिन बातचीत के बाद उसे डिप्टी प्रधानमंत्री बना दिया गया. बताया गया कि हक्कानी नेटवर्क के साथ बरादर की झड़प हो गई. वहीं, इस बात की भी जानकारी सामने आई कि ढ्ढस्ढ्ढ चीफ जनरल फयाज अहमद ने बरादर के ऊपर हक्कानी को तरजीह दी. ढ्ढस्ढ्ढ ने पाकिस्तान समर्थन लोगों को सरकार में जगह दिलाई है. अखुंदजादा की मौत की खबरें मुल्ला बरादर जहां कंधार में है, वहीं अभी तक हैबतुल्लाह अखुंदजादा के ठिकाने का कुछ पता नहीं चल पाया है. तालिबान ने बार-बार वादा किया है कि अखुंदजादेह जल्द ही सबके सामने आएंगे, लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हुआ है. काबुल पर कब्जा किए एक महीने से अधिक समय हो गया है. द स्पेक्टेटर न्यूजपेपर ने अफवाहों का हवाला देते हुए कहा कि अखुंदजादा की मौत हो गई है. तालिबान नेताओं के बारे में इस तरह की अटकलों को आंदोलन के संस्थापक मुल्ला उमर की मौत की वजह से हवा मिलती है. मुल्ला उमर की मौत के दो साल बाद 2015 में इसकी जानकारी सार्वजनिक की गई.

मानवाधिकारों के उल्लंघन को लेकर ईयू की चिंताओं को दूर करेगा तालिबान, पहले पूरी करनी होंगी ये शर्तें

काबुल। अफगानिस्तान में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर यूरोपीय संघ की चिंताओं पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए तालिबान ने सोमवार को कहा कि वे नई इस्लामी अमीरात सरकार की मान्यता के बाद यूरोपीय संघ की चिंताओं को दूर करेंगे। कार्यवाहक कैबिनेट के सूचना और संस्कृति मंत्रालय के उप मंत्री जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अगर अंतरराष्ट्रीय समुदाय नई सरकार को मान्यता देता है, तो वे मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों पर चिंताओं को दूर करेंगे।

मुजाहिद ने कहा, हमें जाने बिना अधिकारों के उल्लंघन को लेकर हमारी आलोचना की जाती है। यह एकतरफा दृष्टिकोण है। यह उनके लिए अच्छा होगा कि वे हमारे साथ जिम्मेदारी से व्यवहार करें और हमारी वर्तमान सरकार को एक जिम्मेदार प्रशासन के रूप में मान्यता दें। मुजाहिद ने आगे कहा, वे अपनी चिंताओं को हमारे साथ कानूनी रूप से साझा कर सकते हैं और हम उनकी चिंताओं का समाधान करेंगे।

मुजाहिद की यह टिप्पणी अफगानिस्तान में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख एंड्रियास वान ब्रांट के बयान के बाद आई है। टोलो न्यूज के मुताबिक, रविवार को ब्रांट ने कहा था कि यूरोपीय संघ अफगानिस्तान में मानवाधिकारों के उल्लंघन को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा कि ईयू विशेष रूप से महिलाओं और लड़कियों के शिक्षा और काम के अधिकार के उल्लंघन को लेकर ज्यादा चिंतित है। अफगानिस्तान के स्वतंत्र मानवाधिकार आयोग (एआइएचआरसी) ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा कि 15 अगस्त को अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद से तालिबान अपने कर्तव्यों को पूरा करने में सक्षम नहीं है। आयोग ने यह भी कहा कि तालिबानी बलों ने आयोग के कार्यालयों पर कब्जा कर लिया है और वहां के उपकरणों का उपयोग कर रहे हैं।

एआइएचआरसी ने तालिबान से एआइएचआरसी की स्वतंत्रता का सम्मान करने का भी आह्वान किया और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से अफगानिस्तान में मानवाधिकारों के उल्लंघन की निगरानी के लिए एक स्वतंत्र निकाय स्थापित करने का आह्वान किया। बयान में कहा गया है, एआइएचआरसी तालिबान से आयोग और उसके कर्मचारियों और सभी अफगान मानवाधिकार रक्षकों की स्वतंत्रता का सम्मान करने का आह्वान करता है।

इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, मुजाहिद ने कहा कि एआइएचआरसी एक अंतरराष्ट्रीय निकाय नहीं है और उन्होंने कहा कि एआइएचआरसी के भवनों पर कब्जे के आरोपों की जांच शुरू कर दी गई है। मुजाहिद ने कहा, एआइएचआरसी पूर्व काबुल प्रशासन से संबंधित है, और यह उस समय एक आधिकारिक निकाय था और यह एक अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार निकाय नहीं है। हालांकि, हम देखेंगे कि किसने और कैसे आयोग के कार्यालय का इस्तेमाल किया है। जांच जारी है।

उदारवादी नेता जस्टिन ट्रूडो ने 44वें आम संघीय चुनाव में अपना मत डाला , वह मॉन्ट्रियल में अपने बेटे हैड्रियन के साथ शामिल हुए।

नवंबर से अमेरिका में एंट्री के लिए वैक्सीन जरूरी, बाइडन ने घोषित की नई अंतरराष्ट्रीय यात्रा नीति

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन कोरोना महामारी के चलते विदेशी नागरिकों के देश में प्रवेश पर लगी पाबंदी में नवंबर से छूट देने जा रहे हैं। नवंबर से कोरोना रोधी टीके की पूरी डोज लेने वाले लोगों को अमेरिका में प्रवेश करने की अनुमति होगी। कोरोना मामलों पर व्हाइट हाउस के समन्वयक जेफ जेंट्स ने कहा कि विदेशी नागरिकों को विमान में सवार होने से पहले पूर्ण टीकाकरण के साथ ही साथ तीन पहले की निगेटिव कोरोना जांच रिपोर्ट दिखानी होगी।

जेंट्स ने विदेशी नागरिकों के लिए अमेरिका की यात्रा को लेकर सोमवार को नई नीति की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बाइडन प्रशासन ने बिना टीका लगवाए लौटने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए भी जांच के नियम सख्त किए हैं। ऐसे लोगों को यात्रा शुरू करने से एक दिन पहले और अमेरिकी पहुंचने के एक दिन के भीतर कोरोना जांच करानी होगी। पूर्ण टीकाकरण वाले लोगों को क्वारंटाइन में रहने की जरूरत नहीं होगी। कोरोना महामारी के बाद अमेरिका ने पिछले साल की शुरुआत में विदेशी नागरिकों के आने पर पाबंदी लगा दी थी। इसकी शुरुआत चीनी नागरिकों के साथ हुई थी, जिसके बाद भारत और ब्रिटेन समेत अन्य कई देशों के नागरिकों भी इसके दायरे में लाया गया था। जेंट्स ने कहा कि एयरलाइंस को यात्रियों से उनके फोन नंबर और अन्य जानकारी भी लेने को कहा जाएगा, ताकि संक्रमण का पता चलने पर उनसे आसानी से संपर्क किया जा सके। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि कोनी सी वैक्सीन लगवाने वाले लोगों को आने की छूट दी जाएगी। जेंट्स ने कहा कि नवंबर से पहले इसके बारे में रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) द्वारा फैसला ले लिया जाएगा। उन्होंने यह कि नई नीति को नवंबर से लागू किया जाएगा, ताकि उससे पहले एयरलाइंस और यात्रा से जुड़ी अन्य एजेंसियों को नए नियमों के मुताबिक प्रोटोकाल लागू करने का वक्त मिल सके।

बच्चों को सोने में आ रही है दिक्कत तो हो जाए सतर्क, सांस नली के निचले हिस्से में हो सकता है संक्रमण

वाशिंगटन। बच्चों को सोने में यदि दिक्कत हो तो सतर्क होने की जरूरत है। इसके कारण को लेकर कोई सामान्य या पारंपरिक अंदाजा लगाने के बजाय डाक्टरी सलाह लें। दरअसल, कुछेक ऐसे भी कारण सामने आ रहे हैं, जिसके बारे में पहले से कोई जानकारी है। इसी संदर्भ में बच्चों में नींद संबंधी विकार- आब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया (ओएसए) को लेकर एक अहम बात सामने आई है। चिल्ड्रेंस नेशनल हास्पिटल के शोधकर्ताओं ने पहली बार सांस नली के निचले हिस्से में संक्रमण (एलआरटीआइ) और ओएसए के बीच संबंध होने का पता लगाया है। यह शोध निष्कर्ष स्लीप जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

बता दें कि ओएसए में नींद के दौरान सांस लेने में बार-बार रुकावट होती है। पहले इसके लिए बड़े लोगों में अधिक वजन, ऊपरी श्वसन नाल का छोटा होना, जीभ का बड़ा आकार और टांसिल को प्रमुख कारण माना जाता रहा है। वैसे बच्चों में एलआरटीआइ के लिए जन्म से ही कई अन्य कारण भी मौजूद होते हैं। लेकिन एलआरटीआइ और ओएसए के बीच संबंध होने की बात अब तक सामने नहीं आई थी। चिल्ड्रेंस नेशनल हास्पिटल में स्लीप मेडिसीन के निदेशक गुस्ताव नीनो ने बताया कि यह निष्कर्ष बताता है कि रेस्पिरेटरी साइनिटिकल वायरस (आरएसवी) बच्चों में ओएसए के कारक एलआरटीआइ पैथोफिजियोलाजी में योगदान करता है।

अध्ययन से यह बात भी सामने आई है कि जिन बच्चों को शैशवकाल में गंभीर आरएसवी ब्रांकियोलाइटिस की शिकायत होती है, उनमें पहले पांच वर्ष के दौरान अन्य जोखिमों के दीगर ओएसए होने का खतरा दोगुना ज्यादा होता है। डाक्टर नीनो बताते हैं कि आरएसवी एलआरटीआइ का बच्चों में होने वाले ओएसए के पैथोफिजियोलाजी में योगदान इस मायने में चिंताजनक है कि प्रारंभिक रोकथाम की रणनीति एलआरटीआइ और ओएसए के बीच संबंधों को स्थापित करने में बाधक बनता है। इससे सही स्थिति का पता लगाना कठिन होता है।

यदि बच्चों में ओएसए समस्या की प्राथमिक चरण में ही रोकथाम हो जाए तो उसे आगे गंभीर होने से बचाया जा सकता है और स्वास्थ्य संबंधी कई अन्य समस्याओं से भी सुरक्षा मिल सकती है। इस नए निष्कर्ष से इस बात की भी संभावना बनती है कि ओएसए की रोकथाम की अग्रिम रणनीति विकसित की जा सकती है। उन्होंने बताया कि हमारा अध्ययन ओएसए के शुरुआती रोगजनन की जांच का एक नायाब नमूना होगा।

नेशनल इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ के अधीन कार्यरत नेशनल हार्ट, लंग एंड ब्लड इंस्टीट्यूट (एनएचएलबीआइ) की निदेशक मारिष्का ब्राउन भी इस बात से सहमत हैं। उनका कहना है कि इस अध्ययन का निष्कर्ष यह बताता है कि सांस नली के निचले हिस्से में वायरल संक्रमण बाद में बच्चों में नींद विकार होने का जोखिम पैदा करता है। लेकिन यह पता करने के लिए और शोध की जरूरत है कि ये संक्रमण किस प्रकार से एयरवे के कामकाज को प्रभावित करते हैं, जिससे कि बच्चों में स्लीप एप्निया जैसी बीमारी पनपती है। इस अध्ययन के लिए एनआइएच और एनएचएलबीआइ का भी सहयोग मिला।

आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए सामूहिक प्रयास में भारत सबसे आगे- तिरुमूर्ति

न्यूयार्क । संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने आतंक विरोधी वैश्विक योजना में भारत की सक्रिय भूमिका रही है। आतंकवाद से मुकाबले के लिए किए गए सामूहिक प्रयास में भारत हमेशा आगे रहा है। तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत पहले भी आतंक के विरोध में रहा है और आगे भी रहेगा। 25 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र को संबोधित करने वाले हैं।

तिरुमूर्ति ने कहा कि 76वें ह्व्र सत्र में कोविड-19 महामारी और अफगानिस्तान में घटनाक्रम के हावी रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी और इसके मानवीय प्रभाव के अलावा, सत्र के उच्च-स्तरीय खंड में जिन मुद्दों के हावी रहने की संभावना है उनमें वैश्विक आर्थिक मंदी, आतंकवाद और संबंधित मुद्दे, जलवायु परिवर्तन, मध्य पूर्व तथा अफ्रीका में चल रहे संघर्ष, शामिल हैं।

अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रम और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधारों शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि इस साल का ह्व्र सत्र 14 सितंबर से अब्दुल्ला शाहिद की अध्यक्षता में शुरू हुआ। उच्च स्तरीय सप्ताह - सामान्य चर्चा - 21 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन मंगलवार को विश्व नेताओं को संबोधित करेंगे। तिरूमूर्ति ने कहा, 76वीं NGA कई कारणों से भारत के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। ऐसी उम्मीद है कि भारत विकासशील दुनिया की अग्रणी आवाज के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के वर्तमान सदस्य के रूप में वैश्विक मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए अपनी स्थिति का इस्तेमाल करेगा।

तिरुमूर्ति ने कहा कि महासभा में प्रधानमंत्री मोदी का भाषण दुनिया के नेताओं में बहुप्रतीक्षित है। तिरुमूर्ति ने कहा, प्रधानमंत्री अपने संबोधन के जरिए जो कहने जा रहे हैं उन्होंने जो कहने का फैसला किया है वह पूरी तरह से उनका विशेषाधिकार है और मैं दूसरा अनुमान नहीं लगाना चाहता, प्रधानमंत्री ने हमेशा दुनिया के सामने मौजूद मुख्य मुद्दों, जो हमारे लिए महत्वपूर्ण व चिंता की वजह हैं, के साथ कुछ घरेलू उपलब्धियों को रेखांकित किया है।

चीन ने भारतीय सीमा के पास 16 हजार फीट की ऊंचाई पर किया रात्रि युद्धाभ्यास

वाशिंगटन , एजेंसी। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों के सीमा विवाद को हल करने के लिए चल रही सैन्य और कूटनीतिक बातचीत के बीच भारतीय सीमा के पास शिनजियांग में 16,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर रात्रि युद्धाभ्यास किया है। सूत्रों ने कहा कि पश्चिमी थिएटर कमांड ने हाल ही में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए रात्रि युद्धाभ्यास किया।

चीनी सेना की थिएटर कमांड शिनजियांग और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्रों के साथ-साथ भारत के साथ लगती सीमा की देखरेख करती है, जिससे यह पीएलए में एक कमांड के तहत सबसे बड़ा भौगोलिक क्षेत्र बन जाता है। इस साल की शुरुआत में चीन तिब्बत सैन्य क्षेत्र से शिनजियांग क्षेत्र में सैनिकों को लेकर आया था, जो दक्षिण उत्तराखंड में काराकोरम दर्रे तक के क्षेत्र की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। इसके अलावा उन्होंने बड़ी संख्या में लंबी दूरी की तोपें तैनात की हैं और वे तिब्बती पठार पर तेजी से बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहे हैं।

इन सैनिकों को लाए जाने के बाद पीएलए ने क्षेत्र में सैन्य अभ्यास करना शुरू किया है। इसके अलावा, चीन ने तिब्बती पठार में अपने मौजूदा हवाई क्षेत्रों का नवीनीकरण किया है जिससे वहां दो इंजन वाले लड़ाकू विमानों को तैनाती हो सकेगी। वे वर्तमान में सैन्य परिवहन के लिए शिनजियांग और तिब्बत में निर्मित या निमार्णाधीन 30 हवाई अड्डों में सुधार कर रहे हैं।

चीन ने तिब्बत में बुनियादी ढांचे में सुधार किया है और इस दिशा में काम करते हुए प्रांतीय राजधानी ल्हासा को अरुणाचल प्रदेश के करीब तिब्बती सीमावर्ती शहर निंगची से जोड़ने वाली एक हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन शुरू की है। बता दें कि भारत और चीन के बीच इसी माह 13वें दौर की सैन्य कमांडर स्तर वार्ता हो सकती है।

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान इंटरकांटिनेंटल बार्कले होटल में राष्ट्रपति जो बिडेन ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात करते हुए।

तालिबान ने इमरान को दिखाया आईना, कहा- समावेशी सरकार बनाने को लेकर मत दो हमें ज्ञान

इस्लामाबाद । तालिबान ने अपना असल रंग अब दिखाना शुरू कर दिया है। तालिबान ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को दो-टूक कहा है कि पाकिस्तान को इस्लामिक अमीरात से अफगानिस्तान में एक समावेशी सरकार बनाने के लिए कहने का कोई भी अधिकार नहीं है। तालिबान का यह जवाब इमरान खान के उस बयान के बाद आया है जिसमें कहा गया था कि अफगानिस्तान में एक समावेशी सरकार का गठन होना चाहिए।

तालिबान के प्रवक्ता और उप सूचना मंत्री जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान या किसी अन्य देश को इस्लामिक अमीरात से अफगानिस्तान में समावेशी सरकार बनाने के लिए कहने का कोई अधिकार नहीं है। मुजाहिद ने बयान दिया जिसमें उनसे अफगान सरकार पर पीएम इमरान खान के हालिया बयान पर तालिबान की प्रतिक्रिया मांगी गई थी। इससे पहले तालिबान के एक अन्य नेता मोहम्मद मोबीन ने भी पाकिस्तान को दो-टूक कहा था कि अफगानिस्तान किसी भी देश को समावेशी सरकार बनाने के लिए कहने का अधिकार नहीं देता है। अफगानिस्तान के एरियाना टीवी पर एक डिबेट शो के दौरान मोहम्मद मोबीन ने कहा कि क्या समावेशी सरकार का मतलब यह है कि इस्लामिक अमीरात के सरकारी सिस्टम में पड़ोसी देशों के प्रतिनिधि और जासूस रखे जाएं..मालूम हो कि हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में सदस्य देशों के नेताओं ने एक सुर में अफगानिस्तान में समावेशी सरकार की मांग की थी जिसमें सभी धार्मिक और जातीय समूहों के लोगों के प्रतिनिधित्व होने की बात कही गई थी। वैसे यह पहला मौका नहीं है जब तालिबान ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है।

अंतरिक्ष सफर को किफायती बनाने में जुटी निजी कंपनियां, कितना है इस यात्रा का कारोबार

वाशिंगटन । दो महीने पहले शुरू हुआ अंतरिक्ष की सैर का सिलसिला अब नई ऊंचाई पाने की तैयारी में है। अंतरिक्ष को भविष्य की कई संभावनाओं का द्वार माना जा रहा है। इन संभावनाओं का सहभागी होने से भारत आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकता है। मौजूदा समय में विश्व की कई कंपनियां अंतरिक्ष की वाणिज्यक दौड़ में शामिल हुई हैं। वर्तमान में वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग का आकार 350 बिलियन डालर है। अनुमान है कि वर्ष 2025 तक यह बढ़कर 550 बिलियन डालर हो जाएगा। इस प्रकार अंतरिक्ष एक अहम बाजार के रूप में विकसित हो रहा है। इसरो ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। हालांकि, भारत का अंतरिक्ष उद्योग में हिस्?सेदारी का काफी छोटी है। यह सात बिलियन डालर के आस-पास है, जो वैश्विक बाजार का केवल दो फीसद ही है।

हालांकि, अंतरिक्ष यात्रा महंगी है। यह ज्यादातर लोगों की पहुंच से बाहर है। हालांकि, एक रिपोर्ट सामने आई है जिसके अनुसार एक ऐसी कंपनी

है जो इसे अपेक्षाकृत किफायती बनाना चाह रही है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि स्पेस पर्सपेक्टिव ने एक आठ सीटों वाला पायलट वाला कैप्सूल बनाया है। इसका टेस्ट भी किया जा चुका है। स्पेसशिप नेपच्यून नामक कैप्सूल को एक विशाल हाइड्रोजन से भरे गुब्बारे द्वारा आसमान की तरफ उठाया जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, जो कैप्सूल बनाया गया है उसमें चारों ओर एक रिफ्रेशमेंट बार, बैठने के लिए कुर्सियां और खिड़कियां हैं। स्पेसशिप नेपच्यून टिकट की कीमत 1,25,000 डॉलर यानी करीब 92.5 लाख रुपये है जबकि वर्जिन गेलेक्टिक टिकट की कीमत 4,50,000 डॉलर यानी करीब 3.3 करोड़ रुपये है।

भारत भी बना रहा है स्पेस स्टेशन

भारत इस दशक के अंत तक यानी वर्ष 2030 तक अंतरिक्ष में अपने स्वयं के अंतरिक्ष स्टेशन निर्माण पर विचार कर रहा है। भारत ने वर्ष 2017 में ही स्पेस डाकिंग जैसी तकनीक पर शोध करने के लिये बजट का प्रावधान किया था। यह तकनीक स्पेस स्टेशन में उपयोग होने वाले माडयूल को आपस में जोड़ने के लिए आवश्यक होती है। इसके बाद से ही भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की चर्चा जोरों पर है। विशेषज्ञों के अनुसार इस स्टेशन का भार 20 टन होगा जो कि आइएसएस (450 टन) और चीनी अंतरिक्ष स्टेशन (80 टन) से काफी हल्का है। इस स्टेशन में 4-5 अंतरिक्ष यात्री 15-20 दिनों के लिए रुक सकेंगे। इस स्टेशन को पृथ्वी की निम्न कक्षा में लगभग 400 किमी की चाई पर स्थापित किया जाएगा।

व्यापार को लेकर लोगों को सोच बदलने की जरूरत

निर्यात के अवसरों व उत्पादन में सुधार लाने की व्यापारियों संग की चर्चा

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि देश में व्यापार को लेकर लोगों को अपनी सोच बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 75 सालों में देश का एक्सपोर्ट 1.7 बिलियन डॉलर से बढ़कर 300 बिलियन डॉलर ही पहुंचा है इसके पीछे हमारी मानसिकता और सिस्टम जिम्मेदार है और एक्सपोर्ट इतना बढ़ा इसके लिए व्यापारियों को सलाम है वर्ना सिस्टम की उदासीनता के साथ ये भी संभव नहीं था। देश का सिस्टम व्यापार को लेकर इतना उदासीन है कि जब देश में पहली बार कंप्यूटर बना तो उसके निर्यात के लिए कानून में 5-6 साल तक कानून में कोई बदलाव नहीं किया गया और कंप्यूटर को 5-6 साल तक टाइपराइटर के रूप में निर्यात करना पड़ा। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया व उद्योग मंत्री सत्येंद्र जैन ने दिल्ली में निर्यात के अवसरों और उत्पादन में सुधार लाने के विषय पर मंगलवार को व्यापारियों के साथ चर्चा की। इस अवसर पर उद्योग मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि दिल्ली में न तो अवसरों की कमी है और न ही जगह की कमी है। लोग दिल्ली में उद्योग-धंधे स्थापित करना चाहते हैं लेकिन न तो डीडीए उन्हें जमीन देती है और न ही काम करने देती है। साथ ही व्यापार को बढ़ाने में सहयोग करने के बजाय उसमे रोड़ा अटकाती है। ये उद्योग-धंधों के विकास में एक बड़ी बाधा है।

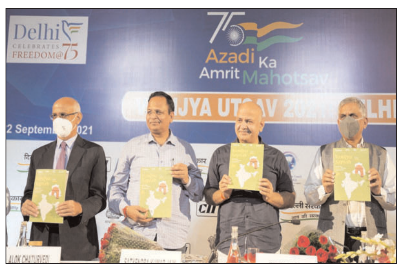

व्यापार को लेकर उदासीन है देश का सिस्टम : मनीष सिसोदिया

उल्लेखनीय है कि देश की आजादी के 75वें साल में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की श्रृंखला में मंगलवार को दिल्ली सरकार का उद्योग विभाग, भारतीय उद्योग परिसंघ के कोलैबोरेशन के साथ 2 दिवसीय वाणिज्य उत्सव का आयोजन कर रहा है। सिसोदिया ने कहा कि सिस्टम में नवाचार को लेकर इतनी उदासीनता है कि देश में कंप्यूटर को कंप्यूटर के नाम पर निर्यात करने में में 5-6 साल लग गए। उससे पहले सिस्टम में कंप्यूटर को टाइपराइटर की श्रेणी में रखा जाता था। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के 75वें साल में आयोजित वाणिज्य उत्सव में हमें ये सोचने की जरूरत है कि ऐसी क्या कमी रह गई जिससे हम एक्सपोर्ट के मामले में अबतक 300 बिलियन डॉलर तक ही पहुंच पाए है और यदि व्यापार व एक्सपोर्ट को आगे बढ़ाकर लंदन, सिंगापुर के स्तर तक पहुंचाना है तो उसके लिए भविष्य में हमारा एप्रोच क्या होगा। उन्होंने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश में भविष्य में होने वाला एक्सपोर्ट को किसी डेटा के साथ नहीं समझा जा सकता। असल हकीकत इससे समझा जा सकता है कि आज आईआईटी, डीटीयू जैसे बड़े-बड़े संस्थानों या फिर स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों से जब ये पूछा जाता है कि आप में से कितने लोग नौकरी करना चाहते है तो 99.99 प्रतिशत बच्चे एक स्वर में कहते है की उन्हें नौकरी करनी है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि हम अपने दिल को खुश करने के लिए डेटा में कितना भी बदलाव कर ले लेकिन ये हकीकत है कि जिस देश के एजुकेशन सिस्टम का डिजाइन ऐसा है जहां पीढ़ी दर पीढ़ी को नौकरी करने का सपना दिखाया जाता हो।

दुनिया का प्रशिक्षित मैनपॉवर का सबसे बड़ा हब है दिल्ली : सत्येंद्र जैन

इस अवसर पर उद्योग मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि, दिल्ली देश का दिल है। निर्यात के मामले में, दिल्ली न केवल दुनिया को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद और सेवाएं दी हैं, बल्कि दुनिया भर में काम करने वाली सबसे कुशल मैन-पावर भी दी है। ज्यादातर बाहर काम करने वाले भारतीय डॉक्टर और इंजीनियर दिल्लीवासी हैं। यह एक राज्य के रूप में दिल्ली की क्षमता के बारे में बहुत कुछ बताता है। दिल्ली में बहुत क्षमता है। इसका अंदाजा हम इससे लगा सकते हैं की दिल्ली 10 बिलियन डॉलर का निर्यात कर रहा है। दिल्ली दुनिया का प्रशिक्षित मैनपावर का सबसे बड़ा हब है। अंत में उद्योग मंत्री ने कहा कि सरकार को एक इनेबलर का काम करना चाहिए और अनावश्यक नियम कानूनों को खत्म करना चाहिए ताकि व्यापार को बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि दिल्ली में न तो अवसरों की कमी है और न ही जगह की कमी है। लोग दिल्ली में उद्योग-धंधे स्थापित करना चाहते है लेकिन न तो डीडीए उन्हें जमीन देती है और न ही काम करने देती है। साथ ही व्यापर को बढ़ाने में सहयोग करने के बजाय उसमे रोड़ा अटकाती है। ये उद्योग-धंधों के विकास में एक बड़ी बाधा है।

भाजपा सांसद गौतम गंभीर को हाई कोर्ट से बड़ी राहत, दवाओं की जमाखोरी मामले में कार्यवाही पर रोक

नई दिल्ली। कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान दवाओं की जमाखोरी करने के आरोपित सांसद गौतम गंभीर के खिलाफ निचली अदालत में चल रही कार्यवाही पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को रोक लगा दी है। निचली अदालत द्वारा जारी समन को चुनौती देने वाली गौतम गंभीर समेत अन्य की याचिका पर न्यायमूर्ति रजनीश भटनागर की पीठ ने दिल्ली ड्रग्स कंट्रोलर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत ने कार्यवाही पर आठ दिसंबर को होने वाली अगली सुनवाई तक कार्यवाही पर रोक लगाई है।

ड्रग्स कंट्रोलर ने गौतम गंभीर फाउंडेशन, फाउंडेशन सीईओ अपराजिता सिंह, सीमा गंभीर, गौतम गंभीर और नताशा गंभीर के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इसके अलावा दो अलग-अलग शिकायत में आप विधायक प्रवीण कुमार व इमरान हुसैन के खिलाफ मामला दर्ज किया था। निचली अदालत ने 26 जुलाई कोर्ट रिकार्ड पर लिया था कि प्राथमिक तौर पर गौतम गंभीर व अन्य ने दवाओं की जमाखोरी का अपराध किया है। अदालत ने सभी को समन जारी करते हुए सुनवाई सात फरवरी 2022 के लिए स्थगित कर दी थी।

तीन जून को ड्रग्स कंट्रोलर ने दिल्ली हाई कोर्ट में कहा था कि दवाओं की जमाखोरी के मामले में गौतम गंभीर फाउंडेशन को दोषी पाया गया है और मामला दर्ज किया गया है। कंट्रोलर ने कहा था कि मामले में बिना किसी देरी के फाउंडेशन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, गुजरात कैडर के आइपीएस अधिकारी राकेश अस्थाना की दिल्ली पुलिस आयुक्त के तौर पर नियुक्ति के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई टल गई। अब मामले पर 23 सितंबर को सुनवाई होगी। मामले की सुनवाई कर रही मुख्य पीठ के न बैठने के कारण सुनवाई स्थगित कर दी गई। इससे पहले अस्थाना ने नियुक्ति को सही ठहराते हुए हलफनामा दाखिल करके कहा था कि उनके खिलाफ लगातार मीडिया प्लेटफार्म पर अभियान चल रहा है, जो कि बदले की भावना से उत्पन्न हुई है। वहीं, केंद्र सरकार ने भी हलफनामा दाखिल करके अस्थाना की नियुक्ति का बचाव किया था।

संक्षिप्त खबर

स्वचालित सैनिटरी पैड निर्माण मशीन का किया लोकार्पण

नई दिल्ली। सेवा और समर्पण अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन सेवा में दो दशकों को मनाने के लिए केंद्रीय विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री ने नई दिल्ली के नेताजी नगर में महिला तकनीकी संस्थान में एक स्वचालित सैनिटरी पैड निर्माण मशीन का भी उद्घाटन किया। लेखी ने संस्थान में उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को निःशुल्क स्वच्छता पैड भी वितरित किए। इसके बाद सेवा और समर्पण अभियान के तहत श्रीमती लेखी ने चरक पालिका अस्पताल में टीकाकरण केंद्र का दौरा किया। उन्होंने पीएम केयर्स फंड के तहत अस्पताल में स्थापित ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट का भी उद्घाटन किया। लेखी ने अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के लिए एक वाटर एटीएम मशीन भी समर्पित की। इस अवसर पर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष धर्मेंद्र और सचिव डॉ. बी.एम. मिश्रा भी उपस्थित थे।

जेएम फाइनेंशियल लाएगी 5 सौ करोड़ का एनसीडी इश्यू

नई दिल्ली। जेएम फाइनेंशियल ग्रुप की शीर्ष एनबीएफसी जेएम फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने अपने 1हजार रुपए फैस वैल्यू वाले सुरक्षित, रेटेड, सूचीबद्ध, प्रतिदेय गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर का पब्लिक इश्यू लाने की घोषणा की है। इन एनसीडी को दोनों प्रमुख रेटिंग एजेंसियों इक्रा व क्रिसिल ने एए स्टेबल' की उच्च रेटिंग प्रदान की है। एनसीडी की बीएसई में लिस्टिंग होंगी। ट्रांच-1 इश्यू 23 सितम्बर को खुलेगा और 14 अक्टूबर को बंद होगा, लेकिन जल्द सब्सक्रिप्शन मिलने पर इश्यू को पहले भी बंद किया जा सकता है। न्यूनतम आवेदन राशि 10 हजार रुपए है और आबंटन 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर दिया जाएगा। निवेशक आवेदन केवल डिमैट फॉर्मेट में ही कर सकते हैं। जेएम फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विशाल कंपानी ने कहा कि कंपनी ने विविध उत्पाद मिश्रण के साथ अपने सभी बिजनेस वर्टिकल में अपनी स्थिति मजबूत की है और जोखिम समायोजित लाभप्रद वृद्धि पर ध्यान केंद्रित किया है। कंपनी ने तरलता स्थिति काफी अच्छी बनाए रखी है। यह सार्वजनिक निर्गम हमें अपने उधार और निवेशक मिश्रण में विविधता लाने में मदद करेगा।

आरएफआईडी टैग न खरीदने वाले वाहनों को नोटिस

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के महापौर मुकेश सुर्यान ने बताया कि दक्षिणी निगम द्वारा 124 टोल नाकों पर आरएफआईडी रेडियो फ्रिक्वैंसी आइडेंटीफिकेशन डिवाईस व्यवस्था लागू करने के लिए सख्त कदम उठाये जा रहे है। उन्होंनें कहा कि टोल टैक्स विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई करते हुए आरएफआईडी टैग न खरीदने वाले विभिन्न राज्यों के 966 वाहनों को नोटिस व चालान जारी किये गए। दिल्ली, हरियाणा, यू.पी. राजस्थान, उत्तराखंड, पंजाब, नागालैंड, हिमाचल प्रदेश व मध्य प्रदेश राज्यों के वाहनों को चालान व नोटिस दिए गए हैं। इन राज्यों के परिवहन विभाग से अनुरोध किया गया है कि उल्लंघन करने वाले वाहनों का मोटर वाहन अधिनियम या किसी कानून या नियम के अंतर्गत परमिट रद्द किया जाए। सुर्यान ने यह भी बताया कि दक्षिणी निगम की 'एनफोर्समेंट टीम' द्वारा आर.एफ.आई.डी. टैग न लगवाने वाले वाहनों का 500 का चालान काटा जा रहा है। दिल्ली में प्रवेश करने वाले वाणिज्यिक वाहन जो अभी तक नकद के द्वारा भुगतान कर रहे हैं। और आर.एफ.आई.डी. टैग नहीं खरीदा है, उनका 500 रु का चालान किया जा रहा है।

संत राजिन्दर सिंह महाराज का 75 वां जन्मोत्सव मनाया गया

नई दिल्ली,(रविशंकर तिवारी)। सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह महाराज की हीरक जयंती का समारोह अध्यात्म, दिव्य-प्रेम और असीम दयामेहर का उत्सव था। विश्व-विख्यात आध्यात्मिक गुरु एवं ध्यान-अभ्यास विषय पर आधारित पुस्तकों के लेखक संत राजिन्दर सिंह महाराज ने कहा कि आज इस बात की आवश्यकता है कि हम अपने आपको अपने असली रूप यानि आत्मिक रूप में जानें और अपने अंतर में पिता-परमेश्वर से जुड़ें। अपने ये विचार उन्होंने तीन दिन के विशेष ऑन लाईन कार्यक्रम में कहे, जिसे विश्वभर के लाखों लोग देख रहे थे। इस शुभ अवसर पर संत राजिन्दर सिंह जी महाराज ने पूरी मानवता के लिए अपना सर्वव्यापी और उभार देने वाला संदेश, चेतन हो, जुड़े रहो, देखभाल करो दिया। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि ध्यान-अभ्यास के द्वारा हम अपने आपको आत्मिक रूप में अनुभव करते हैं जो कि चेतन है और पिता-परमेश्वर का अंश है और एक बार जब हमें यह अनुभव हो जाता है कि हम एक आत्मा हैं तो हमारी यह इच्छा होती है कि हम प्रभु के प्रेम और प्रकाश से जुड़ें। एक बार जब हम अपने अंतर में प्रभु से जुड़ते हैं तो उसके बाद हमें यह अनुभव हो जाता है कि प्रभु सिर्फ मुझमें ही नहीं हैं बल्कि सभी जीवों में है।

दिल्ली नगर निगम का सफाईकर्मी निकला गांजा तस्कर, महिला मित्र के भाई की बात मानना पड़ा महंगा

नई दिल्ली । निगम में सफाईकर्मी के पद पर तैनात शख्स अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए गांजा तस्करी करने लगा। द्वारका जिला पुलिस के वाहन चोरी निरोधक दस्ते ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। इसका नाम सुखबीर है। इसके साथ ही एक और कैलाश नामक आरोपित को भी पुलिस ने दबोचा है। कैलाश ने पुलिस को बताया कि लाकडाउन के दौरान उसका काम छूट गया तो उसने तस्करी करनी शुरू कर दी। आरोपितों के पास से पुलिस ने एक स्कूटी और करीब चार किलोग्राम गांजा बरादम किया है। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त संतोष कुमार मीणा ने बताया कि वाहन चोरी निरोधक दस्ते को तस्करों के बारे में जानकारी मिली थी। प्राप्त जानकारी के आधार पर इंस्पेक्टर कमलेश कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने नजफगढ़ रोड पर आरोपितों को दबोच लिया।

आरोपित सुखबीर से जब पुलिस ने पूछताछ की तो पता चला कि वह शादीशुदा है, साथ ही उसकी एक महिला मित्र भी है। इस महिला मित्र का भाई गांजा तस्करी के काले धंधे में लिप्त है। उसी के कहने पर उसने यह धंधा शुरू कर दिया ताकि सभी की जरूरतें पूरी हो। अब पुलिस उस शख्स का पता लगाने में जुटी है जिससे आरोपितों ने गांजा खरीदा था। इस धंधे में और कौन कौन लिप्त है, पुलिस इसका भी पता लगा रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में सीबीआइ को नोटिस

नई दिल्ली । पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ता वीएम सिंह की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआइ) से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति योगेश खन्ना की पीठ ने सीबीआइ को नोटिस जारी करते हुए चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई छह दिसंबर को होगी। मामला वर्ष 2000 में एक एनजीओ को 50 लाख रुपये आवंटित करने से जुड़ा है।

इस मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने चार फरवरी 2020 को सीबीआइ की क्लोजर रिपोर्ट को खारिज करते हुए फैसला सुनाया था। अदालत ने माना था कि प्राथमिक तौर पर अपराध हुआ है। हालांकि, अदालत ने मामले का संज्ञान लेने के लिए सीबीआइ को केंद्र सरकार से अनुमति लेने का निर्देश दिया था।

वहीं, याचिकाकर्ता वीएम सिंह के अधिवक्ता अर्जुन हरकौली ने दलील दी कि पहले कानून ये था कि अगर व्यक्ति वर्तमान में मंत्री है तो उनके खिलाफ कोर्ट को मामले का संज्ञान लेने के लिए केंद्र सरकार की अनुमति चाहिए थी, जबकि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में वर्ष 2018 में हुए संशोधन के तहत वर्तमान या पूर्व में भी मंत्री रहे व्यक्ति के खिलाफ मामले का संज्ञान लेने के लिए कोर्ट को सक्षम प्राधिकारी की अनुमति लेना अनिवार्य है। अर्जुन हरकौली ने दलील दी कि राउज एवेन्यू कोर्ट ने संशोधित अधिनियम के तहत सीबीआइ को अनुमति लेने का निर्देश दिया है, जबकि यह मामला संशोधित अधिनियम लागू होने से पहले का है, ऐसे में यह इस मामले पर लागू नहीं होगा।

यह है मामला- वर्ष 2000 में तत्कालीन केंद्रीय न्याय एवं सामाजिक अधिकारिता मंत्री मेनका गांधी ने मंत्रालय के अधीन मौलाना आजाद फाउंडेशन के जरिए अपनी बहन अंबिका शुक्ला के एनजीओ गांधी रूरल वेलफेयर ट्रस्ट को पचास लाख रुपये की धनराशि दी थी। आरोप है कि उक्त एनजीओ ने पीलीभीत के सरकारी महिला अस्पताल को अपनी संपत्ति दर्शाया था।

वीएम सिंह ने इस मामले में वर्ष 2003 में दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। सीबीआइ ने वर्ष 2006 में इस मामले में एफआइआर दर्ज की। सीबीआइ ने कोई गड़बड़ी न होने की बात कहते हुए वर्ष 2008 में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की। हालांकि, वर्ष 2012 में हाई कोर्ट ने मामले की दोबारा जांच करने का निर्देश दिया था। वर्ष 2019 में हाई कोर्ट ने सीबीआइ की दोनों क्लोजर रिपोर्ट को खारिज कर मामले को गंभीर बताते हुए सांसद के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने को कहा था।

ओवैसी के घर में तोड़फोड़ करने के आरोप में हिंदू सेना के 5 सदस्य हिरासत में लिए गए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को यहां अशोक रोड पर स्थित ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख एवं हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के आधिकारिक आवास में तोड़फोड़ करने के आरोप में हिंदू सेना के पांच सदस्यों को हिरासत में लिया. यह घटना मंगलवार शाम को हुई. नई दिल्ली क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त दीपक यादव ने कहा कि घटना में कथित संलिप्तता के लिए पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है. वहीं, आधिकारिक आवास में तोड़फोड़ की खबर पर असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा है कि लोगों के कट्टरपंथ के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए. अगर किसी सांसद के घर पर इस तरह से हमला होता है, तो इससे क्या संदेश जाता है?

जानकारी के मुताबिक, हमलावरों ने बंगले के बाहर लगी नेम प्लेट, लैंप और खिड़की का शीशा तोड़ दिया है. जिस समय यह हमला हुआ उस समय ओवैसी बंगले में मौजूद नहीं थे. बंगले पर मौजूद लोगों ने बताया कि हमलावर 7 से 8 की संख्या में आए थे. वह नारेबाजी कर रहे थे. इस दौरान उन लोगों ने घर के अंदर जनकर ईंट फेंके और तोड़फोड़ की. वहीं, कुछ देर पहले खबर सामने आई थी कि असदुद्दीन ओवैसी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव से मुलाकात की है. इसके लिए वे उनके आवास पर पहुंचे थे. इस मुलाकात के बाद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि शिवपाल यादव बड़े नेता हैं.

आपने किसे अपना नेता बनाया

बता दें कि अगले साल उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर ,ढ्ढरूढ्ढरू के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी पूरी तैयारी कर रहे हैं. बीते दिनों उन्होंने 2022 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपनी रणनीति का ऐलान किया था. उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. हम यूपी में चुनाव लड़ेंगे. यूपी सबसे बड़ी रियासत है, यहां 19 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है, आप सबको एक तरफ आना होगा. यूपी में जहां पर हर बिरादरी की एक सियासी आवाज है, नुमाइंदा है, मुस्लिमों का कौन है, आपने किसे अपना नेता बनाया.

स्नैचिंग में शतक लगा चुके बदमाश का लग्जरी स्टाइल, मुंबई की मॉडल गर्लफ्रैंड से दोस्ती

नई दिल्ली. दिल्ली पुलिस के द्वारका जिला पुलिस के एंटी ऑटो थेफ्ट स्टॉफ की टीम ने एक ऐसे स्नैचर को धरदबोचने में कामयाबी हार्सि ल की है जोर्कि एशो आराम के साथ लाइफ जी रहा है. इस स्नैचर के इतने जबर्दस्त ठाठ हैं कि वो 25 हजार के जूते और 30 हजार की जैकेट पहनता है. इतना ही नहीं, उसकी गर्लफ्रैंड के तो और भी ठाठ हैं. वह मुंबई की एक मॉडल बताई गई है. बताया जाता है कि जब वह आरोपी से मिलने के लिए दिल्ली आती है तो वह उसके लिए बिजनेस क्लास की टिकट व ठहरने के लिए स्टार होटल में रूम बुक करता है. गिरफ्तार आरोपी अर्जुन उर्फ गोपू को राजस्थान पुलिस ने जोधपुर स्थित लूनी से अरेस्ट किया है. आरोपी 100 से अधिक स्नैचिंग व लूट की वारदतों को अंजाम दे चुका है. इनमें से 50 से अधिक वारदातों को उसने पिछले तीन से चार माह में अंजाम दिया है.

आरोपी गोपू पर दिल्ली के अलग थानों में झपटमारी, लूट, अवैध हथियार के 100 मामले दर्ज हैं. अर्जुन आदर्श नगर थाना का घोषित अपराधी भी है. यूपी के मुरादाबाद में इस पर गैंगस्टर एक्ट में मामला दर्ज है. अप्रैल महीने में ही आरोपी जमानत पर जेल से छूटा था और छूटते ही एक के बाद एक वारदात अंजाम देने लगा.

डीसीपी द्वारका संतोष कुमार मीणा ने बताया कि इलाके स्नैचिंग की वारदातों पर रोक लगाने के लिए पुलिस टीम लगातार बदमाशों का पता लगा रही थी. पुलिस ने इसके कई साथियों को गिरफ्तार भी किया था लेर्कि न यह आरोपी फरार चल रहा था. इसको पकड़ने के लिए एएटीएस इंस्पेक्टर कमलेश कुमार के नेतृत्व में एस आई विकास, ए एस आई राकेश, रंधीर, हेड कांस्टेबल दिनेश, सोनू, जितेंद्र की टीम घटनास्थलों के नजदीक लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगालने में जुटी थी.

फुटेज देखकर पुलिस को पता चला कि झपटमारी की वारदात या तो रात आठ बजे से दस बजे के बीच या फिर सुबह के समय अंजाम दिए जा रहे हैं. छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला इन वारदातों के पीछे अर्जुन का हाथ है. लेकिन पुलिस के बचने के लिए वह दिल्ली से फरार हो गया था. टीम को उसके राजस्थान के जोधपुर इलाके में छिपे होने की जानकारी मिली. इसके बाद पुलिस टीम जोधपुर पहुंची और वहां करीब तीन दिनों तक उसकी तलाश में लगी रही. आखिर पुलिस टीम ने अर्जुन का पता लगा लिया. पुलिस टीम ने जैसे ही अर्जुन को पकड़ने के लिए दबिश दी वह भागने लगा. बाजरे के खेत से गुजरते हुए पुलिस टीम ने आरोपी का करीब डेढ़ किलोमीटर पीछा किया और उसे दबोचने में कामयाब हो गई. बाकी साथियों का पता लगाने में में पुलिस जुट गई है. वहीं, आरोपी से सोने की चेन खरीदने वाले विशाल नामक एक शख्स को भी गिरफ्तार कर लिया गया है.

रोडरेज में उलझा कर बदमाशों ने कर्मचारी के स्कूटर से उड़ाए दस लाख

नई दिल्ली। दिल्ली में क्राइम तेजी के साथ बढ़ रहा है. आए दिन लूटपाट, चोरी, स्नेचिंग और हत्या जैसी वारदात तेजी से बढ़ रही हैं. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की हाल ही की रिपोर्ट में दिल्ली के बढ़ते क्राइम को लेकर खुलासा किया है. इस तरह की वारदातों पर अकुंश लगाने की कोर्शि शों के बाद भी दिल्ली पुलिस कामयाब नहीं दिख रही है. दिल्ली में बढ़ते अपराधों के बीच अब ताजा मामला शास्त्री पार्क इलाके का सामने आया है जहां एक कंपनी के कर्मचारी से रोडरेज के बहाने अपराधी दस लाख रुपये से भरा बैग उड़ा ले गए.

जानकारी के मुताबिक बाइक सवार बदमाश रोडरेज के बहाने एक युवक से उलझ पड़े और बातों ही बातों में उसकी स्कूटी की चाबी से डिग्गी खोल कर 9 लाख 97 हजार 500 रुपये निकाल लिए. बाइक सवार बदमाशों ने साइड मारने की बात कहकर कंपनी के कर्मचारी को बातों में उलझा लिया और टक्कर वाली जगह पर ले जाने के लिए पीड़ित को पीछे की तरफ ले गया और वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए. पुलिस के मुताबिक पीड़ित सुशील कुमार परिवार के साथ मंडोली में रहते हैं और प्राइवेट नौकरी करते हैं. सुनील दोपहर के समय चांदनी चौक का कूचा घांसी राम से एक थैले में रकम लेकर झिलमिल आ रहे थे. जैसे ही वह शास्त्री पार्क के फर्नीचर मार्केट पर पहुंचे. बाइक सवार दो युवक पीछे से आए और उन्हें रुकने का इशारा किया. एक लड़का उतरकर उनके पास आया और कहने लगा कि तूने हमें साइड मारी है. उन्होंने कहा कि मैंने कोई साइड नहीं मारी तो वह लड़का कहने लगा कि चल पीछे तुझे दिखाता हूं. कहां साइड मारी है और किसके सामने मारी है.

सुशील उस लड़के के साथ पैदल ही पीछे की तरफ चल पड़े. इस दौरान स्कूटर की चाबी निकालना भूल गए. कुछ दूर चलने के बाद उन्हें इसका अहसास हुआ तो वह अपने स्कूटर की तरफ मुड़े. दूसरा लड़का उनके स्कूटर से रुपये से भरा बैग निकाल रहा था. सुनील ने शोर मचाया तो वह लड़का अपने साथी की बाइक में बैठकर फरार हो गया. घटना की जानकारी पुलिस को दी गई पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

दूसरे दलों का रुख कर रहे भाजपा पार्षदों को रोकने के लिए दी जा रही अलग-अलग जिम्मेदारी

नई दिल्ली । निगम के आम चुनाव नजदीक आते ही कई भाजपा के पार्षद दूसरे दलों का रुख कर रहे हैं। इसको देखते हुए निगम नेतृत्व ने उन पार्षदों को मौका देने का प्रयास किया है जिन्हें वार्ड समिति में चेयरमैन बनने से लेकर स्थायी समिति में आने की इच्छा थी। जगह न मिलने की वजह से ये पार्षद नाराज चल रहे थे। बताया जा रहा था इनमें से कई पार्षद दल बदल कर सकते हैं। इस पर भाजपा ने पूर्व में निगम के बड़े पदों पर रहे पार्षदों को दरकिनार करके विशेष व तदर्थ समितियों में उन पार्षदों को मौका दिया है जिन्हें अब तक अहम जिम्मेदारियां नहीं मिली थीं।

कई को तो पहली बार इन समितियों में चेयरमैन व डिप्टी चेयरमैन बनाया गया है। दक्षिणी निगम में सोमवार को 12 विशेष समितियों के चुनाव हुए। बहुमत के चलते सभी समितियों में भाजपा के पार्षदों ने निर्विरोध जीत दर्ज कर ली। सरिता विहार वार्ड से भाजपा पार्षद पहली बार निगम की स्वास्थ्य समिति की चेयरपर्सन बनी हैं तो वहीं उनके साथ रणधीर कुमार को डिप्टी चेयरमैन बनाया गया है। इसी तरह राष्ट्रीय त्योहार आयोजन समिति के लिए चेयरमैन के तौर द्वारका सी से पार्षद सुषमा को उम्मीदवार बनाया है, जिसका मंगलवार को चुनाव होगा। इसी तरह महिला कल्याण एवं बाल विकास समिति में मोहन गार्डन से भाजपा पार्षद बबीता को चेयरपर्सन के लिए उम्मीदवार बनाया गया है।

संजय ठाकुर की समिति का चुनाव स्थगितभ्रष्टाचार के आरोपों के चलते रविवार को भाजपा से निष्कासित हुए संजय ठाकुर की समिति का चुनाव स्थगित कर दिया गया है। भाजपा ने उन्हें शिकायत निवारण समिति के डिप्टी चेयरमैन पद के लिए उम्मीदवार बनाया था, जिसका चुनाव मंगलवार को होना था। निगम ने अपरिहार्य कारणों का हवाला देते हुए इस समिति का चुनाव स्थगित कर दिया है।

बताया जा रहा है कि भाजपा की ओर से संजय ठाकुर से नामांकन वापस लेने के लिए कहा जा रहा है। इसके बाद दोबारा से इस समिति का चुनाव कराया जाएगा।

कोर्ट ने 5 आरोपियों के खिलाफ तय किए आरोप, कहा- केस चलाने के लिए हैं पर्याप्त साक्ष्य

नई दिल्ली। दिल्ली के एक अदालत ने दिल्ली हिंसा मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए हैं. अदालत ने कहा है कि सभी तथ्यों व गवाहों के बयानों के आधार पर उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के पर्याप्त साक्ष्य हैं. कोर्ट ने आरोपी गुरमीत सिंह , गौरव, दीपक तोमर, राज कमल व विक्रम के खिलाफ अभियोग तय करते हुए अभियोजन पक्ष को उनके खिलाफ गवाहों को पेश करने का निर्देश दिया है. इससे पहले पांचो आरोपियों ने स्वयं को निर्दोष बताते हुए मुकदमें का सामना करने का तर्क रखा. कोर्ट ने उनके खिलाफ दंगा करने, गैरकानूनी रूप से एकत्रित होने, 50 रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचाने व आगजनी करने के आरोप में अभियोग तय किए हैं. अदालत ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ लिखित शिकायत के अलावा गवाहों से स्पष्ट है कि वे लगाए गए आरोप में शामिल रहे हैं.

वहीं, बीते शनिवार को भी अदालत ने पिछले दिल्ली हिंसा के दौरान कथित तौर पर धार्मिक स्थल पर आगजनी, मकानों और दुकानों में तोड़फोड़ करने तथा लूटपाट के लिए दो लोगों के खिलाफ दंगा, आगजनी और संपत्ति को क्षति के आरोप तय किए थे. आरोपपत्र के अनुसार ,आरोपी गौरव ने 24 फरवरी 2020 को दिल्ली के भजनपुरा इलाके में पेट्रोल बम से एक धार्मिक स्थल में कथित तौर पर आग लगा दी, जबकि आरोपी प्रशांत मल्होत्रा ने उसी क्षेत्र में दुकानों, मकानों और वाहनों में तोड़फोड़ और लूटपाट की. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत आरोप तय किए और उनके वकीलों की मौजूदगी में उन्हें स्थानीय भाषा में समझाया. आरोपी ने अपराध में शामिल नहीं होने की दलीलें दी और मामले में मुकदमे का सामने करने की बात कही.

जमानत पर रिहा कर दिया था

पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी दंगाई भीड़ का हिस्सा थे. उनका कॉल डेटा रिकॉर्ड (सीडीआर) स्थान भजनपुरा चौराहे और आसपास के इलाकों में भी पाया गया, जहां कथित घटना हुई थी. एक सहायक उप निरीक्षक की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था और दोनों को तीन अप्रैल 2020 को गिरफ्तार किया गया था.

संपादकीय

ताकि बढ़े निवेश और रोजगार

स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव मनाने की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से जो कहा, उसमें कम शब्दों में एक बड़ी बात थी, 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' यानी व्यापार करना आसान बनाना। यह सरकार कई साल से 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर काम कर रही है, और उन्होंने कहा भी कि देश के व्यापार और उद्योग आज इस बदलाव को महसूस कर रहे हैं।

लेकिन इसके बाद उन्होंने कहा कि इस तरह के सुधार सिर्फ सरकार तक सीमित न रहे, बल्कि ग्राम पंचायत और नगर निगमों, नगरपालिकाओं तक पहुंचे, इस पर देश की हर व्यवस्था को मिलकर काम करना होगा। प्रधानमंत्री की यह बात इसलिए ध्यान देने लायक है, क्योंकि इसमें यह अंतर्निहित है कि सरकार ने भले ही 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' कर दिया हो और बड़े उद्योगपतियों की जिंदगी आसान हो गई हो, लेकिन छोटे व्यापारियों व कारोबारियों को आज भी बहुत सारी रुकावटें झेलनी पड़ रही हैं। इनमें भी सबसे ज्यादा बाधाएं उन लोगों के सामने हैं, जो नया काम शुरू करना चाहते हैं। पिछले साल लॉकडाउन लगने के कुछ ही समय बाद ऑल इंडिया मैन्युफैक्चरर्स ऑर्गेनाइजेशन ने नौ और उद्योग संगठनों के साथ मिलकर एक देशव्यापी सर्वे किया था। इससे पता चला कि देश में एक तिहाई से ज्यादा छोटे और मध्यम उद्योग बंद होने के कगार पर हैं। व्यापारियों से बात कीजिए, तो उन सबका कहना है कि कोरोना के पहले झटके ने उनकी कमर तोड़ दी थी, जिसके बाद वे किसी तरह सब कुछ समेटकर अपने नुकसान का हिसाब जोड़ ही रहे थे कि दूसरी लहर आ गई। हालांकि, इन दो मुसीबतों के बाद भी आशा का दामन न छोड़ने वाले लोग हैं और उनका कहना है कि कम-से-कम अब वे हर हाल के लिए तैयार तो हैं, क्योंकि उनको लगता है कि कभी भी फिर ऐसी हालत आ सकती है।

मैनेजमेंट के जानकारों का भी कहना है कि छोटे हों या बड़े, सभी व्यापारी अब यह सोचकर तैयारी कर रहे हैं कि कोरोना का अगला झटका आ गया, तो काम कैसे जारी रखा जाए। और ऐसा करने में उनके सामने जो दो सबसे बड़ी रुकावटें आती हैं, उनमें से एक है, मांग की कमी, और दूसरा, पैसे की कमी। सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म 'फेसबुक' ने पिछले साल ओईसीडी और विश्व बैंक के साथ मिलकर भारत में छोटे और मंझोले कारोबारियों के बीच एक सर्वे किया था, जिसमें एक तिहाई लोगों ने आशंका जताई थी कि पैसे की व्यवस्था उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित होने वाली है। पिछले ही हफ्ते फेसबुक ने ऐसे व्यापारियों को पांच से पचास लाख रुपये तक का लोन दिलवाने की मुहिम भी शुरू की है। हालांकि, इसका फायदा उन्हीं व्यापारियों को होगा, जो फेसबुक या उसके दूसरे एप इंस्टाग्राम, वाट्सएप पर छह महीने तक विज्ञापन दे चुके हों। सवाल यह है कि जिस तरह फेसबुक जैसी बड़ी कंपनी छोटे व्यापारियों के लिए सहारा बनने की सोचती है, क्या देश में आने वाली दूसरी बड़ी कंपनियां भी ऐसा ही कर सकती हैं? यह सवाल इसलिए भी उठता है, क्योंकि पुराने वक्त से यह देखा गया है कि जब कहीं कोई बड़ा कारखाना लगता था, तो उसके आसपास बहुत से छोटे कारखाने, दुकानें, होटल, रेस्तरां, यानी करीब-करीब पूरा बाजार लग जाता था। ज्यादा बड़े उद्योग तो अपने आसपास पूरे-पूरे शहर ही बसा लेते थे। और, इसके साथ यह सवाल भी उठता है कि देश में कितने ऐसे बड़े उद्योग आ रहे हैं, जिनसे यह उम्मीद की जा सके?

यहां चीन की एक खबर पर नजर डालनी चाहिए। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पिछले हफ्ते अपनी पार्टी के शीर्ष नेताओं से कहा कि सरकार को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिससे देश में संपत्ति का फिर से बंटवारा किया जा सके और सामाजिक न्याय सुनिश्चित हो। चीनी समाचार एजेंसी के अनुसार, उन्होंने कहा कि बहुत ऊंची कमाई पर नियंत्रण लगाना और बहुत पैसा कमाने वाले लोगों व कंपनियों को प्रेरित करना होगा कि वे समाज को ज्यादा से ज्यादा वापस दें। इसका गरीबों को कितना फायदा होगा, यह अलग बहस का मुद्दा है, पर इतना तय है कि इसका अर्थ अमीरों पर ज्यादा टैक्स हो सकता है। ऐसा होने के बाद या ऐसा होने के डर से बहुत सी बड़ी कंपनियां फिर चीन से भागने लगेंगी। लेकिन जो कंपनियां चीन से भागेंगी, उनमें से कितनी भारत आएंगी? पिछले साल इसी महीने दावा किया गया था कि दो दर्जन बड़ी कंपनियां चीन छोड़कर भारत आ रही हैं और वे यहां डेढ़ अरब डॉलर का निवेश करेंगी। ये वे कंपनियां थीं, जो पहले ही चीन से निकलने का मन बना चुकी थीं और तब तक यह चिंता सामने आ चुकी थी कि उन्हें अपनी तरफ खींचने के मामले में भारत वियतनाम, कंबोडिया, म्यांमार, बांग्लादेश और थाइलैंड जैसे देशों से पिछड़ चुका था। तब भी सरकार को उम्मीद थी कि जब ये कंपनियां आएंगी, तो 10 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा और करीब 150 अरब डॉलर का उत्पादन भी होगा।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, साल 2020-21 में भारत में कुल 81.72 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया है। यह रकम इसके पिछले साल से 10 प्रतिशत ज्यादा है। लेकिन एक अमेरिकी रिसर्च ग्रुप का कहना है कि अगर भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है, तो उसे हर साल कम से कम 100 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लाना होगा।

दूसरी बात, जो पैसा आ रहा है, उसमें से काफी कुछ वेंचर कैपिटल या प्राइवेट इक्विटी के रास्ते भी आ रहा है। इनमें से ज्यादातर टेक्नोलॉजी कंपनियों में जा रहा है, जहां जमीन पर बहुत कुछ नहीं होता। इसीलिए, इतना निवेश आने के बाद भी देश में ग्रॉस कैपिटल फॉर्मेशन या ऐसे कारोबार में निवेश, जिनमें जमीन पर आर्थिक गतिविधि हो, फैक्टरी लगे, बिल्डिंग बने, बहुत से लोगों को रोजगार मिले और जीडीपी में बढ़ोतरी हो, कम हो रहा है। सन 2011 से 21 के बीच ऐसा निवेश जीडीपी का 34.3 प्रतिशत रहा, लेकिन 2020-21 में यह सिर्फ 27.1 फीसदी रह गया है। ऐसे में, यह सवाल उठना लाजिमी है कि आंकड़ों में, सरकारी फाइलों में विदेशी निवेश कितना भी बढ़ता दिखे, क्या वह आम आदमी को रोजगार देने में मदद करेगा? और सरकार ऐसा क्या करेगी कि इस सवाल का जवाब हां में ही मिले? तभी आजादी का अमृत महोत्सव सबके लिए अमृतवर्षा का सबब बन पाएगा।

प्रवीण कुमार सिंह

कैसे पंजाब में कांग्रेस पार्टी अपने ही बुने जाल में उलझ गयी है

> कैप्टन अमरिंदर सिंह जी की अगुवाई में कांग्रेस पार्टी ने बेहतरीन काम किया और मुझे ये विश्वास है की कभी-कभी परिवार में छोटे-मोटे मतभेद हो जाते हैं, पर मुझे ये विश्वास है कि वो अपनी परिपक्वता का परिचय देंगे और उनका आशीर्वाद जो उन्होंने चरणजीत सिंह चन्नी को कल दिया है, कांग्रेस की सरकार पर और समर्थन पर इसी प्रकार बना रहेगा.÷ सुरजेवाला का यह कहना अपने आप में बहुत कुछ कह जाता है. किसी को बेआबरू करके फिर उस नेता से आशीर्वाद और समर्थन की आस सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही कर सकती है. किसी नेता को किसी पद से हटाने का अधिकार पार्टी को होता है पर ऐसी फजीहत किसी और दल में नहीं होती.

कांग्रेस पार्टी ने पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह को हटा कर चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री तो बना दिया, पर पार्टी की मुश्किलें अभी ख़त्म नहीं हुई हैं. पार्टी के पंजाब प्रभारी हरीश रावत ने एक प्रश्न के उत्तर में रविवार को कह दिया कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के नेतृत्व में लड़ा जाएगा. कयास लगाए जा रहे हैं कि चुनाव में मुख्यमंत्री पद के दावेदार नवजोत सिंह सिद्धू होंगे ना की चन्नी, जो सच से परे नहीं है. पर बाद में पार्टी को अपनी गलती का अहसास हुआ कि इस बयान से पार्टी की पोल खुल गयी कि चन्नी को सिर्फ दलित वोट जुटाने के लिए अस्थायी मुख्यमंत्री बनाया गया है और इससे पंजाब के दलित वोटर कांग्रेस पार्टी से नाराज़ हो सकते हैं, लिहाजा कांग्रेस पार्टी के 'विद्वान' और सुलझे हुए केंद्रीय नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला, जो राहुल गांधी के करीबी माने जाते हैं और पार्टी के प्रमुख प्रवक्ता हैं, को सोमवार को स्थति स्पष्ट करनी पड़ी. सुरजेवाला ने स्थिति सुधारने के चक्कर में पार्टी को एक हास्यास्पद स्थिति में ला कर खड़ा कर दिया यह कह कर कि पार्टी मुख्यमंत्री चन्नी और प्रदेश अध्यक्ष सिद्धू के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी. अभी तक तो यह ही देखा और सुना था कि या तो कोई भी पार्टी चुनाव के पूर्व किसी नेता को मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में प्रोजेक्ट नहीं करती है या फिर किसी एक नेता को प्रोजेक्ट किया जाता है, जैसे कि 2017 के चुनाव में अमरिंदर सिंह थे, पर अब पार्टी एक मुख्यमंत्री पद के लिय दो दावेदारों के साथ चुनावी मैदान में उतरेगी. कहते हैं कि शेर की सवारी करने से ज्यादा मुश्किल होता है उस पर से उतरना. उतरते ही शेर आप पर हमला भी कर सकता है. ऐसा ही कुछ कांग्रेस पार्टी के साथ हो रहा है. जाति का कार्ड खेल तो दिया, यह सोच कर कि एक दलित सिख मुख्यमंत्री और

एक जट सिख प्रदेश अध्यक्ष, चुनाव में सभी विरोधियों की छुट्टी हो जायेगी. पर अब कागेस पार्टी की परेशानी है कि अगर चन्नी को मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप में पेश नहीं किया गया तो दलित सिख नाराज़ हो जाएंगे और अगर जट सिख सिद्धू को मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट नहीं किया तो जट सिख भड़क जाएंगे.

जट सिख वैसे ही अमरिंदर सिंह को हटाने के बाद से पार्टी से नाराज़ हो सकते हैं. अगर सिद्धू को मुख्यमंत्री के तौर पर प्रोजेक्ट नहीं किया तो उनका वोट किसी और विरोधी पार्टी को चला जाएगा. इस लिए पार्टी के महान नेता राहुल गांधी और पार्टी के विद्वान प्रवक्ता सुरजेवाला अब संयुक्त दावेदारी की बात गोलमोल तरीके से करने लगे हैं. आने वाला समय ही बतायेगा कि क्या पंजाब के मतदाता उतने ही मुर्ख हैं जितना कि कांग्रेस पार्टी उन्हें साबित करने में तुली है या फिर कांग्रेस पार्टी अपने ही बुने जाल में फंस जाएगी?

कांगेस पार्टी की यह एकमात्र समस्या नहीं है. पार्टी ने वरिष्ट नेता अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटा तो दिया, क्योंकि वह दिल्ली दरबार में जी हुजूरी नहीं करते, पर अब पार्टी को यह चिंता सताने लगी है कि अमरिंदर सिंह कहीं कांग्रेस पार्टी का खेल ना बिगाड़ दें. अमरिंदर सिंह की लोकप्रियता में गिरावट जरूर आई थी, पर यह भी सच है कि अभी भी पंजाब में कांग्रेस पार्टी के वह सबसे बड़े और लोकप्रिय नेता हैं. सिद्धू और चन्नी को अगर मिला भी दें तो अमरिंदर सिंह के मुकाबले उनका वजन हलका ही रहेगा. शनिवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अमरिंदर सिंह ने यह स्पष्ट कर दिया था कि कांग्रेस पार्टी ने उनका अपमान किया है. पहले ही अमरिंद सिंह ने घोषणा की थी कि अभी उनका सक्रिय राजनीति से रिटायर होने का कोई इरादा नहीं है. सोमवर को चन्नी के शपथग्रहण समारोह, जिसमें पार्टी के बेताज बादशाह राहुल गांधी शामिल हुए, से अमरिंदर सिंह दूर रहे. अब कांग्रेस पार्टी को भय सताने लगा है कि कहीं अमरिंदर सिंह उनका खेल ना बिगड़ दें, जिस सम्भावना से अभी इनकार नहीं किया जा सकता है.

इतना तो स्पष्ट है कि अमरिंदर सिंह अकाली दल में शामिल नहीं होंगे. ऑपरेशन ब्लू स्टार के विरोध में वह 1984 में कांग्रेस पार्टी छोड़ कर अकाली दल में शामिल हो गए थे और 1992 में वह कांग्रेस पार्टी में वापस आये. पर इस बार अकाली दल से दूरी का कारण है कि अकाली दल सुखबीर सिंह बादल को मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट करने का ऐलान कर चुकी है और अमरिंदर सिंह को अगर मुख्यमंत्री पद नहीं मिला तो वह अकाली दल में क्यों शामिल होंगे.

अमरिंदर सिंह के पास फ़िलहाल भारतीय जनता पार्टी या फिर आम आदमी पार्टी में शामिल होने का विकल्प है. दोनों पार्टियों को मुख्यमंत्री पद के लिए किसी बड़े नेता की तलाश है और उन्हें सहर्ष अमरिंदर सिंह का स्वागत करने में परहेज नहीं होगा, क्योंकि वह जिस भी दल में शामिल होंगे उसकी ताकत बढ़ जायेगी. बीजेपी में भी शामिल होना थोडा मुश्किल लग रहा है क्योंकि अमरिंदर सिंह उन नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने कृषि कानूनों के विरोध में किसान आन्दोलन को बढ़ावा दिया था. जब तक बीजेपी कृषि कानूनों को वापस नहीं ले लेती तब तक अमरिंदर सिंह बीजेपी से दूर ही रहेंगे और कृषि कानूनों के मुद्दे पर बीजेपी झुकने को तैयार नहीं है. एक बीच का रास्ता निकल सकता है कि बीजेपी कृषि कानून में कुछ संशोधन करने को तैयार हो जाए, जिस स्थिति में अमरिंदर सिंह उसका क्रेडिट ले कर बीजेपी में शामिल हो सकते हैं. अगर ऐसा हुआ तो बीजेपी पंजाब चुनाव में एक बड़ी शक्ति बन जायेगी. आम आदमी पार्टी में शामिल होना भी एक विकल्प है, पर वहां भी समस्या कांग्रेस वाली ही है. राहुल गांधी की ही तरह आम आदमी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी दरबारी नेता ही भाते हैं. पार्टी से कम से कम दर्ज़न भर बड़े नेताओं को इसी कारण या तो पार्टी से निकाल दिया गया या फिर वह आम आदमी पार्टी से दूर हो गए. उम्र के इस पड़ाव में अमरिंदर सिंह जैसा बड़ा नेता केजरीवाल को अपना नेता नहीं मानेगे. अगर उन्हें ऐसा ही करना होता तो फिर राहुल गांधी उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाते ही नहीं.

अपनी स्वयं की पार्टी गठित करने का विकल्प अमरिंदर सिंह के सामने है. समय कम है, पर यह संभव है. अगर उन्होंने ऐसा किया तो कांग्रेस पार्टी से नाराज़ कई दूसरे राज्यों के अन्य नेता भी अमरिंदर सिंह के साथ जुड़ सकते हैं. हताश और परेशान कांग्रेस पार्टी अब इसी प्रयास में जुटी है कि अमरिंदर सिंह कुछ ऐसा कदम नहीं उठाए जिससे पंजाब में पार्टी का टायर पंचर हो जाए. कैप्टन अमरिंदर सिंह जी की अगुवाई में कांग्रेस पार्टी ने बेहतरीन काम किया और मुझे ये विश्वास है की कभी-कभी परिवार में छोटे-मोटे मतभेद हो जाते हैं, पर मुझे ये विश्वास है कि वो अपनी परिपक्वता का परिचय देंगे और उनका आशीर्वाद जो उन्होंने चरणजीत सिंह चन्नी को कल दिया है, कांग्रेस की सरकार पर और समर्थन पर इसी प्रकार बना रहेगा. सुरजेवाला का यह कहना अपने आप में बहुत कुछ कह जाता है. किसी को बेआबरू करके फिर उस नेता से आशीर्वाद और समर्थन की आस सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही कर सकती है. किसी नेता को किसी पद से हटाने का अधिकार पार्टी को होता है पर ऐसी फजीहत किसी और दल में नहीं होती. कांग्रेस पार्टी अमरिंदर सिंह से परिपक्वता की उम्मीद कर रही है, जिस परिपक्वता का परिचय खुद कांग्रेस पार्टी ने नहीं दिया. अगर कांग्रेस पार्टी के अपरिपक्व नेताओं ने परिपक्वता दिखाई होती तो अब तक पंजाब में समस्या उलझने की जगह सुलझ चुकी होती.

दुनिया की दृष्टि बदलने वाले स्वामी विवेकानंद, शिकागो में बजाया था भारतीय धर्म-संस्कृति का डंका

समकालीन विश्व इतिहास में 11 सितंबर 1893 का दिन एक युगांतकारी परिघटना का पड़ाव बना था। उस दिन शिकागो शहर में आयोजित विश्व धर्म सम्मेलन के मंच से स्वामी विवेकानंद ने भारतीय धर्म-संस्कृति का ऐसा शंखनाद किया कि सुनने वाले सम्मोहित होकर रह गए। उन श्रोताओं में जर्मन भाषाविद् और प्राच्य विद्या के मर्मज्ञ प्रोफेसर फ्रेडरिक मैक्समूलर और अल्बर्ट आइंस्टीन जैसे मूर्धन्य विज्ञानी भी थे। स्वामी जी के विचार सुनकर भारत को देखने की पश्चिमी विद्वानों की दृष्टि ही बदल गई कि जिसे वे जादू-टोना और सपेरों का देश समझते रहे, वह तो ज्ञान-विज्ञान, दर्शन और साहित्य की अविरल धारा को समेटे है। स्वामी विवेकानंद मानते थे कि, 'संसार भारत माता का अपार ऋणी है। यदि हम विश्व के सभी राष्ट्रों का तुलनात्मक अध्ययन करें तो पाते हैं कि विश्व में ऐसी कोई जाति नहीं है, जिसका संसार उतना ऋणी है, जितना वह हमारे भद्र हिंदू पूर्वजों का है।'पश्चिमी जगत पर स्वामी विवेकानंद का ऐसा असर हुआ कि हिंदुत्व के विविध आयामों पर व्याख्यान के लिए उन्हें जगह-जगह आमंत्रित किया जाने लगा। इसी कड़ी में मैक्समूलर ने स्वामी जी को अपने यहां भोजन पर आमंत्रित किया। यह 28 मई 1896 की तिथि थी। मैक्समूलर से घंटों शास्त्रार्थ हुआ। मैक्समूलर से मिलकर स्वामी जी भी अभिभूत हुए। इस मुलाकात पर अपने संस्मरण में उन्होंने लिखा कि जैसे वह प्राचीन भारत के किसी महान ऋषि के समक्ष बैठे हैं। उन्हें लगा कि ऋषि वशिष्ठ और अरुंधती ईश्वर प्राणिधान में मग्न हैं। विवेकानंद और मैक्समूलर का यह मिलन महज दो व्यक्तियों का मिलन नहीं था। यह संगम उन पूर्वाग्रहों का पराभव था, जो रुडयार्ड किपलिंग जैसों की दृष्टि में कभी संभव नहीं था, क्योंकि वह पश्चिम को सदैव पूरब से श्रेष्ठ मानते रहे। इस प्रकार विवेकानंद और मैक्समूलर का मिलन वास्तव में पूरब और पश्चिम का सेतुबंधन था।

प्रो. यूजेन वर्नोफ 19वीं सदी के मध्य यूरोप में प्राच्यविद्या के प्रतिष्ठित आचार्य रहे। वर्नोफ ने ही मैक्समूलर को संस्कृत पढ़ाई तथा उन्हें वैदिक वांग्मय पर गहन शोध के लिए प्रेरित किया। मैक्समूलर ने तीन दशक से भी अधिक समय वेदों पर अध्ययन और शोध किया। जब उनका भाष्य प्रकाशित हुआ तो यूरोप, अमेरिका और भारत का विद्वत वर्ग चमत्कृत हो उठा। यह पश्चिम में वैदिक ज्ञान की 'दिग्विजय यात्र' थी। यह संपूर्ण यूरोप में वैदिक ज्ञान के प्रति आए पुनर्जागरण का उत्कर्ष था। मैक्समूलर वैदिक ज्ञान के उपासक तथा अनन्य भारत प्रेमी थे। भारत से बाहर जन्म लेकर मां भारती की महती सेवा करने वाले महान मनीषी थे। उनकी मेधा से प्रभावित राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने यथार्थ ही कहा था कि महर्षि सायण की आत्मा ही जर्मनी में मैक्समूलर के रूप में अवतरित हुई, क्योंकि समकालीन युग में वह वेदों के महानतम भाष्यकार हैं। मैक्समूलर का सबसे बड़ा योगदान यह है कि उन्होंने तुलनात्मक भाषाविज्ञान तथा धर्मो के तुलनात्मक अध्ययन की परंपरा शुरू की। भारत और भारतीय संस्कृति से उनके अनुराग की अभिव्यक्ति इन्हीं शब्दों में समझी जा सकती है, 'भारत आधुनिक विश्व का आध्यात्मिक पूर्वज है और जिस देश ने राम और कृष्ण को जन्म दिया, उसे गुलाम बनाना महापाप है।' मैक्समूलर ने भारत को कई प्रकार से गौरवान्वित किया। उन्होंने भारतीय साहित्य, दर्शन, धर्मग्रंथों की 50 से अधिक खंडों में ग्रंथमाला प्रकाशित की। 'इंडिया- व्हाट इट कैन टीच अस' नामक पुस्तक में वह बताते हैं कि विश्व भारतवर्ष से क्या-क्या सीख सकता है?

वैदिक ज्ञान का आज संपूर्ण विश्व पर बहुआयामी प्रभाव पड़ा है। आधुनिक जीवन का शायद ही कोई आयाम हो जिसमें भारतवर्ष ने योगदान नहीं किया। वस्तुत- तुलनात्मक भाषाविज्ञान के अध्ययन से जो तथ्य स्थापित हुए, उनसे पूर्वाग्रही यूरोपीय विद्वानों की जड़ता समाप्त हुई। ये यही मानते थे कि फलस्तीन और यूनान से प्राचीन कोई देश नहीं और हिब्रू से प्राचीन कोई भाषा नहीं है। बाइबल के अनुसार सृष्टि 4000 वर्ष से अधिक पुरानी नहीं है। इस स्थापना के आलोक में वेदों के काल-निर्णय में यूरोपीय विद्वानों को बड़ी कठिनाई हुई, जो उन्हें ईसा से 2000 वर्ष पूर्व से आगे ले जाने के लिए किसी भी हाल में तैयार नहीं थे। हालांकि हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की खोदाई से उनके भ्रम टूटे और वे यह मानने को बाध्य हुए कि सृष्टि का इतिहास 4000 वर्ष से बहुत पुराना है।

यह मैक्समूलर ही थे जिन्होंने स्थापित किया कि हिब्रू नहीं, अपितु संस्कृत विश्व की प्राचीनतम भाषा है और यूनानी या यहूदी नहीं, बल्कि हिंदू विश्व की प्राचीनतम जाति हैं। मैक्समूलर ने पाणिनी को विश्व का महानतम व्याकरणाचार्य घोषित किया। उनके अनुसार देववाणी संस्कृत अपनी समृद्ध शब्दावली तथा सर्वाधिक विज्ञानसम्मत व्याकरण से अलंकृत विश्व की सबसे प्राचीन भाषा है, जिसमें प्राचीन हिंदू ग्रंथों का प्रणयन हुआ। संस्कृत गणित, विज्ञान, खगोल विज्ञान और आयुर्विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषयों की भाषा भी है। सर विलियम जोंस जैसे विद्वान भी इससे सहमति व्यक्त करते हुए कहते हैं, 'संस्कृत विश्व की सर्वाधिक पूर्ण भाषा है। यूनानी से भी अधिक परिपूर्ण तथा लैटिन से भी अधिक समृद्ध। यह भारत और उसकी संस्कृति के प्रति आकर्षण ही रहा कि उसने मैक्समूलर जैसे कई विद्वानों को प्रभावित किया। यह श्रृंखला बहुत लंबी है, जिनमें से तमाम यह मानते हैं कि गणित और विज्ञान हमने भारत से ही सीखा है।

तेजी से बढ़ती असमानता

नैशनल सैंपल सर्वे द्वारा करवाए गए ऑल इंडिया डेट एंड इन्वेस्टमेंट सर्वे 2019 की रिपोर्ट ने एक बार फिर देश में लगातार बढ़ती गैर-बराबरी की ओर ध्यान खींचा है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश की कुल संपत्ति का आधे से अधिक हिस्सा ऊपर की दस फीसदी आबादी के हाथों में सिमट गया है। निचले हिस्से की 50 फीसदी आबादी के पास महज दस फीसदी संपत्ति है। गांवों के मुकाबले शहरों में यह विभाजन और तीखा नजर आता है। जहां ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे अमीर दस फीसदी लोगों के पास 50.8 फीसदी संपत्ति है वहीं शहरी क्षेत्रों में यह 55.7 प्रतिशत पाया गया है।

इस विस्तृत सर्वे रिपोर्ट के अलग-अलग कई महत्वपूर्ण पहलू हैं, जिन पर बारीकी से विचार होना चाहिए, लेकिन एक तथ्य स्पष्ट है कि विकास की प्रक्रिया जिन इलाकों में ज्यादा तेज रही, वहां असमानता का अनुपात भी ज्यादा है। इस तथ्य के अपने गहरे निहितार्थ भले हों, लेकिन यह अपने आप में कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी समय-समय पर आने वाली अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह तथ्य उजागर होता रहा है कि भारत में विकास की गति तेज होने के बाद भी पिछले ढाई-तीन दशकों में विषमता में तेज बढ़ोतरी हुई है।

क्रेडिट सुईस की ग्लोबल वेल्थ रिपोर्ट 2018 में तो कहा गया था कि देश की सबसे अमीर एक फीसदी आबादी के पास 51.5 फीसदी संपत्ति इकट्ठा हो गई है। ऐसी अलग-अलग रिपोर्टों में प्रतिशत का थोड़ा-बहुत अंतर कभी-कभार दिखता है तो उसकी एक वजह यह होती है कि उनमें संपत्ति की गणना के पैमाने अलग-अलग होते हैं। लेकिन इस तथ्य की पुष्टि इन तमाम रिपोर्टों से होती है कि भारतीय समाज में विषमता सुरसा के मुंह की तरह लगातार बढ़ती जा रही है। वैसे यह रुझान अपने देश तक सीमित नहीं है। किसी भी समाज में अगर तेजी से समृद्धि आती है तो यह संभावना रहती है कि शुरू में संपत्ति आबादी के कुछ खास हिस्सों के हाथों में आए, जिससे विषमता बढ़ी हुई दिखने लगे। अपेक्षा यह रहती है कि बाद के दौर में यह धीरे-धीरे समाज के अन्य तबकों तक पहुंच कर उनके जीवन स्तर को भी ऊंचा करेगी। इसी बिंदु पर योजनाओं की भूमिका अहम हो जाती है। इस बात का ध्यान रखना होता है कि अपनी स्वाभाविक गति में यह समृद्धि समाज के अन्य तबकों तक पहुंच रही है या नहीं। अगर नहीं पहुंचती है तो यह देखना होता है कि उसकी गति को बाधित करने वाले कारक कौन से हैं और उन्हें दूर करने के क्या इंतजाम हो सकते हैं। एनएसएस के ताजा आंकड़े बताते हैं कि अपने देश में सरकार को ऐसे इंतजामों पर खास ध्यान देने की जरूरत है।

आंकड़े बता रहे हैं कि किसानों की दशा पिछले 7 सालों में लगातार बेहतर हुई है

> किसान संगठनों के धरनों से परेशान हो रहे लोगों के सामने बेबस होकर रह जाने के अलावा और कोई उपाय नहीं, क्योंकि कोई भी उनकी नहीं सुन रहा- न पुलिस, न सरकारें और न ही अदालतें। पुलिस और सरकारों की मजबूरी समझ आती है, लेकिन आखिर अदालतों को किसका भय है? क्या वे भी किसान संगठनों की मनमानी के आगे असहाय हैं? पता नहीं सच क्या है, लेकिन जब आम आदमी इस तरह परेशान होता है तो वह केवल कुढ़ता ही नहीं है, बल्कि व्यवस्था के विभिन्न अंगों पर उसका भरोसा भी कम होता है और जब ऐसा होता है तो लोकतंत्र कमजोर होता है।

देश में कृषि कानूनों को लेकर आंदोलन तेज है. बताया जा रहा है कि इन कृषि कानूनों से किसानों को बहुत नुकसान हो रहा है. इसके साथ ही साथ यह भी साबित करने की कोशिश होती है कि किसानों की हालत बहुत खराब हुई है. हालांकि जब हम आंकड़ों पर नजर डालते हैं तो स्थिति कुछ और ही नजर आती है. किसानों की आय में पिछले 9 सालों में करीब 59 परसेंट की बढ़ोतरी हुई है. इसके साथ ही फसलों का बीमा कराने वाले किसानों की संख्या में भी जबरदस्त उछाल आया है. इसी तरह कर्ज लेने वाले किसानों की संख्या में भी गिरावट आई है.

हिंदुस्तान टाइम्स में छपे एक साक्षात्कार में केंद्रीय कृषि सचिव संजय अग्रवाल के अनुसार सिचुएशन एसेसमेंट सर्वे बताता है कि किसानों की आय में 59 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है. 2019 में हुए एक सर्वे के अनुसार किसानों की मौजूदा आय 10,218 रुपए दर्ज की गई जो 2012-13 के सर्वेक्षण से, जिसमें मासिक आय 6,426 रुपये थी की तुलना में कहीं ज्यादा है. इस सर्वे में यह भी दावा किया गया है कि मुद्रास्फीति के लिए समायोजित किसानों की आय में जिसे अर्थशास्त्री वास्तविका कहते हैं, में लगभग 2 फ़ीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है. हालांकि इस इनकम में केवल कृषि से होने वाले आय को ही नहीं जोड़ा गया है, बल्कि भूमि जोत और पशुधन से होने वाले आय को भी जोड़कर यह आंकड़े जारी किए गए हैं. दरअसल सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के नेशनल स्टैटिक्स ऑफिस ने भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की भूमि और पशुधन और कृषि परिवारों की स्थिति का आकलन करते हुए एक सर्वे किया है. हालांकि इससे पहले

कृषि परिवारों की भूमि और पशुधन होल्डिंग सर्वेक्षण और सेचुएशन असेसमेंट सर्वे के अलग-अलग सर्वे किए जाते थे और उनके अलग-अलग आंकड़े जारी किए जाते थे. लेकिन इस बार यह दोनों एक साथ हुए हैं.

ऑल इंडिया लेवल पर 2018-19 के दौरान हर कृषि परिवार की औसत मासिक आय 10,218 रुपए थी. इस कुल औसत आय में मजदूरी से 4,063 रुपए, खेती या फसल उत्पादन से 3798 रुपए, जानवरों से 1582 रुपए, गैर कृषि व्यवसाय से 6041 रुपए और भूमि को पट्टे पर देने से 134 रुपए होती है. यानि कि कृषि परिवारों में आने वाली कुल आय का 39.8 फ़ीसदी इनकम मजदूरी से अर्जित होता है. वहीं खेती और फसल उत्पादन से कुल आय का 37.2 फ़ीसदी अर्जित होता है. पशुओं से 15.5 फ़ीसदी और गैर कृषि व्यवसाय से 6.3 फ़ीसदी किसान परिवारों को इनकम होती है. इस सर्वे की सबसे खास बात है कि इसमें गैर कृषि मजदूर भी शामिल हैं.

कृषि से कमाई करने वालों की तादाद बढ़ी है

आंकड़ों पर नजर डालें तो हमें समझ में आएगा की ग्रामीण इलाकों में उन परिवारों की संख्या जिनकी प्राथमिक आय कृषि से आती है, साल 2013 से 2019 में बढ़ी है. साल 2013 में इन परिवारों की संख्या जहां 54 फ़ीसदी थी वहीं 2019 में यह बढ़कर 58 फ़ीसदी हो गई. वहीं 2013 और 2019 के बीच कृषि परिवारों के आय की तुलना करें तो इसमें भी 59 फ़ीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है. वहीं अगर फसल उत्पादन से आय की वृद्धि से पर नजर डालें तो 2013 से 2019 के बीच यहां 1 से 15 फ़ीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है. वहीं पशुपालन से आय में 27 से 34 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है.

पहले के मुकाबले आज के किसान अधिक मात्रा में अपनी फसलों का बीमा करा रहे हैं. जुलाई से दिसंबर के दौरान के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इस समयावधि में 8.3 फीसद कृषि परिवारों ने धान का बीमा कराया था. वहीं अगर 2012-13 के इसी समयावधि पर नजर डालें तो बीमा कराने वाले किसान परिवारों संख्या 4.8 फीसदी थी. इसी तरह इसी समयावधि में सोयाबीन की फसल का बीमा 27.5 परसेंट जबकि 2012-13 में 14 परसेंट और कपास में 25.4 परसेंट ने बीमा कराया जबकि 2012-13 में केवल 10.4 परसेंट ने बीमा कराया था. इसका सीधा मतलब यही निकल रहा है कि इन सात सालों में किसान की स्थित सुधरी है.

किसानों के कर्ज की क्या स्थिति भी सुधरी है

2013 के आंकड़ों से अगर 2019 के आंकड़ों से तुलना करने पर पता चलता है कि 2013 में जहां कुल 52 परसेंट किसान कर्ज के बोझ तले दबे हुए थे वहीं 2019 में ये घटकर 50 परसेंट हो गई है. पर ऐसा नहीं है कि किसानों ने कर्ज लेना ही छोड़ दिया है. किसानों की आय में वृद्धि के साथ-साथ कर्ज में बढ़ोतरी भी हुई है. इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट पर नजर डालें तो 2013 से 2019 के बीच किसानों के कर्ज में लगभग 58 फ़ीसदी की बढ़ोतरी हुई है. इस रिपोर्ट के मुताबिक 2003 में किसानों के वार्षिक औसत आय 25,380 रुपए थी. जबकि उस पर कर्ज 12,585 रुपए था. वहीं 2013 में आए 77,112 रुपए और उस पर कर्ज 47,000 का था. लेकिन 2019 में जब आय बढ़कर 1,00,044 हुई तो कर्ज का बोझ भी बढ़कर 74,121 रुपए हो गया. यानि 2003 से 2019 तक जहां आय में 4 गुना की वृद्धि हुई है. वहीं कर्ज में 6 गुना की बढ़ोतरी दर्ज की गई है. मतलब कर्ज में बढ़ोतरी हुई है पर कर्ज के तले दबे किसानों की संख्या में गिरावट हुई है. इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट बताती है कि आंध्र प्रदेश के किसानों पर सबसे ज्यादा लोन है. वहीं देश के 3 राज्यों (आंध्र प्रदेश, केरल, पंजाब) में प्रत्येक किसान परिवार पर औसतन 2 लाख से अधिक का कर्ज है. और पांच राज्यों (हरियाणा, तेलंगाना, कर्नाटक, राजस्थान, तमिलनाडु) में यह आंकड़ा एक लाख के पार चला जाता है.

बजट की वजह से भी बढ़ी है किसानों की आय

किसानों की आय वृद्धि में बजट आवंटन का भी खास योगदान है. अगर हम 2013-14 में कृषि विभाग के लिए आवंटित बजट को देखें तो वह 21,933.50 लाख करोड़ रुपए थी. जो 2021-22 में लगभग 5.5 गुना से अधिक बढ़ाकर 1,23,017.57 करोड़ कर दिया गया है. यही नहीं अगर हम बीते 6 वर्षों में कृषि के लिए थोक मूल्य सूचकांक पर नजर डालें तो यह 111 से बढ़कर 134 हो गया है. वहीं गैर कृषि के लिए थोक मूल्य सूचकांक भी 106 से बढ़कर 116 हो गया है. इसके साथ ही पीएम किसान योजना के तहत अब तक 11.37 करोड़ किसान परिवारों को उनके बैंक खातों में सीधे 1.58 लाख करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है.

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

महंत नरेन्द्र गिरि की संदिग्ध मौत की सीबीआइ से जांच कराने की मांग को लेकर हाई कोर्ट में याचिका दाखिल

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष तथा निरंजनी अखाड़ा के सचिव महंत नरेन्द्र गिरि की सोमवार को संदिग्ध मौत का मामला गहराता जा रहा है। बाघम्बरी गद्दी मठ के उनके कमरे में उनका शव मिलने के मामले की सीबीआइ जांच की मांग की जा रही है। प्रयागराज में महंत नरेन्द्र गिरि की संदिग्ध परिस्थिति में मौत के मामले में अधिवक्ता सुनील चौधरी ने सीबीआइ जांच की मांग की है। इलाहाबाद हाई कोर्ट में उन्होंने एक याचिका दाखिल कर पूरे मामले की जांच सीबीआइ से कराने की मांग की है। उनकी याचिका में कहा गया है कि इस मामले में यह बात सामने आ रही है कि कोई उच्च पुलिस अधिकारी भी इस प्रकरण में शामिल हैं, ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच संभव नहीं है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी मंगलवार को श्री मठ बाघम्बरी गद्दी पहुंचे और उन्होंने मीडिया से मुखातिब होकर कहा कि सरकार सीबीआइ जांच के लिए तैयार है, यदि निरंजनी अखाड़े के पंच परमेश्वर व अखाड़ा परिषद कहेगी तो मामले की सीबीआइ जांच कराई जाएगी।

सांसद ने भी की जांच की मांग- प्रयागराज से भारतीय जनता पार्टी की सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि यदि यह आत्महया है तो क्यों है, इसकी गहन जांच होनी चाहिए। यदि यह आत्महत्या नहीं है तो क्या है। इसकी जांच होनी चाहिए। यह संतों की सरकार है, इसमें किसी संत के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। पांच डॉक्टर करेंगे पोस्टमार्टम- प्रयागराज में मंगलवार को पांच डाक्टर्स का पैनल महंत नरेन्द्र गिरि के शव का पोस्टमार्टम। इस पैनल में दो डाक्टर मेडिकल कालेज, दो जिला अस्पताल से और एक सीएमओ आफिस के हैं।

देवबंद में बोले अरशद मदनी–तालिबान के बारे में कोई भी राय देना अभी जल्दबाजी

सहारनपुर। दारुल उलूम देवबंद के सदर मुदर्रिस और जमीयत उलेमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि दारुल उलूम देवबंद तालिबान पर तब तक अंतिम राय नहीं देगा जब तक अफगानिस्तान में एक आदर्श इस्लामी सरकार की स्थापना नहीं हो जाती। मौलाना अरशद मदनी ने विदेशी मीडिया से बातचीत में तालिबान और अफगानिस्तान को लेकर दारुल उलूम देवबंद की ओर से यह अहम बयान दिया।

यह बोले- तालिबान पर उन्होंने कहा कि इस्लामिक सरकार के बारे में बात करना आसान है, लेकिन इस्लामी सरकार स्थापित करना और इस्लाम के बुनियादी सिद्धांतों पर चलना एक कठिन और चुनौतीपूर्ण काम है। मौलाना ने कहा कि दारुल उलूम का अफगानिस्तान और तालिबान से कोई लेना-देना नहीं है। दारुल उलूम का काम कुरान, हदीस सिखाना और पढ़ाना है और ऐसे छात्रों को तैयार करना है जो मस्जिदों और मदरसों में अपनी सेवाएं दे सकें।

शांति और भाईचारा फैलाता है दारुल उलूम–मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि दारुल उलूम देवबंद शांति और भाईचारे का पाठ पढ़ाता है। दारुल उलूम के छात्र कभी भी दंगों, झगड़ों और सामाजिक ताने-बाने के खिलाफ किसी भी गतिविधि में हिस्सा नहीं लेते हैं। कहा कि देश में स्थिरता, शांति और सामाजिक सद्भाव तभी स्थापित होगा जब सरकारें सांप्रदायिकता पर अंकुश लगाएंगी।

मीडिया के नकारात्मक रवैये पर नाराजगी जताई- मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि हमें गहरा दुख है कि मीडिया गहराई तक नहीं जाता और दारुल उलूम के असल चेहरे को नहीं दिखाता बल्कि मनगढ़ंत समाचार प्रकाशित करता है। कहा कि मीडिया की सोच सांप्रदायिक नहीं होनी चाहिए। उसे पूरे मामले को निष्पक्ष रूप से देखना चाहिए और सरकार को सांप्रदायिक तत्वों और इसकी सोच और विचारधारा की अनदेखी नहीं करनी चाहिए।

सीएम नीतीश कुमार ने दी बड़ी सौगात- बिहार पर्यटन को लगेंगे चार चांद, अब घूमने जरूर आइए मंदार

बांका । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज बांका पहुंचे। उन्होंने बौंसी में मंदार रोप-वे का उद्घाटन किया। मंदार की ख्याति देशभर में है। देशभर से काफी संख्या में लोग मंदार देखने और पर्वतारोहण करने यहां आते हैं। रोप-वे का उद्घाटन होने के बाद लोगों ने काफी खुशी जताई है। लोगों ने कहा कि अब मंदार को ज्यादा पर्यटक आएंगे। इससे रोजगार के भी अवसर यहां के लोगों को मिलेगा। मुख्यमंत्री के साथ राज्य के पर्यटन मंत्री नारायण प्रसाद भी आए हैं। उन्होंने कहा कि मंदार को जैन सर्किट के तरह शिव सर्किट से भी जोड़ा जाएगा। मंदार में रोप-वे चालू होने से स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के अवसर प्रदान होंगे। भारत सरकार एवं बिहार पर्यटन के द्वारा मंदार में विकास के कार्य किए जाएंगे। बासुकीनाथ धाम, वैद्यनाथधाम, मंदार को एक सर्किट से जोड़कर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा। इस दौरान उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, सांसद गिरिधारी यादव, भागलपुर के प्रमंडलीय आयुक्त प्रेम सिंह मीणा, डीआइजी सुजीत कुमार, जलाधिकारी सुहर्ष भगत, विधायक रामनारायण मंडल, प्रो ललित नारायण मंडल, पर्यटन वभािग के सचिव संतोष मल्ल भी मौजूद थे।

पैदल निरीक्षण करते रहे सीएम- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पापहरणी तालाब का काफी देर तक जायजा लयिा। उन्होंने तालाब के चारों तरफ पैदल निरीक्षण किए। मंदार तट पर पहुंचे। रोप-वे का उद्घाटन किया। भगवान मधुसूदन के मंदरि में गए। वहां पूजा-अर्चना की। प्रशासनिक अधिकारियों से पर्यटन को लेकर काफी देर तक बात की। अधिकारियों को कई निर्देश दिए। इसके बाद बांका प्रखंड में ओढ़नी गए। वहां नौकाविहार करेंगे। गोस्टहाउस में कुछ देर के लिए रुकेंगे। वहां उनके चाय पीने की योजना है। इस दौरान चार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले आइवी के माडल का वे शिलान्यास करेंगे। इसकी तैयारी यहां कर ली गई है।

सीएम ने मंदार को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट –मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि यह उनका ड्रीम प्रोजेक्ट था। रोप-वे का उद्घाटन पहले ही हो जाता। लेकनि कोरोना के कारण उद्घाटन नहीं हो सका। कहा कि-पहले मंदार के शखिर तक पहुंचने में घंटों लग जाते थे। अब कुछ ही देर में लोग शखिर तक पहुंच जाएंगे। इससे अब काफी संख्या में लोग यहां आएंगे।

भाजपा विधायक के रिश्तेदार की निकली एके–47 और दो सौ गोलियां, बेगूसराय में रविवार को हुई थी जब्त

बेगूसराय । बेगूसराय नगर थाना क्षेत्र के कपस्या मोहल्ले से अत्याधुनिक एके 47 और करीब दो सौ गोलियों की बरामदगी ने पुलिस की नींदें उड़ा दी हैं। अब इस मामले का पालिटिकल कनेक्शन भी सामने आ रहा है। पुलिस अब इस बात का पता लगाने में जुटी है कि आखिर इन हथियारों से किसी बड़े वारदात की अंजाम दिए जाने की तैयारी तो नहीं थी। फिलहाल एसपी अवकाश कुमार ने कहा कि मुख्य आरोपित मेयर का भांजा नंदन चौधरी है। उसकी गिरफ्तारी का प्रयास चल रहा है। बता दें कि मेयर वर्तमान नगर विधायक के पिता हैं। एसपी ने बताया कि सूचना मिली कि कपस्या चौक स्थित मंजेश कुमार उर्फ बड़े के घर कुछ अपराधियों को एके 47 और गोलियों के साथ देखा गया है। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की।इसके बाद उन्होंने सदर एसडीपीओ अमित कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया। इसमें नगर थानाध्यक्ष अभय शंकर, एसआइ नीरज कुमार सिंह, एसआइ वरुण कुमार, एएसआइ आलमगीर और दिनेश कुमार को शामिल किया गया। छापेमारी दल ने नगर थाना क्षेत्र के कपस्या मोहल्ले में चंद्रदेव कुंवर के बेटे मंजेश कुमार उर्फ बड़े के घर छापेमारी की। वहां से एक एके 46 राइफल, दो लोडेड मैगजिन, 188 गोलियां, एक बाइक और एक मोबाइल बरामद की गई। मंजेश को गिरफ्तार कर लिया गया। उसपर नगर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया।

एक साल पहले नंदन ने दिए थे हथियार – एसपी ने बताया कि पूछताछ में मंजेश ने बताया कि वह भाजपा विधायक के ममेरे भाई नंदन चौधरी का चालक है। ये हथियार उसने ही रखने के लिए दिए थे। एक साल पहले ही नंदन चौधरी ने उसे ये गोलियां दी थीं। एसपी ने बताया कि मुख्य आरोपित नंदन चौधरी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उसकी गिरफ्तारी से ही पता चल सकेगा कि इन हथियारों को किस उद्देश्य से रखा गया था। मालूम हो कि बेगूसराय के मेयर उपेंद्र सिंह हैं। उनके पुत्र सदर विधायक कुंदन सिंह हैं।

ऐसे में नंदन चौधरी विधायक कुंदन सिंह का ममेरा भाई है। बता दें कि रविवार को की रात पुलिस ने छापेमारी की थी। इतनी बड़ी मात्रा में हथियारों की बरामदगी के बाद एक अन्य जगह पर छापेमारी कर दो भाइयों को हिरासत में लिया गया। तब से ही इस मामले में सफेदपोश की संलिप्तता की बात सामने आ रही थी।

सीएम योगी ने महंत नरेन्द्र गिरि को दी श्रद्धांजलि, बोले-सामने लाया जाएगा संदिग्ध मौत का सच

प्रयागराज । अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष तथा निरंजनी अखाड़े के सचिव महंत नरेन्द्र गिरि की संदिग्ध मौत से सभी स्तब्ध हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रयागराज में महंत नरेन्द्र गिरि की पार्थिव देह का अंतिम दर्शन करने के साथ ही उनको अपनी श्रद्धांजलि भी दी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेन्द्र गिरि के आवास श्री मठ बाघम्बरी में जाकर उनको श्रद्धांजलि दी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनकी पार्थिव देह का अंतिम दर्शन करने के साथ वहां पर शोकाकुल महंतों तथा अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के सदस्यों को सच सामने लाने का भी भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट रूप से कहा कि अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि की मौत के मामले में जो भी जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे मामले में महंत की संदिग्ध मौत से पहले जिन जिन लोगों से बात हुई है उन सभी के नंबर निकाल कर पुलिस उनसे पूछताछ करेगी। महंत नरेंद्र गिरि की मोबाइल पर कई अहम सुराग भी मिले हैं, जिसकी जांच पुलिस कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महंत नरेन्द्र गिरि जी की मृत्यु के मामले में बहुत साक्ष्य एकत्र कर लिए गए हैं। इसके बाद भी प्रदेश पुलिस कई वरिष्ठ अधिकारी अभी भी कुछ सच सामने लाने में जुट हुए हैं। उन्होंने कहा कि महंत जी की मौत के मामले में एक-एक सच को सामने लाया जाएगा। आप सभी को मैं भरोसा दिलाता हूं की महंत नरेन्द्र गिरि की मौत का प्रकरण संदिग्ध नहीं रहेगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने मठ में मौजूद सभी संतों से इस प्रकरण को लेकर अनावश्यक बयानबाजी से बचने की अपील भी की है। एडीजी जोन, आइजी रेंज व डीआइजी प्रयागराज एक टीम के रूप में इस घटना की जांच में जुटे हैं। दोषी अवश्य सजा पाएगा। इस संवेदनशील प्रकरण में अनावश्यक बयानबाजी से बचा जाए। जिम्मेदार को कानून के दायरे में लाकर कड़ी सजा दिलाई जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरि की दुखद घटना से हम सभी दुखी हैं। संत समाज व प्रदेश सरकार की तरफ से विनम्र श्रद्धांजलि देने आया हूं। यह आध्यात्मिक व धार्मिक समाज की अपूरणीय क्षति है। अखाड़ा परिषद व संत समाज की जो सेवा उन्होंने की वो अविस्मरणीय है। 2019 कुंभ की भव्यता को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने में उनका मार्गदर्शन प्राप्त हुआ था। मान-अपमान की चिंता किए बगैर प्रयागराज कुंभ की भव्यता के लिए उन्होंने अपना पूरा समर्पण दिया था। उनकी इच्छा थी कि प्रधानमंत्री कुंभ में प्रयागराज पधारें, वो आए भी।

नरेंद्र गिरि प्रयागराज के विकास को लेकर तत्पर रहते थे। कुंभ में आए श्रद्धालुओं की व्यवस्था और 13 अखाड़ों के बीच समन्वय और आए संतों की व्यवस्था के प्रति लगे रहते थे। साधु समाज, मठ-मंदिर की समस्याओं को लेकर उनका सहयोग प्राप्त होता था। उनके संकल्पों को पूरा करने की शक्ति उनके अनुयायियों को मिले। मंगलवार को पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए मठ में रखा रहेगा और पोस्टमार्टम व समाधि की प्रक्रिया बुधवार को पूरी की जाएगी। लखनऊ से सुबह कई कार्यक्रम स्थगित करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयागराज पहुंचे और फिर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेन्द्र गिरि की पार्थिव देह का अंतिम दर्शन करने के बाद उनको श्रद्धांजलि दी।

देश में संतों की सबसे बड़ी संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेन्द्र गिरि की सोमवार शाम प्रयागराज में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उनका शव अल्लापुर में श्री मठ बाघम्बरी गद्दी के कमरे में मिला। मौत की स्पष्ट वजह सामने नहीं आई है लेकिन कहा जा रहा है कि उन्होंने फंदे से लटककर आत्महत्या की है। मौके से आठ पेज का सुसाइड नोट मिला है।

आइजी केपी सिंह के अनुसार सुसाइड नोट में शिष्य आनंद गिरि, आद्या तिवारी और उसके बेटे पर परेशान करने का आरोप लगाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने महंत की मौत को दुखदायी बताया है।

छोटी बहन उर्मिला अन्य रिश्तेदारों के साथ प्रयागराज में बाघंबरी गद्दी मठ में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाए गए अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि महाराज की मृत्यु पर शोक व्यक्त करती हुई ।

केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री बोले- अपराधों पर हुआ नियंत्रण, दुगुनी हुई किसानों की आय, साढ़े चार साल काम के बल पर भाजपा जीतेगी 350 सीट

बरेली। जलालाबाद में केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने प्रदेश में फिर से पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार बनने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि साढ़े चार साल के काम के दम पर भाजपा उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में 350 सीटें जीतेंगे। शहर के एक मैरिज लान में आयोजित प्रेसवार्ता में केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि जब सपा सरकार थी, प्रदेश में गुंडा, भूमाफिया का राज था। योगी राज में कानून का राज है। उन्होंने दावा किया कि 2016 के बाद अपराध का ग्राफ तेजी से नीचे आया है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने अपराधियों की गिरफ्तारी व एनकाउंटर के भी आंकड़ें दिए। बोले सकरार ने स्कूल कालेज व मेडिकल कॉलेज बनवाए।

राम मंदिर के लिए 240 करोड रुपये, वृंदावन में बाके बिहारी मंदिर का जीर्णोद्धार के लिए 100 करोड़ रुपये स्वीकृत किए। केंद्र सरकार की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश का मान बढ़ाया। बोले इस बार जलालाबाद व सहसवान समेत बरेली मंडल में 25 सीटें जीतेंगे। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष हरि प्रकाश वर्मा, मुनेद्र सिंह, विनय शर्मा, आशुतोष गुप्ता, कुमार मंगलम, अनिल गुप्ता, रमाकांत मिश्र, अनिल वर्मा, वैभव त्रिवेदी आदि मौजूद रहे। इससे पूर्व सभी ने मंत्री का फूलामाला पहनाकर स्वागत किया।

एबीवीपी ने फूंका प्रधानाचार्य का पुतला- अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने स्वामी विवेकानंद इंटर कालेज के गेट के सामने प्रदर्शन किया। कालेज प्रशासन पर तानाशाह रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए प्रधानाचार्य का पुतला फूंका। परिषद के आंदोलन प्रमुख हर्ष कुमार ने बताया पिछले दिनों कालेज में छात्रों से अवैध वसूली का वीडियो वायरल हुआ था, जिसका परिषद ने संज्ञान लेकर विरोध जताया था।

आरोप है कि कालेज की प्रधानाचार्य ने एक कर्मचारी के जरिए कार्यकर्ताओं के खिलाफ खिलाफ तहरीर दे दी। मुकदमा दर्ज करवाने का दबाव बनाया जा रहा है। कार्यकर्ताओं ने आंदोलन जारी रखने का एलान किया।

वहीं प्रधानाचार्य मीना जैन ने कहा कि अवैध वसूली के आरोप गलत है। कालेज के अंदर वीडियो बनाया गया। जिसका विरोध किया। कर्मचारी के साथ अभद्रता की थी उसकी तहरीर दी गई है।

तेजस्वी पर पांच करोड़ की ठगी के आरोप से बिहार में गरमाई सियासत, सीएम के मंत्री ने लालू परिवार को कहा जाली लोग

पटना । राष्ट्रीय जनता दल व बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव तथा सांसद मीसा भारती समेत छह के खिलाफ पटना सिविल कोर्ट ने बीते लोकसभा चुनाव के दौरान टिकट देने के नाम पर पांच करोड़ रुपये की ठगी के आरोप में एफआइआर दर्ज करने का आदेश दिया है। इसके बाद बिहार में सियायत गरमा गई है। आरजेडी ने जहां लगाए गए आरोप को बेबुनियाद कहा है, वहीं सत्तापक्ष के नेता हमलावर हैं। इस कड़ी में ताजा बयान भारतीय जनता पार्टी के नेता व बिहार सरकार में मंत्री मंत्री नीरज कुमार बबलू ने कहा है कि लालू परिवार के सदस्य जाली लोग हैं, जिनका पर्दाफाश हो चुका है। उन्हें अब जेल जाना चाहिए।

मंत्री नीरज कुमार बबलू ने कहा कि आरजेडी में बिना पैसे लिए किसी को टिकट नहीं देते हैं। पैसे नहीं देने पर जमीन लिखवा लेते हैं। यह लालू परिवार का पुराना धंधा है, जिसका अब पर्दाफाश हो गया है। अब इन्हें जेल जाने से कोई नहीं रोक सकता.

लोकलाज को ताक पर रख संपत्ति सृजन- जनता दल यूनाइटेड के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि महागठबंधन के घटक दल कांग्रेस के नेता ने हीं आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेटे व बेटी सहित कांग्रेस के कुछ नेताओं पर टिकट देने के बदले धन लेने का आरोप लगाया है। लोकतंत्र की बुनियाद लोकलाज है, लेकिन आरजेडी का चरित्र लोकलाज को ताक पर रखकर संपत्ति सृजन का रहा है। आरजेडी के लिए लक्ष्मीदान और भूदान महत्वपूर्ण है।

सस्ती लोकप्रियता के लिए बेबुनियाद आरोप

आरोपों की बाबत आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने पलटवार करते हुए कहा कि विक्षिप्त मानसिकता वाले छपास के रोगी कुछ लोग सस्ती लोकप्रियता के लिए बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। ये लोग होर्डिंग-बैनर लगाकर खुद को प्रधानमंत्री का उम्मीदवार बताते हैं। आरोप लगाने वाले की हैसियत भी देखनी चाहिए कि वे पांच करोड़ रुपये देने के लायक हैं भी या नहीं।

क्या है पूरा मामला, जानिए- विदित हो कि कांग्रेस नेता संजीव कुमार सिंह ने पटना के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में बीते 18 अगस्त को परिवाद दायर कर तेजस्वी यादव व मीसा भारती तथा बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा सहित छह लोगों पर लोकसभा चुनाव के दौरान टिकट देने के नाम पर पांच करोड़ की ठगी का आरोप लगाया है। तेजस्वी यादव पर हत्या की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। इम मामले में अदालत के आदेश पर पटना के एसएसपी उपेंद्र शर्मा ने 16 सितंबर को कोतवाली थानाध्यक्ष को एफआइआर दर्ज करने का आदेश दिया।

महंत नरेन्द्र गिरि को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में सहारनपुर पुलिस की हिरासत में उनका शिष्य आनंद गिरि

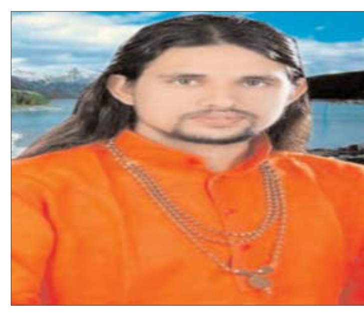

सहारनपुर । अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और देश के बड़े निरंजनी अखाड़ा के सचिव महंत नरेन्द्र गिरि की प्रयागराज में सोमवार को संदिग्ध मौत मामले में उनका परम शिष्य आनंद गिरि पुलिस की रडार पर है। सहारनपुर की एसओजी टीम के साथ सीओ देवबन्द रजनीश उपाध्याय ने हरिद्वार से आनंद गिरि को हिरासत में ले लिया है। टीम आनंद गिरि को लेकर प्रयागराज रवाना हो गयी है।

हरिद्वार की एसपी सिटी कमलेश उपाध्याय ने पुष्टि करते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस देर रात करीब 10 बजे हरिद्वार पहुंची थी। हरिद्वार पुलिस ने आनंद गिरि को पहले ही आश्रम में नजरबंद करके रखा हुआ था। इस दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम ने डेढ़ घंटे की पूछताछ के बाद आनंद गिरि को हिरासत में लिया है। उत्तर प्रदेश से सहारनपुर पुलिस और एसओजी की टीम हरिद्वार पहुंची थी। यही टीम अपने साथ ले गई।

महंत नरेंद्र गिरि की प्रयागराज में मौत के बाद यूपी पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला था। जिसमें उन्होंने अपने शिष्य आनंद गिरि को मौत की वजह बताया था। उसके बाद ही पुलिस उन्हें संदिग्ध मान रही थी। सोमवार शाम से ही उत्तराखंड पुलिस उनके कांगड़ी गाजीवाली के आश्रम पंहुच गई थी और हाउस अरेस्ट कर रखा था। रात करीब साढ़े 10 बजे यूपी पुलिस की सहारनपुर एसओजी की टीम पंहुची और बंद कमरे में पूछताछ के बाद हिरासत में लिया। हरिद्वार से सहारनपुर पुलिस ने आनंद गिरि को हिरासत में लिया। इसके बाद मंगलवार को प्रयागराज रवाना हो गई। प्रयागराज में आनंद गिरि के खिलाफ महंत नरेन्द्र गिरि को आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज किया गया है।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेन्द्र गिरि की मौत के मामले में उनके शिष्य आनंद गिरि के खिलाफ आईपीसी की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत प्रयागराज एफआईआर दर्ज की गई है। यह एफआईआर एक अन्य शिष्य अमर गिरि पवन महाराज की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है। सहारनपुर पुलिस अब आनंद गिरि को प्रयागराज पुलिस को सौंपने के बाद वापस लौटेगी। टीम में एसओजी प्रभारी जयवीर, उनकी टीम एवं सीओ देवबंद रजनीश कुमार उपाध्याय मौजूद हैं।

प्रदेश का सहारनपुर उत्तराखंड की सीमा हरिद्वार से लगा होने के कारण एडीजी एलओ प्रशांत कुमार ने सहारनपुर एसएसपी डॉ.एस.चन्नपाको आनंद गिरि को हिरासत में लेने के आदेश दिए।

जदयू में हो सकती है शरद यादव की वापसी, कुशवाहा से मुलाकात के बाद अटकलें तेज

पटना । जदयू के पुराने साथियों को वापस लाने की कवायद में संसदीय दल के नेता उपेंद्र कुशवाहा मुस्तैदी से जुटे हैं। अब खबर है कि उन्होंने दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव से मुलाकात की है। शरद यादव फिलहाल लोकतांत्रिक जनता दल के अध्यक्ष हैं। दोनों नेताओं की मुलाकात को अहम माना जा रहा है। उनके बीच बिहार की स्थिति पर चर्चा होने की बात सामने आ रही है। सूत्रों की मानें तो रूठे शरद यादव फिर से जदयू का तीर थाम सकते हैं। हालांकि, कहा जा रहा है कि शरद यादव ने फिलहाल हामी नहीं भरी है। उन्होंने कुछ दिनों का समय मांगा है। इस बाबत दोनों नेताओं की ओर से फिलहाल कुछ कहा भी नहीं गया है, लेकिन राजनीति के जानकार इसे अहम मुलाकात मान रहे हैं।

पहले लालू प्रसाद अब कुशवाहा ने की मुलाकात – मालूम हो कि शरद यादव और बिहार के सीएम नीतीश कुमार का साथ एक समय काफी मजबूत माना जा रहा था। लेकिन जदयू के एनडीए से अलग होने और उसके बाद हुए राजनीतिक घटनाक्रम से नाराज शरद यादव ने जदयू का साथ छोड़ दिया था। उन्होंने लोकतांत्रिक जनता दल नाम से अलग पार्टी बना ली। हालांकि, उन्हें सफलता नहीं मिली। इसके बाद स्वास्थ्य खराब होने की वजह से वे राजनीतिक परिदृश्य से दूर रहने लगे। अब वे स्वस्थ हो रहे है और राजनीति में उनकी सक्रियता बढ़ने की उम्मीद है। बीते दिनों राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी उनसे मुलाकात कर कुशलक्षेम जाना। इसकी तस्वीरें भी इंटरनेट मीडिया पर आई थी। अब एक बार फिर उन्हें जदयू में लाने की कवायद तेज हो गई है।

शरद यादव की वापसी से पार्टी को मिलेगी मजबूती- बता दें कि उपेंद्र कुशवाहा अक्सर कहते रहते हैं कि वे जदयू से रूठे साथियों को वापस लाएंगे। पार्टी को नंबर वन बनाएंगे। वहीं, 2020 के विधानसभा चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद से जदयू को मजबूत करने में सीएम नीतीश कुमार, राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह भी गंभीरता दिखा रहे हैं। ऐसे में नीतीश कुमार के पुराने साथी और राजनीतिक गुरु कहे जाने वाले शरद यादव की वापसी पार्टी के लिए अहम हो सकती है। शरद यादव बिहार के साथ मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश से भी सांसद रह चुके हैं।

गया में देव घाट पर लोग पितृ पक्ष के दौरान फाल्गु नदी के तट पर अपने पूर्वजों की याद के लिए तर्पण अनुष्ठान करते हुए।

मंत्री समूह की हुई बैठक, सभी पक्षों से चर्चा का दौर जारी

पदोन्नति की राह की उलझनों को सुलझा रही सरकार

मंत्रालय में कल शाम चार बजे फिर होगी बैठक

भोपाल (एजेंसी)। लंबे समय से शासकीय सेवकों की पदोन्नति अटकी हुई है। लगभग पांच वर्ष बीतने पर भी मध्यप्रदेश के कर्मचारियों -अधिकारियों को पदोन्नति नहीं मिल पा रही है। ऐसे में अब राज्य सरकार पदोन्नति की राह की उलझनों को सुलझाने में लगी है, जिससे कि पदोन्नति मिल सके।

इसी को ध्यान में रखते हुए शासकीय सेवकों को उनके सेवाकाल में पात्रतानुसार पदोन्नति के अवसर पर उपलब्ध करवाने के साथ भविष्य में रणनीति के निर्धारण के लिए गठित मंत्री-समूह की बैठक गृह मंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई। डॉ. मिश्रा ने कहा कि सभी पात्र लोगों को पदोन्नति का लाभ दिलाना है। उन्होंने कहा कि पदोन्नति के मार्ग में आने वाली उलझनों को सुलझाने के लिए सभी संबंधित पक्षों से चर्चा की जा रही है।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि बगैर पदोन्नति के सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी-कर्मचारियों की पीड़ा को समझना होगा। उन्होंने सभी से चर्चा करते हुए अपेक्षा की है कि सभी पक्ष मिलकर इसका समुचित हल निकालेंगे, जिससे जल्द ही पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त हो सके। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 23 सितंबर को शाम 4.30 बजे पुनः मंत्रालय में बैठक होगी। बैठक में स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार मौजूद थे। बैठक में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और सहकारिता मंत्री अरविंद सिंह भदौरिया ऑनलाइन शामिल हुए। बैठक में अजाक्स और सपाक्स के प्रतिनिधियों के साथ अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विनोद कुमार, प्रमुख सचिव वित्त मनोज गोविल, प्रमुख सचिव विधि गोपाल श्रीवास्तव और अधिकारी मौजूद रहे।

सीएम शिवराज आज करेंगे 73 विकास कार्यों का लोकार्पण

402 शहरों को 299.04 करोड़ रुपए की राशि भी मिलेगी

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जन-कल्याण और सुराज अभियान में 22 सितंबर को दोपहर 12 बजे मिंटो हॉल में एक हजार करोड़ से अधिक की लागत के 73 विकास कार्यों का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। साथ ही 402 शहरों को 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा पर 299.04 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक से वितरित करेंगे।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने जानकारी दी है कि भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में 13, इंदौर में 15, सागर में 02, जबलपुर में 17, उज्जैन में 19, रीवा में एक, ग्वालियर-चंबल में 06 और मप्र निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के 06 विकास कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। भोपाल संभाग में 242 करोड़ 61 लाख 46 हजार के 13 कार्यों का लोकार्पण होगा। इनमें महालक्ष्मी 551, आवासीय परिसर निर्माणए एमआ-2 माता मंदिर से न्यू मार्केट मार्ग निर्माण, पेयजल योजना शमशाबाद, ट्रेक्टीकल परियोजना के तहत विभिन्न स्थानों पर प्लेस मेकिंग कार्य, नगर के विभिन्न वार्डो में सीसीरोड़ एवं नाली निर्माण तथा मसानिया तलाई में सीसी निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण कार्य, वार्ड 29 नेहरू नगर पुलिस लाइन उद्यान का विकास, नेहरू नगर में एवीएम स्कूल के पास उद्यान का विकास, ट्रासंपोर्ट नगर में व्यवसायिक परिसर में निर्माण, यादगारे शाहजहानी एक्सटेंशन उद्यान का विकास, जोन 18 इंडस कॉलोनी में सात उद्यानों का विकास और वार्ड क्रमांक 14 बस स्टेंड पर यात्री प्रतीक्षालय निर्माण सिलवानी शामिल हैं। जबलपुर संभाग में 49 करोड़ 57 लाख 50 हजार रुपए की लागत के 11 कार्यों का लोकार्पण होगा। उज्जैन संभाग में 313 करोड़ 39 लाख 45 हजार रुपए की लागत से निर्मित विकास कार्यों का लोकार्पण होगा। रीवा संभाग के विरसिंहपुर में 2 करोड़ 25 लाख की लागत के पीसीसी रोड, नाली एवं विद्युतीकरण के कार्य का लोकार्पण होगा।

ग्वालियर संभाग में 260 करोड़ 16 लाख के कार्यों का लोकार्पण होगा। इसी तरह सागर संभाग में 35 करोड़ 33 लाख के 02 कार्यों का लोकार्पण होगा। इंदौर संभाग में 129 करोड़ 97 लाख 40 हजार रुपए के 15 कार्यों का लोकार्पण भी होगा। मप्र गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के 06 कार्यों का लोकार्पण भी होगा। इनकी कुल लागत 41 करोड़ 30 लाख 74 हजार रुपए है। इनमें रीवा में अटल परिसर स्थित 139 ईडब्ल्यूएस एवं 60 एलआईजी भवन, डॉ. हरिसिंह गौर नगर सागर में विभिन्न श्रेणी के 138 भवन, प. दीनदयाल नगर सागर में विभिन्न श्रेणी के 67 भवन, ग्वालियर में कावेरी इन्क्लेव दर्पण कॉलोनी, राघौगढ़ में पॉलिटेक्निक कॉलेज और गुन्नौर, पवई और शाहनगर में निर्मिण प्रशिक्षण कक्ष शामिल हैं।

स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाएगी सरकार

भोपाल । प्रदेश में कोविड - 19 की दूसरी लहर के दौरान स्वास्थ्य चुनौतियों से जूझने के बाद राज्य सरकार अब स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने में लगी है। इसके लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर उप स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है, जिससे कि सुदूर और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूर तक भटकना नहीं पड़े। इसी कड़ी में प्रदेश में 263 स्वास्थ्य संस्थाओं की या तो स्थापना की जाएगी या फिर उन्नयन किया जाएगा। कैबिनेट की मंगलवार को हुई वर्चुअल बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रस्ताव पर स्वीकृति की मुहर लग गई। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के खंडवा प्रवास के कारण कैबिनेट का समय शाम 6.30 बजे तय किया गया था। यह बैठक भी तय समय से देरी से शुरू हुई और महज आधा घंटे से भी कम समय में खत्म हो गई। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के प्रस्ताव पर सहमति दी गई, जिसके तहत सात जिला चिकित्सालयों के बिस्तरों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। इसी तरह 21 सिविल अस्पतालों, 49 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, 73 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, 113 उप स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना और उन्नयन किया जाएगा। कैबिनेट ने जनसंपर्क विभाग के तहत 375 अस्थाई पदों को एक मार्च 2021 से 28 फरवरी 2022 तक निरंतर किए जाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। कैबिनेट की बैठक के प्रारंभ में राष्ट्रगीत वन्दे- मातरम का गायन हुआ।

संक्षिप्त समाचार

कृषि मंत्री ने लाड़ली लक्ष्मियों को दिए प्रमाण-पत्र

भोपाल । किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने मंगलवार को हरदा कलेक्ट्रेट के वीसी कक्ष में लाड़ली लक्ष्मी योजना की हितग्राही बालिकाओं को हितलाभ प्रमाण-पत्र वितरित किए। उन्होंने महिलाओं को पोषण अधिकार सूचना पत्र, मातृ वंदना योजना से संबंधित प्रोत्साहन राशि तथा बालिकाओं को छात्रवृत्ति संबंधी प्रमाण-पत्र भी दिए। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि बालिकाओं को सभी क्षेत्रों में बराबरी का स्थान प्रदान करने के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। इस अवसर पर जन-प्रतिनिधि एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : पटेल

भोपाल । कृषि मंत्री कमल पटेल ने आगामी 6 अक्टूबर को जन-कल्याण और सुराज अभियान अंतर्गत प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के हरदा में आयोजित मुख्य समारोह की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि समारोह में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्री पटेल ने बताया कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम हरदा के स्टेडियम में होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को भी आमंत्रित किया जा रहा है। बैठक में समस्त जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम आज दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से मिलेंगे

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान बुधवार दोपहर को दिल्ली जाएंगे। दिल्ली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री चौहान केंद्रीय भ्मंत्रियों नितिन गडकरी, पीयूष गोयल और आरके सिंह से मुलाकात करेंगे और राज्य की लंबित योजनाओं पर चर्चा करेंगे।

दो आईएएस अफसरों के तबादले

भोपाल । राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारियों के तबादले किए हैं। मंगलवार को जारी आदेश के तहत अनुराग चौधरी अपर आयुक्त भू- अभिलेख एवं बंदोबस्त, मप्र ग्वालियर को संचालक स्वास्थ्य सेवाएं मप्र भोपाल के पद पर पदस्थ किया गया है। इसी तरह अनूप कुमार सिंह संयुक्त परिवहन आयुक्त ग्वालियर मप्र को अपर आयुक्त भू -अभिलेख एवं बंदोबस्त, मप्र ग्वालियर तथा संयुक्त परिवहन आयुक्त ग्वालियर मप्र का (अतिरिक्त प्रभार) दिया गया है।

आशीष सांगवान होंगे अब तेलंगाना कॉडर के आईएएस

भोपाल । मप्र कॉडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी आशीष सांगवान का कॉडर बदल गया है। अब उन्हें तेलंगाना कॉडर आवंटित किया गया है। सांगवान वर्ष 2016 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। सांगवान उप सचिव मप्र शासन के पद पर पदस्थ हैं। दरअसल सांगवान ने सुश्री वल्लूरू क्रांति के साथ विवाह किया है। सुश्री क्रांति तेलंगाना कॉडर की भारतीय प्रशासनिक सेवा की वर्ष 2016 बैच की अधिकारी हैं। भारत सरकार कार्मिक लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के नियमों के तहत पति -पत्नी को ही कॉडर में पदस्थ किया जा सकता है। पति चाहे तो पत्नी का या फिर पत्नी चाहे तो पति के कॉडर स्टेट का चयन कर सकती हैं। इसी नियम के तहत सांगवान को तेलंगाना कॉडर स्थानांतरित किया गया है। केंद्र सरकार ने कॉडर बदलने की अनुमति दे दी है। उसके बाद राज्य सरकार ने भी सांगवान को कार्यमुक्त कर दिया है।

भावरिया बने फिशरमैन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष

भोपाल । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपालन ने मध्यप्रदेश में मांझी, मछुआरा समाज को प्रतिनिधित्व देते हुए सदाशिव भावरिया को मध्यप्रदेश फिशरमैन कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। श्री भावरिया पूर्व में भी फिशरमैन कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर रहते हुए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ का आभार व्यक्त करते हुए कांग्रेस परिवार और मांझी मछुआ समाज ने श्री भावरिया की नियुक्त पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

एक अक्टूबर से फिर शुरू होंगे सभी नेशनल पार्क

भोपाल । वर्षाकाल में तीन महीने तक बंद रहे प्रदेश के सभी 06 टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्रों में एक अक्टूबर से पुनः पर्यटन के लिए शुरू किए जाएंगे। इसके लिए 21 सितंबर से ऑनलाइन अनुज्ञा-पत्रों की बुकिंग शुरू हो गई है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य-प्राणी) आलोक कुमार ने बताया कि शाम 5.00 बजे तक अगले माह दशहरा के कारण उन दिनों के शत-प्रतिशत अनुज्ञा-पत्र बुक हो चुके हैं। श्री कुमार ने बताया कि कान्हा नेशनल पार्क के लिए 1239, बांधवगढ़ 1115, पेंच 737, सतपुड़ा 93, पन्ना 46 और संजय टाइगर रिजर्व के लिए 05 पर्यटकों द्वारा ऑनलाइन बुकिंग कराई जा चुकी है। इन सभी नेशनल पार्क में अभी तक 3235 लोगों ने अपनी बुकिंग करा ली है।

महिला अपराध अनुसंधान कौशल उन्नयन प्रशिक्षण

भोपाल । पुलिस मुख्यालय द्वारा एसआई से एएसपी स्तर के अधिकारियों के लिए दो दिवसीय महिला अपराध अनुसंधान कौशल उन्नयन प्रशिक्षण 22-23 सितंबर को पीएचक्यू कान्फ्रेंस हॉल में होगा। एडीजी महिला अपराध प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार सुबह 10:30 बजे स्पेशल डीजी ट्रेनिंग अरुणा मोहन राव के मुख्य आतिथ्य में होगा। प्रशिक्षण समापन कार्यक्रम 23 सितंबर को शाम 06 बजे होगा। जिसमें डीजीपी विवेक जौहरी और जिला एंव सत्र न्यायाधीश भोपाल गिरिबाला सिंह शामिल होंगे।

सरकार की नीतियों और योजनाओं को लोगों तक पहुंचाएं : डॉ. मुरुगन

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री ने दिए निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने और आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया है।

मंगलवार को भोपाल में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अधिकारियों की एक बैठक में उन्होंने कहा कि रेडियो के कार्यक्रमों को आम जनता से जोड़ने के प्रयास किए जाएं। श्री मुरुगन ने कहा कि रेडियो एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि दूरर्शन और आकाशवाणी ऐसे कार्यक्रम बनाए जिससे नई पीढ़ी आकर्षित हो और राजस्व में वृद्धि हो। उन्होंने पत्र सूचना कार्यालय और लोक संपर्क ब्यूरो को केंद्रीय सरकार की नीतियों और योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने के लिए अधिक गति से कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियां और कार्यक्रम आम जनता तक पहुंचने चाहिए। श्री मुरुगन ने कहा कि सभी विभागों को आम जनता के कल्याण के लिए काम करना है।

दूरदर्शन और आकाशवाणी के अधिकारियों ने दिया प्रजेंटेशन

बैठक में दूरदर्शन और आकाशवाणी के अधिकारियों ने एक प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रदेश में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। बैठक में पत्र सूचना कार्यालय भोपाल के अपर महानिदेशक प्रशांत पाठराबे, लोकसंपर्क ब्यूरो के कार्यालय प्रमुख मधु आर. शेखर, प्रसार भारती की उपमहानिदेशक सुश्री नवनीत कौर, दूरदर्शन के कार्यक्रम प्रमुख संजय कुमार, आकाशवाणी कार्यक्रम के प्रमुख विश्वास केलकर और आकाशवाणी दूरदर्शन समाचार प्रमुख पूजा पी. वर्धन समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इससे पूर्व श्री मुरुगन ने दूरदर्शन केंद्र भोपाल का दौरा किया।

पार्टी नेताओं से मिले डॉ. मुरुगन

भोपाल (एजेंसी)। मप्र से राज्यसभा की सीट के लिए भाजपा प्रत्याशी एवं केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने मंगलवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय पहुंचकर पार्टी नेताओं से मुलाकात की और महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। इसके बाद डॉ. मुरुगन ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल एवं अन्य नेताओं के साथ विधानसभा पहुंचकर नामांकन पत्र दाखिल किया।

डॉ. मुरुगन मंगलवार सुबह भोपाल पहुंचे। विमानतल पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह जादौन, जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी सहित पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। यहां से डॉ. मुरुगन प्रदेश कार्यालय पहुंचे जहां पार्टी नेताओं ने उनका स्वागत किया। डॉ. मुरुगन ने राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, सीएम शिवराज सिंह, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत सहित पार्टी नेताओं से मुलाकात की।

महापुरुषों की प्रतिमाओं पर किया माल्यार्पण : राज्यसभा प्रत्याशी डॉ. मुरुगन ने प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय राज्य मंत्री प्रहलाद पटेल एवं पार्टी नेताओं के साथ प्रदेश कार्यालय स्थित पं दीनदयाल उपाध्याय, कुशाभाऊ ठाकरे एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया।

मप्र के विकास की गति तेज होगी : शर्मा

केंद्रीय सूचना प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल मुरुगन के मध्यप्रदेश से राज्यसभा पहुंचने से प्रदेश के विकास की गति और तेज होगी। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने मंगलवार को डॉ. मुरुगन के नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान कही। श्री शर्मा ने कहा कि भाजपा तमिलनाडु के प्रदेश अध्यक्ष रहे डॉ. मुरुगन के दीर्घकालिक संगठनात्मक अनुभव ने भाजपा के विस्तार को गति देकर तमिलनाडु राज्य में संगठन को मजबूत किया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में उनकी कार्यक्षमता प्रभावी है। डॉ. मुरुगन के अनुभव का लाभ मध्यप्रदेश को मिलेगा। साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व भी बढ़ेगा। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने अनुसूचित जाति वर्ग के सशक्त नेतृत्व को मध्यप्रदेश से राज्यसभा भेजने के निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का प्रदेश भाजपा की ओर से आभार व्यक्त किया।

सामाजिक दायित्व निभाने विवि और महाविद्यालय गांव गोद लें

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने विभागीय बैठक में दिए निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय और महाविद्यालय अपने कार्य क्षेत्र के कम से कम एक गांव को गोद लेकर अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करें। इससे विद्यार्थियों में न सिर्फ समाज-सेवा की भावना उत्पन्न होगी, बल्कि शहरी क्षेत्र के ग्रामीण परिवेश और जीवन शैली से रूबरू होंगे। डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में विभागीय बैठक में उक्त निर्देश दिए।

डॉ. यादव ने कहा कि गांवों को गोद लेने वाली संस्था ग्रामों में विद्यार्थियों के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, स्वच्छता के प्रति जागरूकता अभियान चलाएं। पर्यावरण के दृष्टिगत प्रत्येक विद्यार्थी गोद लिए गए गांव में एक पौधा लगाएं और उसकी देखभाल भी करें। डॉ. यादव ने कहा कि शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने में भी विद्यार्थी और शैक्षणिक संस्था अहम भूमिका निभा सकते हैं। मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी संस्थान ऑल इंडिया सर्वे आन हायर एजुकेशन पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपनी एंट्री करवाएं। उन्होंने कहा कि इसकी मॉनिटरिंग भी संचालनालय स्तर पर सुनिश्चित हो। इससे प्रदेश की जीईआर में परिवर्तन लाया जा सकता है। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के 50 शासकीय महाविद्यालयों को बहुविषयक बनाया जाएगा, जिससे एक स्थान पर अधिकतम विषयों की शिक्षा दिए जाने की व्यवस्था हो सके।

अनिवार्य सेवानिवृत्ति का फार्मूला तैयार बस फीडबैक मिलने का इंतजार

- आठ स्मरण पत्र लिखे, फिर भी प्रमुख सचिव से लेकर कलेक्टर, कमिश्नर नहीं दे पाए जानकारी
- देखना है 20 वर्ष की सेवा और 50 साल की उम्र पूर्ण कर चुके सेवकों का कार्य प्रदर्शन

भोपाल (एजेंसी)।

प्रदेश में 20 वर्ष की सेवा और उम्र के 50 बसंत पार कर चुके लापरवाह लोकसेवकों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने की दिशा में काम कर रही सरकार के लिए जिम्मेदार अफसर रोड़ा बन रहे हैं। दो साल के अंतराल में सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके लिए विभाग प्रमुखों से लेकर कलेक्टरों को आठ स्मरण पत्र भेजे, लेकिन आज तक ऐसे कर्मचारी-अधिकारियों की जानकारी जीएडी के पास नगण्य है। नतीजतन मौजूदा सप्ताह में नौवां पत्र सामान्य प्रशासन विभाग की उप सचिव दिशा प्रणय नागवंशी को लिखना पड़ा है।

प्रवासी भारतीय, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पिछड़ा वर्ग तथा अल्प संख्यक कल्याण, संसदीय कार्य, विमुक्त घुम्मकड़ एवं अर्द्ध घुमक्कड़ कल्याण, खेल एवं युवा कल्याण, वन, खनिज साधन विभाग, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, लोक सेवा प्रबंधन, महिला एवं बाल विकास, विमानन, कुटीर एवं ग्रामोद्योग, अनुसूचित जाति एवं आयुष विभाग के प्रमुख सचिवों के अलावा सभी संभागायुक्तों एवं कलेक्टरों को यह पत्र लिखा गया है। जीएडी की उप सचिव श्रीमती नागवंशी द्वारा लिखे गए इस पत्र में स्पष्ट किया गया है कि 50 वर्ष की आयु तथा 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले शासकीय सेवकों के अभिलेखों की छानबीन की कार्यवाही कर अद्यतन स्थिति चाही गई थी। यह काम अभी तक पूरी नहीं किया गया है। पत्र में उल्लेख के अनुसार इस संबंध में विधानसभा तारांकित प्रश्न क्रमांक 5099 भी प्राप्त हुआ है। जिसके लिए जानकारी अत्यावश्यक है। इस कारण अद्यतन जानकारी अनिवार्य रूप से भेजी जाए।

नौवीं बार विभाग को लिखना पड़ा पत्र

बता दें कि वर्ष 2019 से राज्य सरकार 20 वर्ष की सेवा और 50 साल की उम्र पार कर चुके अधिकारी-कर्मचारियों की जानकारी मांग रहा है। कारण है कि सरकार के गोपनीय विभागीय सर्वेक्षण में लगातार यह बात सामने आ रही है कि अनेक दमदार और प्रभावशाली लोक सेवक चार-चार साल से मेडिकल पर हैं। अनेक लोग कार्यालयों में उपस्थिति लगाने के बाद हमेशा गायब रहते हैं। निर्देश देने के बाद भी समय पर फाइलें कम्पलीट न होने के से जनता को परेशानियां हो रही हैं। सरकार कार्य प्रदर्शन को आधार मानकर ऐसे लोक सेवकों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने की तैयारी कर रही है। केंद्र सहित अनेक राज्यों में यह इस नियम के तहत लापरवाह अधिकारी कर्मचारियों पर कार्यवाही हो रही है। नतीजतन मप्र सरकार भी इस फार्मूले पर पूरी तैयारी से काम कर रही है, ताकि कार्य को गति मिले।

उमा भारती ने दिग्विजय सिंह को लिखा पत्र

भोपाल । पर उपदेश कुशल बहुतेरे, सो आचरही ते नर न घनेरे ..। रामायण की यह चौपाई पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी की फायरब्रांड नेता सुश्री उमा भारती ने पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह को लिखे गए पत्र में उपयोग की है। इस चौपाई के माध्यम से उमा भारती ने यह माना कि दूसरों को उपदेश देना तो बहुत आसान है, लेकिन स्वयं उन उपदेशों पर अमल करना कठिन है। दरअसल, उमा भारती ने शनिवार को ब्यूरोक्रेसी को लेकर विवादित बयान दिया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उनके इस बयान पर दिग्विजय सिंह ने उनको माफी मांगने और भाषा संयमित रखने की सलाह दी थी। श्री सिंह की सलाह पूर्ण प्रतिक्रिया पर मंगलवार को उमा भारती ने दिग्विजय सिंह को पत्र लिया है। जिसमें उन्होंने कहा कि ब्यूरोक्रसी पर आपने मेरे दिए बयान पर उचित प्रतिक्रिया दी है। मुझे अपनी ही बोली भाषा पर गहरा आघात लगा है। उमा ने लिखा, मैं आपके पीछे पड़ जाती थी कि दादा संयमित भाषा नहीं बोलते, यह तो बिल्कुल ऐसा हो गया जैसे रामायण जी में लिखा है कि पर उपदेश कुशल बहुतेरे, सो आचरही ते नर न घनेरे..। उन्होंने लिखा है कि मैं आगे से अपनी भाषा सुधार लूंगी, आप भी ऐसा कर सकें तो कर लें। उमा भारती ने अपने पत्र के अंत में लिखा, आपकी सच्ची में लाड़ली बहन...। गौरतलब है कि उमा भारती ने कुछ दिन पहले ही अपने सीहोर प्रवास के दौरान कहा था कि कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह अच्छे नेता और मेरे दादा(बड़ा भाई) हैं, बस वह अपनी भाषा पर नियंत्रण कर लें।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने साइबर क्राइम एन्वेस्टीगेशन एंड इंटेलिजेंस समिट 2021 का शुभारंभ करते हुए कहा

अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस को अपनाने होंगे आधुनिक तौर-तरीके

भोपाल (एजेंसी)।

अपराधियों ने अपराध करने के तौर-तारीके बदल लिए हैं, मौजूदा समय में आधुनिक तारीकों से अपराध किए जा रहे हैं। इस तरह के अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस को भी आधुनिक तौर-तारीके अपनाने होंगे।

साइबर क्राइम एन्वेस्टीगेशन एंड इंटेलिजेंस समिट 2021 में पुलिस अधिकारियों की आपसी चर्चा से नई तकनीकों की जानकारी बढ़ेगी। यह बात मंगलवार को पुलिस अकादमी भौरी में आयोजित 10 दिवासीय साइबर क्राइम एन्वेस्टीगेशन एंड इंटेलिजेंस समिट के शुभारंभ कार्यक्रम में गृहमंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा ने कही। गृहमंत्री डॉ. मिश्रा ने समिट का वर्चुअल शुभारंभ किया। साइबर क्राइम एन्वेस्टीगेशन एंड इंटेलिजेंस समिट के शुभारंभ सत्र में मध्यप्रदेश के डीजीपी विवेक जोहरी, पूर्व सीबीआई निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला, स्पेशल डीजी ट्रेनिंग अरुणा मोहन राव ने समिट में शामिल पुलिस अधिकारियों को संबोधित किया। इसके बाद गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा को एआईजी ट्रेनिंग इरमिन शाह ने और पुलिस अकादमी भौरी में डीआईजी प्रशिक्षण विनीत कपूर ने अन्य अतिथियों को प्रतीक चिन्ह दिए। समिट शुभांरभ कार्यक्रम में निदेशक मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी राजेश चावला, यूनिसेफ के लौली चैन, वाइस प्रेसिडेंट एंड को-फाउंडर क्लीयर टेल मनोहर कटौच, सॉफ्ट क्लिक्स फाउंडेशन के राकेश जैन शामिल हुए। समिट का आयोजन डीजीपी रिसर्च एंड पॉलिसी सेल द्वारा किया जा रहा है।

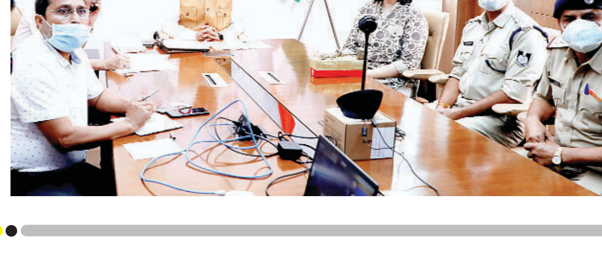

ऐश्वर्या राय स्टारर

'पोन्नियिन सेलवन' की शूटिंग खत्म

ऐश्वर्या राय की आने वाली फिल्म पोन्नियिन सेलवन की शूटिंग खत्म हो गई है। ऐश्वर्या ने फिल्म का एक पोस्टर शेयर कर इसकी जानकारी दी है। इसके साथ उन्होंने बताया कि फिल्म कब रिलीज होगी। बीते दिनों ऐश्वर्या फिल्म की शूटिंग के लिए मध्य प्रदेश रवाना हुई थीं जहां सेट से उनकी कुछ तस्वीरें भी सामने आई थीं। अब जब फिल्म की शूटिंग खत्म हो गई तो फैंस इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐश्वर्या ने जो पोस्टर शेयर किया है उस पर लिखा है फिल्म पूरी हो गई है। ऐश्वर्या के अलावा फिल्म में अभिनेता प्रकाश राज अहम भूमिका में हैं। उन्होंने भी फिल्म का पोस्टर शेयर किया है और लिखा– 'इस खास फिल्म का हिस्सा बनना कमाल का रहा। जल्द आ रहा है...'

–सेट से लीक हुई थी तस्वीर

फिल्म की लंबे समय से चर्चा चल रही है। बीते दिनों फिल्म के सेट से ऐश्वर्या की तस्वीर लीक हुई थी जिसमें उनका लुक महारानी की तरह है। रॉयल लुक में ऐश्वर्या हमेशा की तरह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने रेड और गोल्डन कलर की कांजीवरम साड़ी पहनी हुई है। साथ ही हैवी ज्वैलरी कैरी की। बता दें कि फिल्म में ऐश्वर्या डबल रोल में नजर आएंगी। उनके किरदार का नाम नंदिनी और मंदाकिनी देवी (नंदिनी की मां) है।

ऐश्वर्या और प्रकाश राज के अलावा इसमें विक्रम, तृषा, जयम रवि, कार्ति, प्रभु, ऐश्वर्या लक्ष्मी, शोभिता धूलिपाला सहित अन्य कलाकार हैं। इस पीरियड फिल्म के लिए एआर रहमान ने संगीत दिया है। फिल्म के निर्देशक मणिरत्नम हैं।

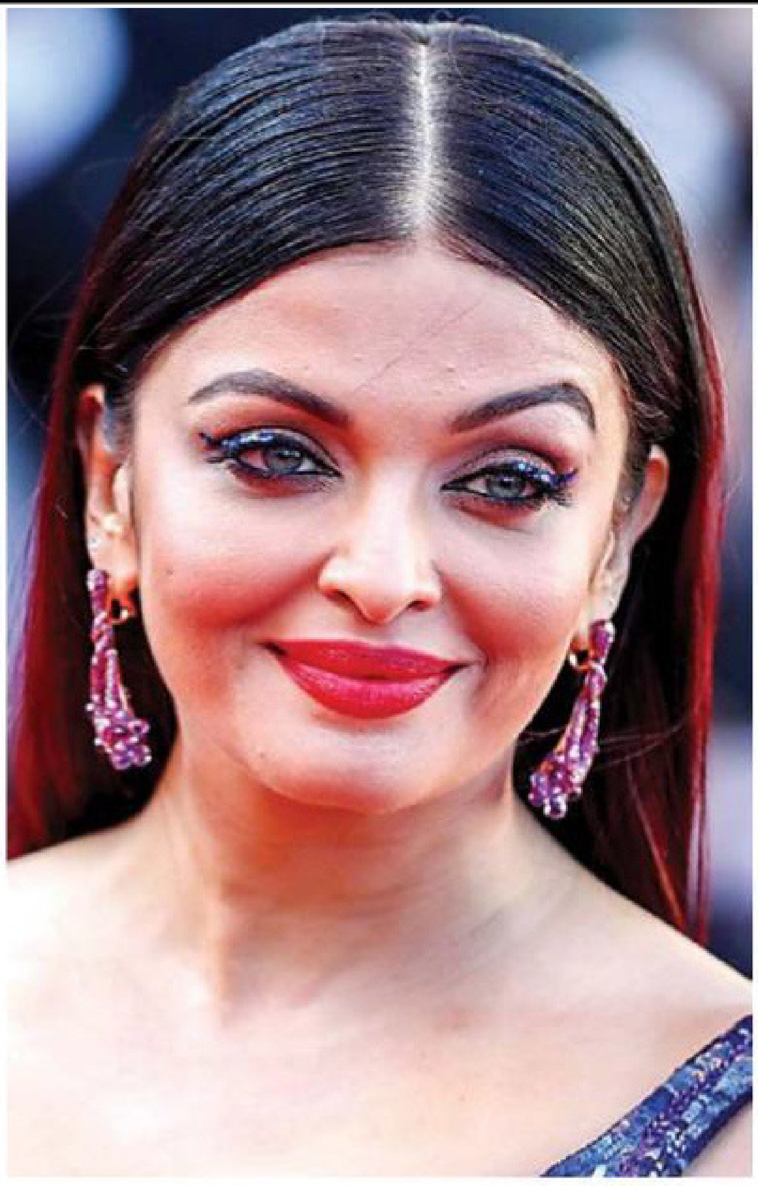

कोरोना से जंग में पुलिसकर्मियों की मदद के लिए आगे आए सुनील शेट्टी

बॉलीवुड के माचो हीरो सुनील शेट्टी कोविड महामारी की जंग में पुलिस की मदद के लिए आगे आए हैं। उन्होंने पुलिस स्टेशनों में 800 एयर प्यूरीफायर बांटे हैं। सुनील शेट्टी चैरिटी करने में काफी एक्टिव रहते हैं। कोविड से जंग में पुलिस की मदद के लिए सुनील शेट्टी ने मदद का हाथ आगे बढ़ाया है। सुनील शेट्टी ने मुंबई के विभिन्न पुलिस स्टेशनों को 800 एयर प्यूरीफायर दिए हैं। इन एयर प्यूरीफायर को विभिन्न पुलिस स्टेशनों में लगाए जाएंगे जिससे लोगों को कोविड 19 के वायरस से लड़ने में मदद मिल सके। मुंबई पुलिस कॉमिशनर हेमंत नागराले ने कहा, कोविड मामलें अचानक बढ़ने के कारण इसे कंट्रोल करने के लिए सभी सेफ्टी प्रोटोकॉल का पालन सख्ती से किया जा रहा है। ऐसे समय में सुनील शेट्टी का सपोर्ट काबिले तारीफ है।

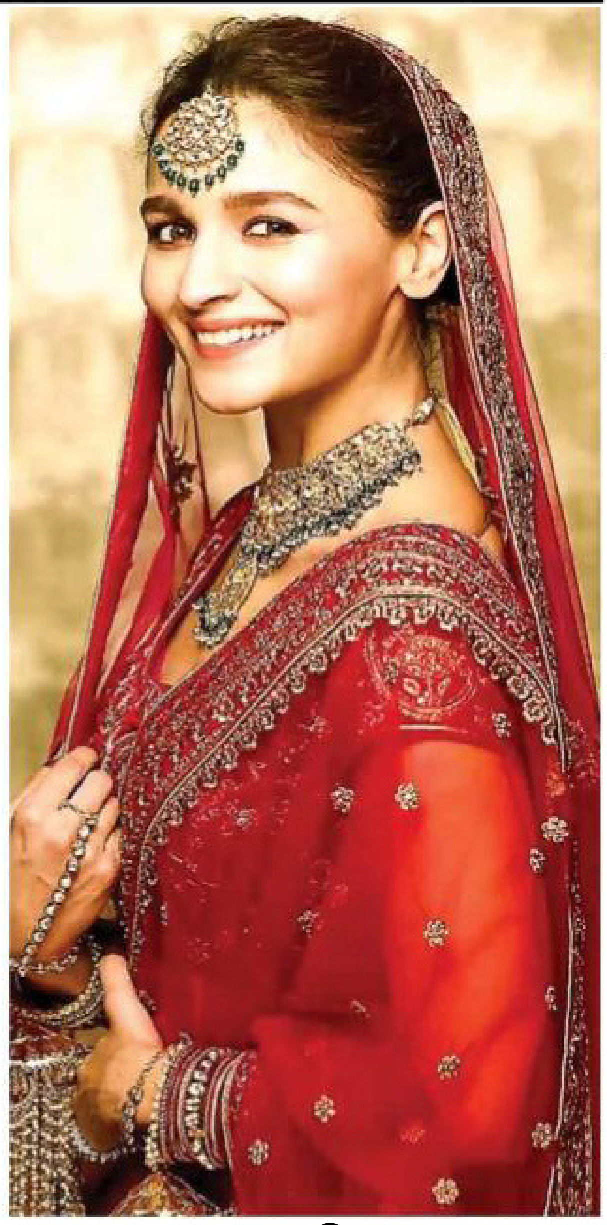

दुल्हन बन आलिया भट्ट ने कन्यादान पर उठाए सवाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट इंडस्ट्री की उन हसीनाओं में से हैं जो हर मुद्दे पर अपनी राय रखती हैं। हाल ही में आलिया ने कन्यादान पर सवाल उठाए हैं। आलिया भट्ट कहती हैं कि शादी के बाद कन्यादान की रस्म क्यों? क्या लड़कियां कोई चीज हैं जिसे दान किया जाता है। वह अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य के बारे में बताती हैं कि वो उन्हें कितना प्यार करते हैं। वह अपने दादी, पिता और माता के बारे में बात करती हैं. हालांकि, वह शादियों में कन्यादान की प्रथा के खिलाफ एक सवाल भी उठाती हैं। वह पूछती हैं कि उनके परिवार ने उन्हें इतना प्यार करने के बावजूद हमेशा दूसरा और अपने परिवार का एक अस्थायी हिस्सा क्यों माना है। वह कहती हैं अलग हो जाना, पराया हो जाना, किसी और के हाथों सौंपा जाना, मैं कोई दान करने की चीज हूं क्या। दरअसल, आलिया का हाल ही में ऐडवर्टाइजमेंट वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में वह आलिया दुल्हन की तरह सजी नजर आ रही हैं।वीडियो में एक्ट्रेस ने पुराने समय से चली आ रही प्रथा कन्यादान पर सवाल उठाते हुए उसे नया नजरिया देने की कोशिश की है। वीडियो में आलिया मंडप में बैठी दिखा रही हैं। वह कहती हैं–दादी बचपन से कहती है, जब तू अपने घर चली जाएगी तो तुझे बहुत याद करूंगी.. ये घर मेरा नहीं है। पापा की बिगड़ैल हूं, मुंह से बात निकली ही नहीं कि डन। सब कहते थे पराया धन है, इतना मत बिगाड़ो। लेकिन उन्होंने सुना नहीं लेकिन कभी ये भी नहीं कहा कि न मैं पराई हूं और न ही धन। इसके बाद वीडियो में आलिया आगे कहती हैं– मां चिड़िया बुलाती हैं मुझे, कहती हैं– तेरा दाना पानी कहीं और है, पर चिड़िया का तो पूरा आसमान होता है न। अलग हो जाना, पराया हो जाना, किसी और के हाथों सौंपा जाना, मैं कोई दान करने की चीज हूं, क्यों सिर्फ कन्यादान। नया आइडिया, कन्या मान। आलिया के इस वीडियो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। काम की बात करें तो आलिया आरआरआर, गंगूबाई काठियावाड़ी, ब्रह्मास्त्र के साथ ही रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी फिल्मों में नजर आएंगी। आलिया ने डार्लिंग्स का शूट भी शुरू कर दिया है। इसके अलावा फिल्म जी ले जरा में कैटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा के साथ नजर आएंगी।

फातिमा सना शेख ने ऑनलाइन सीखा पेंटिंग बनाना

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिम सना शेख सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। फातिमा को अपने खाली समय में ड्राइंग, पेंटिंग करना पसंद है और इस बार लैंडस्केप्स और पोट्रेट्स के बारे में अधिक जानने के लिए, वह ऑनलाइन सिख रही हैं। फातिमा सना शेख अपनी कुछ पेंटिंग दिखाने के लिए अपने सोशल मीडिया पर ले गईं, जो उन्होंने हाल ही में ऑनलाइन वीडियो देखकर की थी। हैशटैग लर्निंग और डे 3 के साथ अपनी कहानी पर लिखते हुए, अभिनेत्री ने एक खूबसूरत बीच लैंडस्केप आर्टवर्क साझा किया। अभिनेत्री सुपर क्रिएटिव है और उनका झुकाव हमेशा किसी न किसी तरह से कला की ओर रहा है। अभिनेत्री के पास कला का अंग है और इसलिए उन्होंने सुंदर पेंटिंग बनाने का तरीका सीखने का फैसला किया। फातिमा सना शेख के पास फिल्मों का एक दिलचस्प लाइनअप है। उनके पास अनिल कपूर के साथ थार है और पाइपलाइन में एक प्रदर्शन केंद्रित रीमेक तमिल फिल्म अरुवी है।

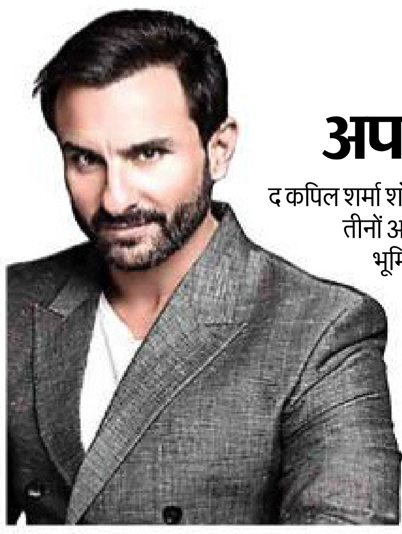

सैफ अली खान ने किया खुलासा अपने बच्चों के लिए क्यों नहीं गा सकते लोरी

द कपिल शर्मा शो में इस शनिवार को बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान, यामी गौतम और जैकलीन फर्नांडिस मेहमान होंगे। तीनों अपनी नई फिल्म भूत पुलिस का प्रचार करेंगे, जिसमें यामी और जैकलीन एक प्राचीन भूत से पीड़ित बहनों की भूमिका निभाती हैं, जबकि सैफ अली खान और अर्जुन कपूर भूत पुलिस बने हुए हैं। एक स्पष्ट प्रश्न उत्तर सत्र के दौरान, अर्चना पूरन सिंह ने हाल में सैफ अली खान और मेजबान कपिल शर्मा से उनकी पसंदीदा लोरी के बारे में पूछा साथ ही ये भी बताने को कहा कि वे अपने बच्चों को कौव सी लोरी गाकर सुनाते हैं। सबसे पहले सैफ ने कहा कि सभी गायन एलेक्सा द्वारा किया जाता है और कपिल ने जवाब दिया कि वह अपनी बेटी के लिए आकर्षक धुन बेबी शार्क बजाते हैं। एक छोटा बच्चा शब्दों को नहीं समझ सकता है, इसलिए वे कुछ भी सुन सकते हैं। मेरी बेटी डेढ़ साल की है। उसके साथ मैं बेबी शार्क डू डू डू डू डू खेलता हूं। लोरी के बारे में बात करते हुए, सैफ ने अपनी बेटी सारा अली खान के साथ एक घटना को याद किया जब वह बच्ची थी। उन्होंने बताया कि मैं समरटाइम नामक एक अंग्रेजी लोरी गा रहा था, तब सारा वास्तव में छोटी थी, और उसने अचानक अपनी आँखें खोलीं और कहा, अब्बा कृपया गाओ मत। तब से, मैंने दुबारा नहीं गाया।

जितना हमें बताया गया उससे कहीं ज्यादा दिलचस्प हैं भगत सिंह-अमोल पाराशर

शूजीत सरकार की आगामी फिल्म, सरदार उधम सिंह में शहीद भगत सिंह की भूमिका निभाने वाले अभिनेता अमोल पाराशर ने खुलासा किया है कि क्रांतिकारी की भूमिका निभाते हुए उन्होंने कैसा महसूस किया। बातचीत में, पाराशर ने कहा, शहीद भगत सिंह की भूमिका निभाने की तैयारी के लिए बहुत अधिक पढ़ने की आवश्यकता थी ताकि मैं उनके बहुत सारे आर्दशों को आत्मसात कर सकूं। इस प्रक्रिया में, मैंने पाया कि वह हमारे इतिहास से भी अधिक आकर्षक, बुद्धिमान और दिलचस्प थे। किताबें हमें सिखाती हैं। शूजित सर (सरकार) और विक्की (कौशल) के साथ काम करना भी एक समृद्ध अनुभव था। अमोल ने यह भी खुलासा किया कि वह जल्द ही एक और फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। पाराशर ने कहा, आने वाले महीनों में मुख्य किरदार के रूप में मेरी पहली फिल्म रिलीज होगी। यह विशेष फिल्म्स के साथ होगी। दोनों आगामी रिलीज अलग–अलग कारणों से मेरे लिए विशेष हैं। एक मुख्य भूमिका के रूप में मेरी पहली फिल्म है ; दूसरी में, मुझे एक महान किरदार निभाने के लिए मिला है। शुक्रवार को अपना जन्मदिन मनाने वाले अमोल ने यह भी साझा किया कि वह कभी भी पहले से कुछ भी योजना नहीं बनाते हैं। अभिनेता ने कहा, मेरे जन्मदिन पर पहले से कुछ भी निर्धारित नहीं होता है और मैं शायद ही कभी उनके लिए कुछ भी पहले से योजना बनाता हूं। मेरे जन्मदिन से एक दिन पहले भी, मुझे शायद ही कभी पता होता है कि यह कैसे होने वाला है और मुझे यह देखना पसंद है कि यह कैसे सामने आता है। कभी–कभी, यह दोस्तों की बड़ी सभा होती है, कभी–कभी इसका मतलब परिवार के साथ शांत समय बिताना होता है, या मैं बस शहर से निकल जाता हूं। उन्होंने आगे कहा, अगले कुछ दिनों में, मैं एक और रोमांचक फिल्म की शूटिंग शुरू कर दूंगा। मैं इसके लिए उत्सुक हूं! कोविड – 19 महामारी के कारण जीवन कैसे बदल गया है, इस बारे में पूछे जाने पर, पराशर ने कहा, लॉकडाउन ने हमें धैर्य और दृढ़ता सिखाई। मुझे खुशी है कि मैं और मेरा परिवार अब तक सुरक्षित हैं। जैसा कि मैंने कहा, मैं शूटिंग शुरू करने वाला हूं मेरे जन्मदिन के दो दिन बाद और मैं सेट पर वापस जाने के लिए उतावला हो रहा हूं!

पोटलक एकजुटता के विचार का जश्न मनाना है -राजश्री ओझा

अपनी पहली वेब सीरीज पोटलक को सराहना मिलने के बाद, निर्देशक राजश्री ओझा का कहना है कि उनकी कहानी का उद्देश्य आधुनिक पारिवारिक मूल्यों और एकजुटता के विचार का जश्न मनाना है। शो के बारे में बात करते हुए राजश्री ने कहा, परिवार हर व्यक्ति के जीवन में एक अभिन्न हिस्सा निभाता है और पोटलक के साथ हमने उसी भावना को चित्रित करने की कोशिश की है। शास्त्री परिवार का हर चरित्र एक परिवार के सही मतलब को परिभाषित और अधिनियमित करता है। इन पागल समय में, हम सभी एक साथ आए और दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश की, जो कि सबसे अच्छी दवा है। हम सभी समीक्षकों और दर्शकों से समान रूप से सीरीज की प्रशंसा के लिए बहुत खुश हैं। सोनी लिव पर जारी इस शो में जतिन सियाल, किटू गिडवानी, शिखा तलसानिया, साइरस साहूकार, इरा दुबे, हरमन सिंघा, सलोनी खन्ना और सिद्धांत कार्निक ने काम किया हैं। जैसा कि शो को महामारी के दौरान नई सामान्य स्थिति के तहत अधिक अंर्तदृष्टि साझा करते हुए शूट किया गया था, राजश्री ने कहा, हमने एक बायो–बबल में शूट किया और अनुभव पूरी तरह से अलग था। हम दोस्त बन गए हैं.. साथ रह रहे हैं, कलाकारों में हर कोई एक–दूसरे की देखभाल कर रहा था। सब कुछ एक ही कमरे में हुआ और सभी ने खाना एक साथ खाया। बहुत सारी बातचीत हुई। यह बॉन्डिंग आखिरकार चली गई। दर्शकों को भी पसंद आएगी।

गंभीर विषय के बावजूद निर्मल आनंद की पप्पी प्रसन्नचित कहानी- करणवीर खुल्लर

अभिनेता करणवीर खुल्लर ने 2017 में रॉकी मेंटल में सहायक भूमिका के साथ पंजाबी सिनेमा में अभिनय की शुरुआत की। उन्होंने उसी वर्ष संदीप मोहन की श्रीलंसर के साथ हिंदी सिनेमा में अपनी शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने अहम भूमिका निभाई। अब खुल्लर संदीप मोहन द्वारा निर्देशित फिल्म निर्मल आनंद की पप्पी में पहली बार मुख्य अभिनेता के रूप में नजर आ रहे हैं। फिल्म में गिलियन पिंटो और खुशबू उपाध्याय भी हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, निर्मल आनंद की पप्पी मुंबई में रहने वाले एक जोड़े के बारे में एक सरल, प्रसन्नचित कहानी है, हालांकि विषय गंभीर है। यह निर्मल आनंद (खुल्लर) की कहानी है। जो अपनी पत्नी सारा (पिंटो) और अपने बच्चे के साथ मुंबई में रहता है। वह अपने सांसारिक, नियमित जीवन से नाखुश है। जहां उसे पूरे सप्ताह अथक परिश्रम करना पड़ता है। उसका वैवाहिक जीवन भी सुखद नहीं है। उसके जीवन में बदलाव तब आता है, जब अचानक उसे एक फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिलता है। खुल्लर ने अपने गृहनगर चंडीगढ़ में अलंकार और गुम्फना समूहों के हिस्से के रूप में थिएटर में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। उन्होंने 2009 में ग्लैडरैग्स मैनहंट और मेगामॉडल प्रतियोगिता के माध्यम से ग्लैमर की दुनिया में अपना कदम रखा।

दिल्ली: टेबल टेनिस फेडरेशन के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचीं मनिका बत्रा, केंद्र सरकार के वकील से मांगा गया जवाब

नई दिल्ली। भारत की टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया के खिलाफ खड़ी हो चुकी हैं। मनिका ने एशियन चैंपियनशिप न चुने जाने के बाद टीटीएफआई के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में अपील दायर की थी। उनकी इस याचिका पर केंद्र सरकार के वकील से दिल्ली दिल्ली हाई कोर्ट ने जवाब मांगा है। इसके अलावा कोर्ट ने इस मामले की जानकारी देने को भी कहा है। मनिका के इस मामले पर 22 सितंबर को सुनवाई होगी।

टोक्यो ओलंपिक से चल रहा है विवाद

मनिका बत्रा और टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया के बीच टोक्यो ओलंपिक से विवाद चल रहा है। ओलंपिक में वह महिला टेबल टेनिस स्पर्धा के तीसरे राउंड में पहुंची थीं। वह यह करिश्मा करने वाली भारत की पहली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं। बीते कुछ वर्षों में मनिका ने टेबल टेनिस में शानदार प्रदर्शन किया है। लेकिन फेडरेशन के साथ उनके रिश्तों में खटास रही।

नेशनल कप में शामिल नहीं हुई थीं मनिका

टेबल टेनिस फेडरेशन ने हाल ही में एशियन चैंपियनशिप के लिए टीम की घोषणा की थी। इस टीम में मनिका का नाम शामिल नहीं था। इस फैसले से वह काफी नाखुश थीं। इसलिए उन्होंने फेडरेशन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट जाने का फैसला किया और याचिका दायर की। वहीं इस मामले में फेडरेशन का कहना है कि मनिका ने सोनीपत में नेशनल कैंप में हिस्सा नहीं लिया था जिसके चलते उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया। फेडरेशन ने पहले ही आगाह किया था कि सभी खिलाड़ियों को कैंप में हिस्सा लेना अनिवार्य था।

राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप: अमलान, प्रवीण और मंजू बाला ने किया शानदार प्रदर्शन, अंतिम दिन जीते स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप के 60वें सीजन की समाप्ति आज यानी रविवार को हो गई। चैंपियनशिप के अंतिम दिन असम के फर्राटा धावक अमलान बोरगोहेन, तमिलनाडु के त्रिकूद खिलाड़ी प्रवीण चित्रावेल और राजस्थान के तार गोला फेंक की अनुभवी खिलाड़ी मंजू बाला सिंह ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक हासिल किए। इन सभी ने अपना निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने हुए सोने के तमगे हासिल किए। अमलान ने पुरुष 200 मीटर फाइनल में 20.75 सेकेंड के समय के साथ खिताब जीता। अमलान पिछले 20 महीने में पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर 200 मीटर की स्पर्धा में हिस्सा ले रहे थे। अमलान ने करियर में पहली बार 21 सेकेंड से कम का समय लिया और नया मीट रिकॉर्ड भी बनाया।

20 वर्षीय प्रवीण ने त्रिकूद में 16.88 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक जीता। उनका पिछला निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 16.51 मीटर था जो उन्होंने मार्च 2019 में बनाया था। सेना के अब्दुल्ला अबुबाकर ने 16.84 मीटर के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता जबकि टीम के उनके साथी कार्तिक उन्निकृष्णन ने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी करते हुए 16.80 मीटर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। एशियाई खेलों के चैंपियन अरपिंदर 15.91 मीटर के प्रयास के साथ छठे स्थान पर रहे।

राचेल-एलिसा के आगे मिताली की पारी बेकार, ऑस्ट्रेलिया ने भारत को नौ विकेट से हराया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए पहले एकदिवसीय मैच में भारतीय महिला टीम को हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में कंगारू टीम ने भारत को 9 विकेट से शिकस्त दी। टीम इंडिया ने पहले खेलते हुए 8 विकेट पर 225 रन बनाए। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 226 रनों का लक्ष्य सिर्फ एक विकेट पर पूरा कर लिया। कंगारू टीम की ओर से राचेल हेन्स, एलिसा हीली और मेग लैनिंग ने शानदार पारियां खेलते हुए अर्धशतक लगाए। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस जीत के साथ तीन वनडे मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है।

शुभमन गिल की आक्रामक पारी, बेंगलुरु को 10वें ओवर में ही हराया

दुबई। कोलकाता नाईट राईडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच आईपीएल का 31वां मैच अबु धाबी के शेख जाएद स्टेडियम में खेला जा रहा है। विराट की टीम केकेआर के खिलाफ मैच जीतकर अंक तालिका में अपनी जगह मजबूत करना चाहेगी। वहीं केकेआर की टीम बेंगलुरु को हराकर अपनी स्थिति में सुधार करना चाहेगी।

बेंगलुरु की टीम ने टॉस जीत लिया है और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। बेंगलुरु की पूरी टीम 92 रन पर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने आई कोलकाता के सलामी बल्लेबाजों ने 82 रन की अच्छी शुरूआत दी और इसके बाद शुभमन गिल 48 रन पर आउट हो गए। कोलकाता ने लक्ष्य को 10वें ओवर में ही हासिल कर लिया और 9 विकेट से मैच में जीत दर्ज की।

कोलकाता नाईट राईडर्स की पारी

बेंगलुरु ने इस मैच को 10वें ओवर में ही खत्म कर दिया। डेब्यू कर रहे वेंकटेश अय्यर ने 41 रन की नाबाद पारी खेली और टीम को जीत दिलाने में अहम योगदान दिया। पावरप्ले के खत्म होने के बाद भी दोनों बल्लेबाजों ने अपना आक्रामक रूप अपनाए रखा और बेंगलुरु के खिलाफ तेजी से रन बनाए। पर बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में शुभमन गिल 48 रन पर आउट हो गए। उन्हें चहल ने सिराज को हाथों कैच आउट करवाया।

लक्ष्य का पीछा करने आई कोलकाता के सलामी बल्लेबाजों ने बेंगलुरु के खिलाफ तेज शुरूआत दी। शुभमन गिल के साथ बल्लेबाजी के लिए अय्यर ने भी अच्छे स्ट्रोक्स लगाए और दोनों ने बिना विकेट गंवाए पावरप्ले में 56 रन जोड़ डाले।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पारी

आंद्रे रसल ने मोहम्मद सिराज को 8 रन पर कैच आउट करवाकर बेंगलुरु की पूरी टीम को 19 ओवर में 92 रन पर सिमेट दिया।

बल्लेबाजी करने आए काईल जैमीसन दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से वरूण चक्रवर्ती से रन आउट हो गए। जैमीसन 4 रन बनाकर रन आउट हुए और कोलकाता के 8वें शिकार बने। इसके बाद हर्षल पटेल भी 12 रन बनाकर आउट हो गए। फैंस को डीविलियर्स से काफी उम्मीदें थीं लेकिन वह पहली ही गेंद पर रसेल की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद बेंगलुरु ने मैक्सवेल का विकेट गंवाया। मैक्सवेल ने 10 रन बनाए। श्रीलंका के ऑलराऊंड वानिंदु हसरंगा पहली ही गेंद पर चक्रवर्ती की गेंद पर पगबाधा आऊट हो गए। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए श्रीकर भरत को आंद्रे रसल ने 16 रन पर आउट कर टीम को तीसरी सफलता दिलाई। अच्छी बल्लेबाजी कर रहे देवदत्त पडिकक्ल पावरप्ले की आखिरी गेंद पर लॉकी फर्ग्यूसन का शिकार बन गए। पडिक्कल ने 20 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 22 रन बनाए। आरसीबी की ओर से देवदत्त पड्डिकल के साथ कप्तान विराट कोहली ओपनिंग के लिए उतरे। कोहली अपने 200वें मैच में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए और चार गेंदों पर पांच रन बनाकर प्रसिद्ध की गेंद पर पगबाधा आऊट हो गए।

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम को मिली बम से उड़ाने की धमकी

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम को मिली बम से उड़ाने की धमकी दी है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने मंगलवार को पुष्टि की कि इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को न्यूजीलैंड क्रिकेट से संबंधित एक धमकी भरा ईमेल मिला है। न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम इस समय 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड में है और आज तीसरा मैच लीसेस्टर में खेला जाना है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक आधिकारिक बयान में कहा, व्हाइट फ़र्न्स अब लीसेस्टर में आ गए हैं और एहतियात के तौर पर उनके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उनके प्रशिक्षण को रद्द करने की खबरें झूठी हैं। उनका आज (सोमवार) प्रशिक्षण निर्धारित नहीं था क्योंकि उन्होंने यात्रा की थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट इस मामले में आगे कोई टिप्पणी नहीं करेगा।

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का तीसरा एकदिवसीय मैच अब आगे बढ़ने के लिए तैयार है क्योंकि न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा सुरक्षा खतरे को विश्वसनीय नहीं माना गया। एक रिपोर्ट में न्यूजीलैंड टीम प्रबंधन के हवाले से कहा गया कि टीम होटल में एक बम रखा जाएगा। पक्ष को न्यूजीलैंड लौटने पर उनके विमान पर बम रखने के प्रयास की भी चेतावनी दी गई थी। नतीजतन, द व्हाइट फ़र्न्स सोमवार को लॉकडाउन में चले गए और पुलिस और आतंकवाद विरोधी एजेंसियों को जांच के लिए बुलाया गया।

विराट कोहली की इस गेंदबाज की तारीफ, कहा- टी20 विश्वकप में हमारे लिए होगा अहम

दुबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ कोलकाता नाईट राईडर्स के मिस्ट्री स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने शानदार गेंदबाजी की। वरूण चक्रवर्ती ने बेंगलुरु के खिलाफ 4 ओवर में 13 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए।

मैच के बाद बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली ने भी वरूण की तारीफ की। कोहली ने कहा कि वह टी20 विश्वकप में अहम रोल निभा सकता है।

कोहली को अगले महीने से यहीं होने वाले टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की अगुआई करनी है और इसलिए उन्होंने चक्रवर्ती के प्रदर्शन पर खुशी जताई जो टीम इंडिया का हिस्सा होंगे। कोहली ने कहा कि वरूण ने काफी अच्छी गेंदबाजी की, जब वह भारत के लिए खेलेगा तो हमारे लिए अहम खिलाड़ी होगा।

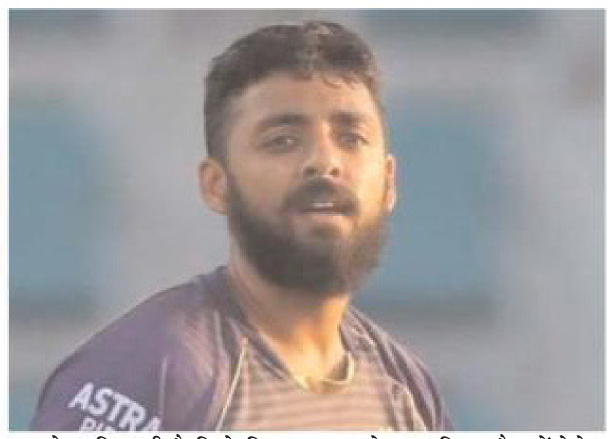

वह ऐसा खिलाड़ी है जिसे निकट भविष्य में भारत की ओर से खेलने का मौका मिलेगा, यह काफी अच्छे संकेत हैंकोहली हालांकि हार से अधिक परेशान नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि हमने 8 में से 5 मुकाबले जीते हैं, हमने कुछ मुकाबले हारने की उम्मीद की थी। यह खेल का हिस्सा है, हमें पेशेवर रुख अपनाने की जरूरत है। अपने मजबूत पक्षों के अनुसार खेलना होगा और अपनी योजनाओं को अमलीजामा पहनाना होगा। केकेआर के कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा कि ऐसा बहुत कम होता है जब टीम इतना अच्छा प्रदर्शन करती है।

रोमानियाई टेनिस खिलाड़ी सिमोना हालेप ने की शादी, तस्वीर शेयर कीं

नई दिल्ली। रोमानियाई टेनिस खिलाड़ी और पूर्व विश्व नं. 1 सिमोना हालेप ने एक बार फिर सबका ध्यान खींचा है। टेनिस स्टार ने हाल ही में अपने प्रेमी टोनी इउरुक से शादी कर ली है। उनकी शादी की फोटोज ने इंटरनेट पर तहलका मचाया हुआ है। शादी समारोह और उसके बाद की पार्टी रोमानिया के कॉन्स्टेंटा में हुई। हालेप ने शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी की हैं जिसमें यह जोड़ा बेहद खुश नजर आ रहा है। कुछ तस्वीरें में वे मंच पर खड़े नजर आ रहे हैं जबकि कुछेक में एक दूसरे को चूमते व नाचते गाते नजर आ रहे हैं। हालेप ने समारोह के लिए एक भव्य कढ़ाई वाला बेज गाऊन पहना था जबकि मिस्टर इउरुक एक ब्लैक टाई के साथ तीन-पीस सूट में दिखाई दे रहे हैं। एक पार्टी के बाद दोनों ने साथ में डांस भी किया।

राजा रित्विक भारत के 70वें ग्रैंडमास्टर बने, आनंद ने बधाई दी

चेन्नई। आर राजा रित्विक हाल में हंगरी में प्रतियोगिता के दौरान तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल करके भारत के 70वें और नवीनतम शतरंज ग्रैंडमास्टर बने। पूर्व विश्व चैंपियन और भारत के महान शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने ग्रैंडमास्टर क्लब में शामिल होने के लिए वारंगल के 17 साल के राजा रित्विक को बधाई दी। देश के पहले ग्रैंडमास्टर आनंद ने ट्वीट किया, ''भारत का 70वां ग्रैंडमास्टर बनने के लिए राजा रित्विक को बधाई। हमारी संख्या बढ़ाने का बेहद गौरवपूर्ण लम्हा।'' अखिल भारतीय शतरंज महासंघ ने भी ग्रैंडमास्टर बनने के लिए राजा रित्विक को बधाई दी। राजा रित्विक ने पहला ग्रैंडमास्टर नॉर्म 2019 में हासिल किया था जबकि अपना दूसरा और तीसरा नॉर्म उन्होंने एक महीने से भी कम समय में हासिल किया। स्केलिका ओपन में दूसरा नॉर्म हासिल करने के बाद भारतीय खिलाड़ी ने पहले

सेटर्डे ग्रैंडमास्टर टूर्नामेंट में तीसरा नॉर्म हासिल करके ग्रैंडमास्टर खिताब की पात्रता पूरी की। उन्होंने वकलाव फिनेक को हराकर टूर्नामेंट के चौथे दौर में 2500 ईएलओ रेटिंग का आंकड़ा छुआ। पुणे के हर्षित राजा पिछले महीने भारत के 69वें ग्रैंडमास्टर बने थे।

टी20 वर्ल्ड कप में एक्स फैक्टर साबित होंगे वरुण चक्रवर्ती : पूर्व भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाड़ी वरुण चक्रवर्ती सितारे की तरह उभरकर सामने आए। उन्होंने 4 ओवर में मात्र 13 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए जिसमें ग्लेन मैक्सवेल और काइल जैमीसन के मुख्य विकेट्स शामिल थे। उनके प्रदर्शन को देखते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने चक्रवर्ती की तारीफ की और कहा कि टी20 वर्ल्ड कप में वह एक्स फैक्टर साबित होंगे।

पठान ने एक चैट शो के दौरान कहा, 'वह बहुत बड़ा एक्स-फैक्टर हो सकता है। आपने उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं देखा है, आपने उसे आईपीएल में जरूर खेलते देखा है लेकिन आईपीएल में गतिशीलता थोड़ी अलग है। जब आप उसे आईपीएल में खेलने के बाद विश्व

कप में खेलते देखेंगे तब भी यह अलग होगा, विश्व कप का दबाव अलग होगा और रहस्य बना रहेगा। उन्होंने कहा, अगर आपको 2011 विश्व कप याद है तो जहीर खान ने नॉकबॉल का उपयोग करना शुरू किया था और उससे पहले नहीं। वह एक सरप्राइज डिलीवरी थी। इसलिए जब आप कोई नई चीज या गेंदबाज खिलाते हैं तो सरप्राइज फैक्टर निश्चित रूप से फायदेमंद होता है। वरुण चक्रवर्ती के लिए भी कुछ ऐसा ही हो सकता है।

वहीं आकाश चोपड़ा भी चक्रवर्ती पर बोले और कहा कि वर्तमान में संयुक्त अरब अमीरात में पिचें उसके लिए मददगार हैं क्योंकि गेंद पिच पर गिरने के बाद फिसल रही है और आपको कम समय मिल रहा है। यदि आप हाथ से नहीं पढ़ते तो आप पिच से सुराग निकालने की कोशिश करते हैं जो आपको यहां नहीं मिलने वाला है। उन्होंने आगे कहा, पिछली बार भी यूएई में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था जिसकी वजह से उनका नाम भारतीय टीम में आया था। वही वरुण चक्रवर्ती जब आप भारत में खेल रहे थे तो खेलने के लिए थोड़ा आसान गेंदबाज था क्योंकि पिचिंग के बाद इतना फिज नहीं था। इसलिए वह चार ओवर का गेंदबाज है और बीच के ओवरों में विकेट लेने का विकल्प है।

न्यूजीलैंड के बाद इंग्लैंड ने भी किया पाकिस्तान का दौरा रद्द, बताई यह वजह

लंदन। न्यूजीलैंड के बाद अब इंग्लैंड ने अपनी पुरुष और महिला टीमों का अगले महीने का पाकिस्तान दौरा रद्द कर दिया। न्यूजीलैंड ने तीन दिन पहले ही सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला रद्द कर दी थी।

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) इस सप्ताहांत विचार विमर्श करने के बाद दौरा रद्द करने का फैसला किया। यह इंग्लैंड का 2005 के बाद पहला पाकिस्तान दौरा होता।

ईसीबी ने बयान में कहा कि ईसीबी बोर्ड ने इंग्लैंड की महिला और पुरुष टीमों के पाकिस्तान में होने वाले मैचों को लेकर इस सप्ताहांत चर्चा की और हम पुष्टि कर सकते हैं कि बोर्ड ने अनिच्छा से अक्टूबर में होने वाले दोनों टीमों के दौरे को रद्द करने का फैसला किया है। हमारे खिलाड़ियों की मानसिक और शारीरिक सुरक्षा

हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और अभी हम जिस दौर से गुजर रहे हैं उसमें यह और महत्वपूर्ण हो गया है। बयान में कहा गया है कि हम जानते हैं कि उस क्षेत्र में यात्रा करने को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं तथा दौरा जारी रखने से खिलाड़ियों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ता जो कोविड के प्रतिबंधित वातावरण में पहले से दबाव झेल रहे हैं। न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को रावलपिंडी में पहला वनडे शुरू होने से कुछ देर पहले अपनी सरकार की सुरक्षा चेतावनी के कारण दौरा रद्द करने का फैसला किया था। पहले ही अनुमान लगाया जा रहा था कि इसका इंग्लैंड के दौरे पर प्रभाव पड़ सकता है।

भारतीय ओलिम्पिक हॉकी इतिहास का हिस्सा बनकर खुश हैं वरूण कुमार

नई दिल्ली। ओलिम्पिक के लिए भारत की 16 सदस्यीय टीम में जगह नहीं पाने के बाद भारतीय पुरूष हॉकी टीम के डिफेंडर वरूण कुमार निराश थे लेकिन वह कोरोना महामारी के बीच 'वैकल्पिक खिलाड़ी' के रूप में टीम का हिस्सा बने और उन्हें खुशी है कि अपने पहले ही ओलिम्पिक में कांस्य पदक जीत सके। ड्रैग फ्लिकर वरूण और मिडफील्डर सिमरनजीत सिंह को ओलिम्पिक में पदार्पण का मौका मिला जब अंतरराष्ट्रीय ओलिम्पिक समिति ने महामारी के कारण टीम स्पर्धाओं में वैकल्पिक खिलाडियों को शामिल करने की मंजूरी दी।

वरूण ने कहा कि ओलिम्पिक के लिए टीम की घोषणा हुई तो मेरा नाम 16 सदस्यों में नहीं था। मुझे वह दिन अच्छी तरह से याद है। मैं बहुत दुखी था। उन्होंने कहा कि लेकिन कुछ दिन बाद आईओसी ने 18 खिलाडियों को टीम में रखने की अनुमति दे दी।

मुझे और सिमरनजीत को मौका मिला। यह बड़ी राहत की बात थी लेकिन कहीं ना कहीं दिमाग में ये था कि अंतिम-16 में जगह नहीं मिल सकी थी और मैं खुद को साबित करना चाहता था। वरूण ने कहा कि टोक्यो रवाना होने से पहले कप्तान मनप्रीत सिंह से बात करने से उन्हें काफी मदद मिली। उन्होंने कहा कि मनप्रीत ने मुझसे काफी देर बात की और मानसिक रूप से मुझे तैयार किया। मनप्रीत का मेरे कैरियर पर बड़ा प्रभाव रहा है। हम एक ही अकादमी में खेलते थे और उससे बात करने से काफी मदद मिली। वरूण ने कहा कि मैं इस तरह से सोचने लगा कि इस मौके का पूरा इस्तेमाल कैसे करना है। वरूण ने कहा कि टोक्यो का अनुभव कमाल का था। कांस्य पदक जीतना और पोडियम पर खड़ा होना शायद मेरे कैरियर का सर्वश्रेष्ठ पल था। अब मेरी प्राथमिकता अपने खेल को और बेहतर करने की है।